Ranchi ● Tuesday, 05 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 314 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

- बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में उठ रहा चक्रवाती तूफान मिचौंग का राज्य में दिखेगा असर
- सोमवार अहले सुबह कोहरे और धुंध का भी असर देखा गया

- 204 ट्रेनें और 70 फ्लाइट कैंसिल
- 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं
- चेन्नई में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर राजधानी रांची में छाए रहेंगे बादल

राज्य के कई इलाकों में आज हो सकती हल्की बारिश

राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। कई इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। राज्य के कई इलाकों में मंगलवार को हल्की वर्षा भी हो सकती है। ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय कोहरा या धुंध छाया रहेगा। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इस सिस्टम का असर 5 दिसंबर से राज्य में पड़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वरीय विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में उठ रहा चक्रवाती तूफान मिचौंग 4 दिसंबर की शाम चेन्नई और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश और इसके आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों को पार कर चुका है। जिसका असर झारखंड में पड़ने की संभावना है। 5 दिसंबर को राज्य के दक्षिणी हिस्से सरायकेला-खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश से आज टकराएगा साइक्लोन मिचौंग

80 साल में चेन्नई में सबसे ज्यादा बारिश, 5 की मौत

बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को सुबह 12 बजे से पहले आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के तट से टकराएगा। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस दौरान 90 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी ने बताया कि तूफान का असर ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी में रहेगा। अब तक 204 ट्रेनें और 70 फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। तमिलनाडु के चेन्नई में बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। तमिलनाडु के वाटर सप्लाई मिनिस्टर के मुताबिक, 70-80 साल में चेन्नई शहर में पहली बार ऐसी बारिश हुई है।

SHARE

सेंसेक्स	:	68,865.12
निफ्टी	:	20,686.80

SARAFA

सोना	:	6,000
चांदी	:	83.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

सात को होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक

RANCHI : राज्य मंत्री परिषद की बैठक 7 दिसंबर को आयोजित होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठक शाम 4:00 बजे से प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने आदेश जारी किया है।

ट्रक से टकराई ट्रेन, बाल-बाल बचे रेल यात्री

KOLKATA : मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का में क्रॉसिंग से गुजर रहे एक ट्रक से टकराने के बाद कोलकाता-राधिकापुर एक्सप्रेस के यात्री बाल-बाल बच गए। रेलवे सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रविवार देर रात हुई इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन करीब 15 यात्री घायल हो गए। टक्कर के कारण ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई थी। मौके पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने जल्द ही आग पर काबू पा लिया। वरिष्ठ रेलवे और रेलवे सुरक्षा (आरपीएफ) तड़के ही मौके के लिए रवाना हो गए।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के विश्लेषण में मोदी जीत के हीरो

NEW DELHI : अमेरिका के प्रमुख अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अपने विश्लेषण में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी की जीत का हीरो बताया है। अखबार का कहना है कि पांच राज्यों में हुए चुनाव को भारतीय जनता पार्टी के लिए बड़ी परीक्षा के रूप में देखा गया। नतीजों से साफ है कि भाजपा ने एक प्रमुख आबादी वाले क्षेत्र में अपना प्रभुत्व बढ़ाया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि चुनाव परिणाम मुख्य विपक्षी दल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए एक और झटका है। कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मोदी की भाजपा से हार गई।

मिजोरम के 27 सीटों पर जेपीएम का कब्जा

मुख्यमंत्री जोरमथंगा चुनाव हारे, एमएनएफ को 10, भाजपा को 2 व कांग्रेस एक पर जीती

AGENCY IMPHAL : मिजोरम के 40 विधानसभा सीटों का रिजल्ट आ गया है। इस बार नई नवेली पार्टी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेपीएम) 27 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। सत्ताधारी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस के खाते में एक सीट आई हैं। मिजोरम में सबसे बड़ा उलटफेर आइजोल ईस्ट-1 सीट पर हुआ। यहां मुख्यमंत्री जोरामथंगा चुनाव हार गए। उन्हें जेपीएम के ललथनसंगा ने 2 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। हार के बाद सीएम ने डॉ. हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात कर इस्तीफा दे दिया। जेपीएम की जीत पर पार्टी के नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार लालदुहोमा ने कहा- मैं पार्टी की जीत से खुश हूं। मुझे इसी तरह के नतीजों की उम्मीद थी। अगले दो दिनों के अंदर मैं राज्यपाल से मिलूंगा। शपथ ग्रहण इसी महीने होगा। लालदुहोमा इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज रह चुके हैं।

- एमएनएफ को जेपीएम ने 2 हजार से ज्यादा वोटों से हराया
- सीएम ने दिया इस्तीफा
- इंदिरा गांधी के सिक्योरिटी इंचार्ज रह चुके जेपीएम के लालदुहोमा

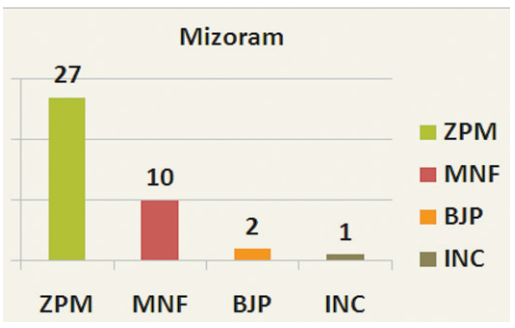

मणिपुर में दो गुटों में गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

IMPHAL : मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के लीथू गांव में सोमवार सुबह 10.30 बजे दो समूहों में गोलीबारी हुई, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। असम राइफल्स के मुताबिक इलाके में दबदबा रखने वाले एक विद्रोही समूह ने म्यांमार जा रहे उग्रवादियों पर घात लगाकर ये हमला किया था। अब तक हमें मौके से 13 शव बरामद हुए हैं। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि वे स्थानीय नहीं हैं। यह घटना कुकी बहुल इलाके में हुई है, जो म्यांमार से इंटरनेशनल बॉर्डर शेयर करता है। मणिपुर में 3 मई के बाद से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा जारी है।

धनबाद जेल में गैंगस्टर की हत्या पर हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

PHOTON NEWS RANCHI : धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या के मामले पर झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में जेल आईजी को मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस मामले की सुनवाई मंगलवार को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता को सरकार से निर्देश लेने का निर्देश दिया है। अदालत ने धनबाद जेल में हुई हत्या से संबंधित खबरों पर संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगा। सोमवार को राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने अदालत को बताया कि सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है और वरीय अधिकारियों की टीम घटनास्थल पर जा कर जांच कर रही है।

- जेल आईजी को आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में हाजिर होने का निर्देश
- धनबाद जेल में बंद शूटर अमन सिंह की गोली मारकर कर दी गई थी हत्या

जेलर निलंबित, जेल से दो पिस्टल बरामद

DHANBAD : अमन सिंह हत्याकांड मामले में जांच करने धनबाद पहुंचे जेल आईजी उमा शंकर सिंह ने सर्किट हाउस में सोमवार को मीडिया कर्मियों से बात की। उन्होंने बताया कि कैदी अमन सिंह को गोली मारने वाले की पहचान सुंदर महतो के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद जिला प्रशासन एवं जेल प्रशासन द्वारा अलग-अलग टीम बनाकर सभी वार्डो, सेलो एवं पूरे परिसर की सघन तलाशी ली गयी। तलाशी की दौरान छह मोबाइल और 18000 रुपए बरामद हुए। कैदियों में आपसी टकराव एवं गैंगवार की संभावना को देखते हुए अलग-अलग गुटों के कैदियों को फौरन अलग अलग सेल में बंद किया गया। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच के दौरान उक्त घटना में प्रयुक्त हथियार को ट्रेस करते हुए कारा परिसर से दो पिस्टल बरामद किए गए हैं। उक्त घटनाक्रम में चार प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही हॉस्पिटल वार्ड में घटनास्थल की बेरीकेडिंग करते हुए उसे सेनीटाइज कर दिया गया है।

हत्या से पहले जेल में बजी थी पगली घंटी

DHANBAD : गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या से पहले रविवार की दोपहर जेल में बंदियों के अलग-अलग गुटों में झड़प होने की बात सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार बंदियों के बीच हुई झड़प के बाद जेल प्रशासन की ओर से पगली घंटी बजायी गयी। पगली घंटी की आवाज सुन सुरक्षा में तैनात जवान बंदियों को रोकने के लिए आगे बढ़ रहे थे। सूत्रों के अनुसार इसी बीच किसी ने अमन सिंह पर ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी। जब तक जेल की सुरक्षा में तैनात जवान वहां पहुंचते, तक अमन सिंह का शव जेल के अंदर जमीन पर खून से लथपथ पड़ा हुआ था। न्यायालय के आदेश पर सोमवार को गैंगस्टर अमन सिंह का सीटी स्कैन होना था। इसकी सूचना शनिवार को जेल प्रशासन द्वारा एसएनएमएमसीएच प्रबंधन को दी गयी थी। सोमवार को उसे कड़ी सुरक्षा के बीच एसएनएमएमसीएच लाया जाना था। बता दें कि न्यायालय में स्वास्थ्य खराब का हवाला देकर अमन सिंह ने चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग की थी।

सरकार आपके द्वार : हेमंत ने गिरिडीह को 335 करोड़ की दी सौगात

1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया वापस करे केंद्र सरकार : सीएम

PHOTON NEWS GIRIDIH : झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार अगर राज्य सरकार की बकाया राशि एक लाख 36 हजार करोड़ का भुगतान करे, तो राज्यवासियों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य हो सकेंगे। लाखों की संख्या में जरूरतमंदों को आवास, युवाओं की शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में कॉलेज, लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति समेत अन्य जनकल्याण के कार्य राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। गिरिडीह के झंडा मैदान में सोमवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बिजली का 1200 करोड़ रुपए बकाया झारखंड से ले लिया गया और बिजली उपलब्ध कराने में भी कटौती की जाती रही है, लेकिन राज्य सरकार जल्द खुद का बिजली संयंत्र लगाने की कार्ययोजना पर आगे बढ़ रही है। इस कार्यक्रम में 305 करोड़ रुपए की 117 योजनाओं का शिलान्यास एवं 30 करोड़ रुपए की 20 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। कुल 335 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ। 64728 लाभुक विभिन्न योजनाओं से आच्छादित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की बेटियों को अपनी पढ़ाई को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अतिरिक्त गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ भी सरकार दे रही है। अब उच्च शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में योजना सहायक बनेगी।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करते सीएम हेमंत सोरेन।

पूर्व की सरकारों पर साधा निशाना

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वर्तमान सरकार के गठन से पूर्व ऐसा किसी सरकार ने नहीं किया था। आज पदाधिकारी आपकी समस्या का समाधान आपके द्वार पर कर रहे हैं। चंद घंटों में आपकी समस्याओं का समाधान हो रहा है। राज्य भर की पंचायतों और गांवों में शिविर का आयोजन हो रहे हैं, ताकि अंतिम व्यक्ति को सरकार की योजना का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वार के पिछले दो चरणों में लाखों आवेदन प्राप्त हुए थे। अगर पूर्व की सरकारों द्वारा लोगों की समस्या का समाधान किया गया होता, तो आज स्थिति कुछ और होती, लेकिन यह आपकी सरकार है, जो आपकी समस्यायों के समाधान के लिए आपके द्वार पहुंच रही है। पदाधिकारी राज्यवासियों की सेवा में लगे हैं, जबकि पूर्व की सरकारों ने इन्हें अपनी सेवा में लगा रखा था।

जब तक मैं हूं, आदिवासी समाज को कुछ नहीं होगा

GIRIDIH : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जब तक मैं हूं,आदिवासी समाज का कुछ भी अहित नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। यहां के धार्मिक स्थल जाहेर थान की घेराबंदी का कार्य होगा। इस देश में आदिवासियों का विशेष स्थान होना चाहिए। सीएम सोमवार को आदिवासी छात्रावास गिरिडीह में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा व्यवस्था की बेहतरी के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है। यहां के लोग सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से कैसे सशक्त हों, इसके लिए सरकार तत्परता के साथ कार्य कर रही है। सीएम ने कहा कि इस राज्य को हम सभी लोग मिलकर जुलकर विकास की राह में तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। आदिवासी छात्रावास गिरिडीह में मल्टीपर्पस हॉल,पुस्तकालय, छात्रावास की चारदीवारी कार्य तथा छात्रावास में रसोइया की व्यवस्था का प्रयास जल्द किया जाएगा। गिरिडीह कॉलेज में पीजी की पढ़ाई जल्द शुरू हो, इसके लिए कार्ययोजना जल्द तैयार की जाएगी।

पंकज मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

अवैध खनन की CBI जांच पर रोक से कोर्ट का इन्कार

PHOTON NEWS RANCHI : साहिबगंज जिले में अवैध खनन के जरिए अकूत संपति अर्जित करने और उन पैसों की मनी लॉउंड्रिंग करने के आरोपी पंकज मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्ट की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है जिसमें साहिबगंज में अवैध खनन की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था। अदालत अब इस मामले में 15 दिसंबर को सुनवाई करेगा। दरअसल, झारखंड हाईकोर्ट ने साहिबगंज में अवैध खनन की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश को पंकज मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी।

- न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्ट की बेंच में हुई सुनवाई
- साहिबगंज में अवैध खनन की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था आदेश

तेलंगाना में एयरफोर्स का ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश, दो पायलट की मौत

HYDERABAD : इंडियन एयर फोर्स का एक ट्रेनिंग विमान सोमवार सुबह तेलंगाना में क्रैश हो गया। इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई। प्लेन मेडक के बाहरी इलाके परिधि रवेली में क्रैश हुआ। आईएएफ के मुताबिक, विमान में दो पायलट मौजूद थे। जिसमें एक ट्रेनर थे जो नए कैडेट को प्लेन उड़ाना सिखा रहे थे। सोमवार सुबह डिंडिगुल के एयर फोर्स एकेडमी से विमान ने उड़ान भरी और 8:55 बजे क्रैश हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, प्लेन कुछ मिनटों में ही जलकर खाक हो गया। पिछले 8 महीनों में एयर फोर्स का यह तीसरा प्लेन एक्सीडेंट है। इससे पहले जून में ट्रेनी विमान किरण क्रैश हो गया था। वहीं मई में मिग-21 प्लेन क्रैश हो जाने से तीन पायलटों की मौत हो गई थी। एक जून को भारतीय वायु सेना का सूर्य किरण ट्रेनर विमान कर्नाटक के चामराजनगर जिले के भोगपुरा गांव में क्रैश हो गया था। जेट में सवार दो पायलट पैराशूट का उपयोग करके सफलतापूर्वक बाहर निकल गए थे।

आप सांसद राघव चड्ढा का राज्यसभा से निलंबन रद्द, अगस्त 2023 से थे सस्पेंड

हार का गुस्सा सदन में न निकालें : प्रधानमंत्री

शीतकालीन सत्र

AGENCY NEW DELHI : संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार 4 दिसंबर से शुरू हो गया। यह सेशन 22 दिसंबर तक चलेगा। 19 दिन के दौरान दोनों सदनों में 15 बैठके होंगी। लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी के पहुंचते ही एनडीए के सांसदों ने उनका जोरदार स्वागत किया। सांसदों ने नारे लगाए- बार-बार मोदी सरकार। तीसरी बार मोदी सरकार। सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से अपील की। उन्होंने कहा कि बाहर मिली पराजय का गुस्सा सदन में मत निकालिए। सदन में सकारात्मक चर्चा कीजिए। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने बैनर लहराए। इस पर स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि सदन में प्लेकार्ड्स नहीं ला सकते। सदन नियमों के मुताबिक ही चलेगा। उधर, राज्यसभा ने आप सांसद राघव चड्ढा का निलंबन रद्द कर दिया। वे अगस्त 2023 से निलंबित चल रहे थे। इसके लिए भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने प्रस्ताव रखा था।

मोदी ने शीतकालीन सत्र के पहले विपक्ष से सकारात्मक चर्चा की अपील की।

विपक्ष के लिए अपनी बात रखने का अच्छा मौका

पीएम ने कहा कि राजनीतिक गर्मी बड़ी तेजी से बढ़ रही है। राज्यों के नतीजे आए हैं। बहुत ही उत्साहवर्धक परिणाम हैं। ये देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए हैं। महिलाएं, युवा, किसान और गरीब ये ऐसी महत्वपूर्ण जातियां हैं, जिनका एम्पॉवरमेंट जरूरी है। जब आप लोक कल्याण के लिए काम करते हैं तो एंटी-इन्कंबेंसी फैक्टर खत्म हो जाता है। नई संसद है, कुछ कमियां महसूस हो सकती हैं। उन्हें दूर करेंगे। मुझे विश्वास है कि स्पीकर और उपराष्ट्रपति के निर्देशन में संसद चलेगी। सत्र के लिए हम विपक्ष के साथियों के साथ चर्चा करते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। लोकतंत्र का ये मंदिर जनआकांक्षाओं के लिए, विकसित भारत की नींव मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण मंच है।

लोकसभा से अधिवक्ता विधेयक 2023 पारित

अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 को संसद से मंजूरी मिल गई है। लोकसभा ने इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा इसे 03 अगस्त को पिछले सत्र में इसे पारित कर दिया था। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक, 2023 को विचार और पारित करने के लिए आज लोकसभा में पेश किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अपनी उपयोगिता खो चुके सभी अप्रचलित कानूनों या स्वतंत्रता-पूर्व अधिनियमों को निरस्त करने के केंद्र सरकार के प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशा एक महान पेशा है और गैरकानूनी प्रथाओं से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। अधिवक्ता अधिनियम, 1961 में संशोधन करता है। यह केवल अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के माध्यम से ही कानूनी पेशे के विनियमन का प्रस्ताव करता है और अदालतों में दलालों से निपटने के प्रावधान को बरकरार रखते हुए कानूनी व्यवसायी अधिनियम, 1879 को निरस्त करता है।

राज्यसभा से डाकघर विधेयक 2023 पारित

राज्यसभा ने सोमवार को डाकघर विधेयक, 2023 को पारित कर दिया। केन्द्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में विधेयक पेश किया। उन्होंने कहा कि नए कानून का पूरा ध्यान मेल डिलीवरी से सेवा डिलीवरी और डाकघर से बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने से जुड़े बदलाव में सहायक बनना है। विधेयक को पेश करते हुए केन्द्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि 125 साल पुराने भारतीय डाकघर अधिनियम में संशोधन इस बात को दर्शाता है कि एनडीए के शासन के तहत पिछले नौ वर्षों में डाकघरों और डाक संस्थानों को कैसे पुनर्जीवित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में डाक सेवाएँ, डाकघर और डाकिए केवल पत्रचार तक सीमित नहीं है बल्कि सेवा मुहैया कराने वाले संस्थान में बदल गए हैं। इन सालों में डाकघर एक तरह से बैंक बन गए हैं। डाक व्यवस्था को बैंकिंग व्यवस्था में बदलने का बड़ा माध्यम इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने महिलाओं के लिए 3.5 करोड़ खाते खोले हैं।

BRIEF NEWS

घाघरा मोड़ के पास कार की चपेट में आया बाइक एक की मौत

GIRIDIH : बगोदर थाना क्षेत्र में जीटी रोड स्थित घाघरा मोड़ के पास रविवार देर शाम कार ने एक बाइक को उस समय चपेट में लिया जब बाइक सवार रोड क्रास कर रहा था। बाइक पर तीन युवक सवार थे। इस घटना में तीनों घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घायलों को पीसीआर में लादकर बगोदर ट्रॉमा सेंटर पहुंची। यहां तीनों का प्राथमिक इलाज किया गया। बेहतर इलाज के लिए दो युवकों को हजारीबाग रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान टिंकू सिंह की रात में मौत हो गई। जबकि दो लोगों का इलाज चल रहा है। तीनों बाइकसवार बिष्णुगढ़ के अलपीटो के रहने वाले थे। घटना को अंजाम देकर भाग रहे कार को हेसला के ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने जब्त कर लिया है।

जहरीला पदार्थ खाकर अधेड़ दंपति ने की आत्महत्या

PALAMU : सामाजिक प्रतिष्ठा तार तार होने के कारण अपनों से दूरी बनने पर एक अधेड़ दंपति ने आत्महत्या कर ली। मामला पलामू जिले के पाटन थाना के मनिका गांव का है। यहां के निवासी नवल किशोर दुबे (58) एवं चम्पा देवी (55) ने सोमवार को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि दोनों को इलाज के लिए एमएमसीएच में लाया गया, लेकिन यहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि प्रेम-प्रसंग में पड़ोस गांव की दलित समुदाय की लड़की को भगा ले जाने का आरोपित सह दंपत्ति के छोटे पुत्र को लेकर गोतिया-परिवार के लोगों से दूरी बन गई थी। साथ ही मंझले बेटे का भी आपराधिक कृत्य में नाम आ गया था। सामाजिक प्रतिष्ठा पर अपनों के कारण लगातार आघात होने से दंपत्ति तनाव में चल रहा था। पलामू जिले के बड़े कर्मचारी नेता नारद दूबे के पुत्र नवल किशोर दूबे व उनकी पत्नी सोमवार को दिन में करीब 11 बजे जहर खा लिये। जानकारी होने पर परिजनों ने दोनों को तत्काल मेदिनीनगर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। घटना से परिजन समेत गांव व समाज के लोग काफी सदमे में हैं।

पुण्यतिथि पर याद किये गये समाजसेवी सुरेंद्र मिश्रा

KHUNTI : बाबा आम्रेश्वरधाम प्रबंध कमेटी में महामंत्री रहे अजीज समाजसेवी सुरेंद्र कुमार मिश्रा की को तीसरी पुण्यतिथि सयोमवार को श्रद्धापूर्वका मनाई गयी। तीन साल पूर्व चार दिसंबर आज ही के दिन सुरेंद्र कुमार मिश्रा का निधन हो गया था। नके आवासीय परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में समाज के सभी तबके के लोगों और विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकताओं ने स्व मिश्र के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके व्यक्ति्व और कृतित्व को नमन किया। बाबा आम्रेश्वरधाम परिसर में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर प्रबंध कमेटी सदस्यों ने उन्हे याद किया और उनके अधूरे कार्यो को पूरा करने का संकल्प लिया। मौके पर परिवार जनों की ओर से दिवंगत की याद में गरीबों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। श्रद्धांजलि देने वालों में बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध कमेटी के महामंत्री मनोज कुमार, मुनीनाथ

किस्को प्रखंड में आपकी योजना, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

सरकार को पांच वर्ष तक विकास कार्यों की होती है जिम्मेवारी : मंत्री

PHOTON NEWS LOHARDAGA : किस्को प्रखंड क्षेत्र के बगडू जामुन टोली मैदान में सोमवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जनता की चुनी हुई सरकार है। चुनी हुई सरकार को पांच वर्ष तक विकास करना जिम्मवारी होती है। गरीबों को राशन देना सरकार की जिम्मेवारी हैं। कांग्रेस एवं झामुमो की सरकार ने पूरे राज्य में 20 लाख गरीबों को राशन कार्ड उपलब्ध कराई। छूटे हुए लोग

वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करती महिला। ● फोटोन न्यूज

आवेदन करे सरकार हर गरीबों को राशन कार्ड उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजन पेंशन योजना के तहत हजार रुपए दे रही है। हर जरूरत मंद को सरकार पेंशन दे रही है। आंगनबाड़ी में बच्चों को गर्म कपड़ा देने का काम कर रही है। तीन वर्ष में 08 लाख अबुआ आवास देने का काम सरकार करेगी,कुआ एवं बोरिंग देने का काम सरकार कर रही है। आज लोगों को प्रखण्ड मुख्यालय का चक्कर लगाना नहीं पड़ रहा है। अधिकारी एवं सरकार खुद गांव गांव तक जा रही है। आदवसी संस्कृति को बचाने के उद्देश्य से गांव गांव में अखड़ा निर्माण कराई जा रही है। अभी लोहरदगा में अखड़ा निर्माण कराई गई है। अगले वर्ष से पूरे राज्य में अखड़ा निर्माण कराई जाएगी।

राज्यपाल ने चंद्रप्रभु जैन मंदिर में की पूजा-अर्चना

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को गिरिडीह डुमरी रोड के बराकर नदी तट स्थित 400 करोड़ की लागत से नवनिर्मित रिजूबालिका तीर्थ चंद्रप्रभु जैन मंदिर पहुंचे। जैन मुनि आचार्य सूरी जी महाराज के सानिध्य में विधि विधान के साथ भगवान महावीर की पूजा-अर्चना की। आचार्य सूरी जी महाराज का आशीर्वाद भी लिया। राज्यपाल सुबह करीब नौ बजे ही चंद्रप्रभु मंदिर पहुंचे थे। ● फोटोन न्यूज

गुमला : 'माई जर्नी ऑफ लर्निंग-इंडिया टू यूएसए' शीर्षक पर सेमिनार का आयोजन

PHOTON NEWS GUMLA : गुमला पॉलिटेक्निक के सभागार में सोमवार को 'माई जर्नी ऑफ लर्निंग : इंडिया टू यूएसए' शीर्षक पर एक प्रेरणादायक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मेम्फिस विश्वविद्यालय (टेनेसी, अमेरिका) के फोगेलमैन कॉलेज में विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुभाष झा ने सभा में उपस्थित छात्र-छात्रावों एवं शिक्षकों को सम्बोधित किया।

यह कार्यक्रम वैश्विक शैक्षणिक परिदृश्य में अपना रास्ता बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए प्रेरणा और ज्ञान के स्रोत के रूप में सामने आया। सेमिनार की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष झा, संस्था के निदेशक अभिजित कुमार, प्राचार्य डॉ शीबा नारायण साहू एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अजीत कुमार शुक्ल के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया ।

इसके बाद सभा को संबोधित करते हुए डॉ सुभाष झा ने भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका तक की अपनी अविश्वसनीय यात्रा के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें चुनौतियों, विजय और शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव को साझा किया । छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की और उन्हें वास्तविक जीवन परिदृश्यों में इन अवधारणाओं को कैसे लागू किया जाए, इस पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। सेमिनार में केस स्टडीज और समूह चचाएँ भी शामिल थीं , जिससे प्रतिभागियों को विषय की बेहतर समझ हासिल करने में मदद मिली।

निदेशक अभिजीत कुमार ने जीवन में लक्ष्यों का चयन कैसे करें, स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करने और अपनी आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए एक विचारोत्तेजक भाषण दिया। व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में लक्ष्य-

खूंटी की विभिन्न पंचायतों में आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम

आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में आकर योजनाओं का उठायें लाभ : लोकेश मिश्र

PHOTON NEWS KHUNTI : आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को खूंटी प्रखंड की गुटजोरा पंचायत, कर्रा की गोविंदपुर, मुरहू की केवड़ा, अड़की की तिनतिला, तोरपा की फटका और रनिया प्रखंड की. बनई पंचायत के अलावा नगर पंचायत खूंटी क्षेत्र के हनुमान मंदिर के पास शिविर लगाकर लोगों को सरकारी यशेजनाओं का लाभ दिया गया।

खुंटी में कार्यक्रम के दौरान बुजूर्ग को सम्मानित करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

साथ ही उन्हें विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने खूंटी प्रखंड की सिलादोन पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से आवश्यक दस्तावेज के साथ शिविर में आकर योजनाओं का लाभ लेने को कहा। डीसी ने कहा कि कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान का प्रयास किया जा रहा है। बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के तहत ग्रामीणों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण उपायुक्त् ने किया।

अभियान के तहत अबुआ आवास योजना को लेकर आवेदन लिये गये। साथ ही बिरसा सिंचाई कूप, वनाधिकार पट्टा का वितरण, साइकिल वितरण, आय, जन्म,

विधायक ने जमींदार और वनकर्मियों से परेशान ग्रामीणों की सुनी समस्याएं, दिया आश्वासन

PHOTON NEWS PALAMU : पांकी विधायक डा. शशिभूषण मेहता सोमवार को पांकी प्रखंड के डेमा गांव पहुंचे। लोगों का हालचाल जाना। इस दौरान कई ग्रामीण जमींदार और वनकर्मियों के उजाड़ने के रवैये से अजीज होकर बोलने में फफक-फफक कर रोने लगे। मानो कुंवर ने कहा कि उसके पति की हत्या इसी जमीन को लेकर हो गई थी। प्रतिमा देवी, सुनिता कुंवर, बासमती देवी, बिफनी देवी, सकेन्द्र उरांव, मोहन उरांव, बिरेंद्र सिंह, सरिता देवी, तुलसी

विधायक को अपनी पीड़ा बताते ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

भुइयां, दुलारी देवी, वृक्ष भुइयां सहित अन्य ग्रामीणों ने आग्रह पत्र देकर विधायक से कहा कि डेमा के ग्रामीणों को दुसरे वर्ग लोग और वन विभाग के वनकर्मी परेशान कर उजाड़ने की कोशिश की जा रही है। इस गांव में 25-30 घर भुइयां, चेरो एवं कोइरी जाति के लोग निवास करते हैं। विनय सिंह ने कहा कि तीन पीढ़ी से इस गांव में इसी जमीन पर रहते आ रहे हैं।

पांकी विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने कहा कि डेमा गांव से ग्रामीणों को उजाड़ने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तीन चार पीढ़ियों से रहते आ रहे लोगों के वंशजों को वन विभाग के कर्मी उजाड़ना चाहते हैं। राज्य सरकार आदिवासियों के साथ अत्याचार कर रही है। विधानसभा सत्र में आदिवासियों को पट्टा दिलाने के लिए आवाज उठाई जाएगी।

तीन राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला विजय जुलूस

जीत का सारा श्रेय कार्यकर्ताओं को : कोचे मुंडा

PHOTON NEWS KHUNTI : तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में सोमवार को कर्रा प्रखंड के जरियागढ़ में विधायक कोचे मुंडा के नेतृत्व में भव्य विजय जुलूस निकाला गया। पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ ग्रामीण भी ढोल नगाड़ों साथ डीजे पर जमकर थिरके। कार्यकर्ताओं ने अबीर गुलाल लगाकर जीत की खुशी का इजहार किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि

तीन राज्यों में भाजपा की जीत का सारा श्रेय वहां के समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को जाता है। विधायक ने कहा कि तीन राज्यों के चुनाव परिणाम में साबित कर दिया है कि जनता ने कांग्रेस को पूरी तरह नकार दिया है।

उन्होंने कहा कि तीन राज्यों का चुनाव परिणाम आनेवाले लोकसभा में भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत भी है। कोचे मुंडा ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे अभी से लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं।

सेंट्रल जेल में आधी रात को पड़ी रेड

धनबाद जेल में बंद अमन सिंह की हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट

PHOTON NEWS PALAMU : धनबाद जेल में बंद अमन सिंह की हत्या के बाद प्रशासन अलर्ट हो गया है। जेलों की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इसी कड़ी में मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में रविवार आधी रात को छापामारी की गयी। छापामारी करीब दो घंटे तक चली। हालांकि इस क्रम में किसी तरह का कोई भी सामान बरामद नहीं हुआ। छापामारी में एक दर्जन से अधिक दंडाधिकारी और 150 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। बता दें कि सेंट्रल जेल में कुख्यात अपराधी सरगना अमन साव समेत 1100 के करीब कैदी बंद हैं।

रविवार को धनबाद मंडल जेल में बंद अमन सिंह की हत्या कर दिए जाने के बाद से जेलों में किसी तरह की घटना न हो इसे लेकर

जेल में छापेमारी के दौरान जुटे पुलिसकर्मी। ● फोटोन न्यूज

अलर्ट भेजा गया है। इसी को देखते हुए रविवार को देर रात करीब 12 बजे मेदिनीनगर सेंट्रल जेल में छापेमारी की गई है। इसकी पुष्टि एसपी रीष्मा रमेशन ने की है। एसपी ने इसे रूटिंग जांच बताया है। जांच के दौरान किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

छापेमारी का नेतृत्व प्रशिक्षु आईएएस और एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने किया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक दंडाधिकारी और 150 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। सेंट्रल जेल में फिलहाल 1100 के करीब कैदी बंद हैं। इसी जेल में कुख्यात अपराधी अमन साव भी बंद है। इसके अतिरिक्त कई कुख्यात नक्सली और अपराधी भी बंद हैं।

अधिवक्ता संघ पलामू में हो रहे द्विवार्षिक सत्र 2023-25 के लिए चुनाव

अंतिम दिन भिन्न-भिन्न पदों के लिए भरे 51 नामांकन, छह को जांच, नौ को नाम वापसी

PHOTON NEWS PALAMU : अधिवक्ता संघ पलामू में हो रहे द्विवार्षिक चुनाव सत्र 2023-25 में नामांकन के अंतिम दिन तक भिन्न-भिन्न पदों के लिए कुल 51 अभ्यर्थियों ने आवेदन जमा किये।

इसमें अध्यक्ष पद के लिए बलराम तिवारी, रामदेव प्रसाद यादव, उपाध्यक्ष में मंधारी दुबे, बिनोद तिवारी, सचिंद्र पांडे, गुप्तेश्वर महतो, राणा मनोज सिंह, महासचिव में अजय कुमार पांडेय, केसी पांडे, दीपक कुमार, राजीव रंजन, संजीव नयन, प्रमोद कुमार सिंह, रंजन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष में अनिल कुमार, मदन तिवारी, जय किशोर पाठक, लाजवंत तिवारी, संतोष तिवारी, दीपक कुमार, सहायक कोषाध्यक्ष में देव कुमार शुक्ला, राम प्रवेश रजक, संयुक्त सचिव प्रशासन के पद पर नितिन कुमार पांडेय, भरत तिवारी, प्रिय रंजन तिवारी,

नामांकन फॉर्म जमा करते अधिवक्ता। ● फोटोन न्यूज

सुरेंद्र पांडेय, विक्रम त्रिपाठी, रंजित शर्मा, प्रेमतोष कुमार सिंहआदि अभ्यर्थियों ने आवेदन जमा किये।

छह दिसम्बर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, वहीं 9 दिसम्बर को नाम वापसी एवं 11 दिसम्बर को सभी अभ्यर्थियों का फाइनल लिस्ट जारी कर दिया जाएगा। चुनाव 16 दिसंबर होगा। चुनाव समिति के वैध नाथ तिवारी, सौकत अली, सतीश चंद्र महतो सहित बार काउंसिल द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक की निगरानी में चुनाव संपन्न होगा। 17 दिसंबर को गिनती एवं 18 दिसंबर को विजय अभ्यर्थी को प्रमाणपत्र सुपुर्द किया जाएगा।

पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत जिला सलाहकार एवं जिला निरीक्षण व अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों व अस्पतालों का औचक निरीक्षण जरूरी : डीसी

PHOTON NEWS RAMGARH : जिले में संचालित होने वाले सभी अल्ट्रासाउंड सेंटर और अस्पतालों का औचक निरीक्षण बेहद जरूरी है। यह बातें सोमवार को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत जिला सलाहकार एवं जिला निरीक्षक और अनुश्रवण समिति की बैठक में डीसी चंदन कुमार ने कही। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद से जिले के अलग-अलग प्रखंडों में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालन हेतु सरकार द्वारा जारी दिशा निदेर्शों की जानकारी लेते हुए सिविल सर्जन को नियमित रूप से जिले के अलग-अलग प्रखंडों में चल रहे अल्ट्रासाउंड केंद्रों, अस्पतालों का औचक रूप से जांच कर संबंधित प्रतिवेदन जिला स्तर पर उपलब्ध कराने, अवैध रूप से

अधिकारियों संग बैठक करते उपायुक्त चंदन कुमार। ● फोटोन न्यूज

संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों को सील करने तथा नियमों का अनुपालन नहीं कर रहे अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सिविल सर्जन से अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालन के दौरान संधारित की जाने वाली जानकारी एवं उन्हें जिला स्तर पर उपलब्ध कराने हेतु संचालकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए वैसे संचालक जो नियमित रूप से प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं करा रहे हैं उनको सूचीबद्ध करने एवं उन पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने सिविल सर्जन सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों को जांच के दौरान अल्ट्रासाउंड से संबंधित ऑनलाइन तथा ऑफलाइन एंट्री का मिलान करने एवं उनमे भिन्नता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को अल्ट्रासाउंड मशीनों का नवीनीकरण एवं नए अल्ट्रासाउंड मशीनों के स्थापन के संबंध में सम्पूर्ण जाँच प्रक्रिया पूर्ण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सिविल सर्जन को अल्ट्रासाउंड केंद्र में प्रतिनियुक्त चिकित्सकों के रोस्टर की जांच करते हुए केंद्रों का संचालन नियम अनुसार सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। डीसी ने अलग-अलग अस्पतालों में कार्य कर रहे चिकित्सकों की समय सारिणी के साथ प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को किसी भी स्थिति में गर्भावस्था के दौरान लिंग जाँच न हो यह सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही कोई भी सरकारी चिकित्सक अपने ड्यूटी के दौरान किसी अन्य गैरसरकारी संस्था में कार्य ना करे यह भी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने रिन्यूवल हेतु विभिन्न संस्थानों से आये आवेदनों से शपथ पत्र प्राप्त करने के उपरांत ही आगे की करवाई करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर आने वाले मरीज के जांच के क्रम में भर जाने वाले फॉर्म एफ से संबंधित प्रतिवेदनों की भी जांच की।

विद्युत चोरी मामले में पहले करायी एफआईआर, बाद में बताया निर्दोष

PHOTON NEWS PALAMU : विद्युत विभाग के छतरपुर कार्यपालक अभियंता रामगोपाल राम ने सोमवार हरिहरगंज के विधुत कनीय अभियंता धनंजय प्रसाद को विद्युत चोरी के मामले में निर्दोष बताया है। मालूम हो कि मामले में कनीय अभियंता के खिलाफ पिछले दिनों कार्यपालक अभियंता ने हरिहरगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। सोमवार को विद्युत सब स्टेशन हरिहरगंज में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यपालक अभियंता ने बताया कि पिछले दिनों जेई द्वारा शट डाउन लिया गया था। वह आरोपी उपभोक्ता का कनेक्शन जोड़ने के लिए नहीं था, बल्कि आपूर्ति जांच के लिए लिया गया था। इस मामले में सघन जांच के अभाव में प्राथमिक दर्ज होने से कनीय अभियंता की छवि धूमिल

जानकारी देते रामगोपाल राम व धनंजय प्रसाद।

हुई। इसके लिए विभाग खेद प्रकट करते हुए हरिहरगंज थाना में इनके निर्दोष होने का सुधि पत्र दिया है।

वहीं उपस्थित कनीय अभियंता धनंजय प्रसाद ने बताया कि मानव दिवसकर्मी अनिल कुमार सिंह को विभाग से कार्य मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि मानव दिवस कर्मी से विभागीय कार्य संबंधी किसी प्रकार का लेनदेन ना करें।

BRIEF NEWS

बाइक लूटने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

RANCHI : धुर्वा थाना की पुलिस ने बाइक लूटने के आरोप में रौनित उरांव और राज कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि 30 नवंबर को एक युवक केटीएम बाइक लेकर धुर्वा डैम घूमने गया था। इसी दौरान स्कूटी से दोनों आरोपी पहुंचे और पीड़ित युवक को डरा धमका कर बाइक लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो दोनों आरोपियों की पहचान हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ा और उनसे पूछताछ की गई तो बाइक बरामद हो गई। पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है कि आरोपियों के द्वारा और कितनी लूट और छिनतई की घटना को अंजाम दिया गया है।

दो वार्डों में 66 आवेदनों का ऑन स्पॉट निबटारा

RANCHI : आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को रांची नगर निगम की ओर से दो वार्डों में शिविर लगाया गया। इनमें वार्ड नंबर 15 और वार्ड नंबर 16 में कुल 84 आवेदनों का निपटारा ऑन स्पॉट किया गया। इसके अलावा दोनो वार्ड में जरूरतमंदों के बीच कुल 257 कंबल का वितरण भी किया गया। अपर प्रशासक कुंवर सिंह पाहन ने बताया कि शिविर में होल्डिंग, ट्रेड, जन्म-मृत्यु निबंधन, जल कर भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया। सभी शहरवासी निगम स्तर के सेवाओं का लाभ इन शिविरों में आ कर ले सकते हैं।

प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने हेमंत पर बोला हमला

RANCHI : राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में शानदार सफलता के बाद भाजपा ने हेमंत सरकार पर हमला बोला है। भाजपा केंद्रप्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अहंकारी सरकारों का जाना तय होता है। प्रतुल ने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ की अहंकारी, विवेकहीन सरकारों का अंत हुआ। वहां भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महिला उत्पीड़न चरम पर था। ऐसी ही स्थिति झारखंड की भी है। प्रतुल ने आरोप लगाया कि झारखंड में स्टेट स्पॉन्सर्ड करप्शन का बड़ा रैकेट चल रहा है। झारखंड सरकार की भी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अब जितने दिन हो सके अपने सायरन का काफिला बजा कर घूम लें। प्रतुल ने कहा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। प्रदेश की ठगी हुई आदिवासी- मूलवासी जनता ने वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।

रांची में कल से कुड़माली भाषा सम्मेलन

RANCHI : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कुड़मालि भाषा सम्मेलन 6 एवं 7 दिसंबर 2023 को आयोजित होगा। यह सम्मेलन साहित्य अकादमी, नई दिल्ली एवं डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जायेगा। इसमें कुड़मालि भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से संबंधित विविध विषयों पर विभिन्न विद्वान द्वारा आलेख पाठ प्रस्तुत करेंगे। इस सम्मेलन में साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की ओर से अकादमी के सचिव के। श्रीनिवास राव, अध्यक्ष माधव कौशिक, उपसचिव एन। सुरेश बाबु, कुलपति डॉ। केशरी लाल वर्मा आदि आयोजक के रूप में आयेंगे।

योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए वीआर वैन रवाना

RANCHI : झारखंड सरकार की 16 जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और लोगों को इन योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए आज सोमवार को वीआर वैन (वर्चुअल रियलिटी) रवाना की गयी। समहरणालय परिसर से रांची डीडीसी दिनेश कुमार यादव, रांची जिला जन संपर्क पदाधिकारी डॉ। प्रभात शंकर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्वेता भारती और सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रवि शंकर मिश्रा ने वीआर वैन को हरी झंडी दिखायी। इस दौरान अन्य योजनाओं से जुड़े कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

सहायक टाउन प्लानर की नियुक्ति मामले में दाखिल एसएलपी खारिज

186 अभ्यर्थी की उम्मीदवारी रद्द करने के आदेश को ठहराया सही

- स्वप्निल मयूरेश एवं अन्य की और से दाखिल अपील पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई
- सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट का फैसला रखा बरकरार

SPECIAL REPORTER RANCHI :
सहायक टाउन प्लानर की नियुक्ति मामले में स्वप्निल मयूरेश एवं अन्य की और से दाखिल अपील के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल देवास्मिता बासु की एसएलपी को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हाई कोर्ट के फैसले को सही कराया साथ ही जेपीएससी के साक्षात्कार में बुलाए गए 186 अभ्यर्थी की उम्मीदवारी रद्द करने के हाई कोर्ट के आदेश को सही करार दिया। प्रतिवादी की ओर से हाईकोर्ट का अधिवक्ता सिद्धार्थ रंजन एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अबास परिमल ने पैरवी की।

क्या था हाई कोर्ट का आदेश

दरअसल, हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सहायक टाउन प्लानर की नियुक्ति को लेकर एकल पीठ के आदेश के खिलाफ स्वप्निल मयूरेश एवं अन्य की अपील को स्वीकृत कर लिया था। साथ ही कोर्ट ने जेपीएससी द्वारा सहायक टाउन प्लानर पद के लिए साक्षात्कार में बुलाए गए 186 अभ्यर्थी जिनका फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2020 तक इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर (इंडिया) का सर्टिफिकेट नहीं था, उनकी उम्मीदवारी को रद्द करने का आदेश दिया था। इसके बाद शेष बचे वैसे अभ्यर्थी जिन्हें साक्षात्कार में बुलाया गया था और जिनके पास फॉर्म भरने की अंतिम तिथि तक इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर का सर्टिफिकेट था, उनके नियुक्ति के लिए नया पैनल बनाकर दो माह में फ्रेश रिजल्ट जारी करने का आदेश जेपीएससी को दिया था।

दरअसल, इस संबंध में विवेक हर्षल, स्वप्निल मयूरेश एवं अन्य ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील दाखिल की थी, जिसमे कहा गया था कि परीक्षा में 26 ऐसे अभ्यर्थी परीक्षा में सफल हुए है, जिनके पास विज्ञापन में फॉर्म भरने की अंतिम तिथि तक इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर (इंडिया) में पंजीयन का प्रमाण पत्र नहीं है। विज्ञापन में ऐसी कोई शर्त नहीं थी। नियुक्ति प्रक्रिया के बीच में विज्ञापन की शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता है। ऐसे में इनकी परीक्षा रद किया जाए।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि अप्रैल 2020 में जेपीएससी ने झारखंड में सहायक टाउन प्लानर के 77 पद के लिए विज्ञापन निकाला था। मार्च 2021 को सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए जेपीएससी ने परिणाम जारी कर दिया और सफल हुए 43 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुशंसा सरकार को भेज दी थी, इनमें से 26 ऐसे अभ्यर्थी थे जिनके पास फॉर्म भरने की अंतिम तिथि तक इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर (इंडिया) का सर्टिफिकेट नहीं था। जेपीएससी ने 318 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में बुलाया था, जिनमें से 186 अभ्यर्थियों के पास इंस्टीट्यूट आफ टाउन प्लानर (इंडिया) का सर्टिफिकेट फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2020 तक नहीं थी। इस मामले में एकल पीठ ने टाउन प्लानर की नियुक्ति प्रक्रिया को सही मानते हुए प्रार्थी की याचिका को खारिज कर दिया था।

सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

दूसरी कोर्ट में केस ट्रांसफर करने का निर्देश

RANCHI : वर्ष 2009 में आम लोगों पर पुलिस के अत्याचार के खिलाफ गोड्डा में सड़क जाम से संबंधित एक मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से संबंधित मामले की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में सोमवार को हुई। मामले में हाइकोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की अदालत ने मामले को दूसरे सक्षम बेंच में ट्रांसफर करने का निर्देश दिया । कोर्ट ने प्रार्थी निशिकांत दुबे के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। प्रार्थी निशिकांत दुबे ने गोड्डा के जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज करने को हाइकोर्ट में चुनौती दी है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव एवं पार्थ जालान ने पैरवी की।

बताया जाता है कि गोड्डा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निकट सड़क जाम हुआ था, इस दौरान पुलिस की पेट्रोलिंग वाहन को भी जाने नहीं दिया गया था। बाद में निशिकांत दुबे के अनुरोध पर रात 11:45 बजे सड़क जाम हटाया गया था। गोड्डा की निचली अदालत ने इस मामले को लेकर 18 जून 2013 को संज्ञान लिया था। मामले को लेकर पोड़ैयाहाट थाने में कांड संख्या 162/ 2009 दर्ज की गयी थी। निशिकांत दुबे पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप है।

अज्ञात अपराधियों ने दो वाहनों में लगाई आग

रविवार देर रात की घटना, प्राथमिकी दर्ज

अज्ञात अपराधियों द्वारा लगाई गई आग से जले वाहन।

CRIME REPORTER RANCHI :
रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के पोकलो ढोढ़हा के समीप अज्ञात चार-पांच हथियारबंद अपराधियों ने रांची-गुमला रोड पर काम करनेवाली आरकेडी कंपनी के दो वाहनों को आग के हवाले कर दिया। जिसमें टेंडम रोलर-20 पूरी तरह जल गया, वहीं दूसरे वाहन पीटीआर-02 को आंशिक क्षति पहुंची है। घटना रविवार की देर रात करीब ढाई बजे की है। वहीं घटना के कारणों का अबतक कोई पता नहीं चल पाया है। इस संदर्भ में आरकेडी कंपनी के प्रबंधक कृपा सिंधु बेहरा ने बेड़ो थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज करायी है। प्राथमिकी के अनुसार रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर निर्माण कार्य करा रहे आरकेडी कंपनी के दो वाहन वहां खड़े थे। इसी बीच रविवार की रात करीब ढाई बजे अज्ञात चार पांच की संख्या में हथियारबंद अपराधकर्मी साइट पर आ धमके। अपराधियों ने वहां सो रहे कंपनी के लोगों के साथ गाली- गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद दो वाहनों को आग के हवाले कर दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने घटना की छानबीन करते हुए घटनास्थल का जायजा लिया। इधर आरकेडी कंपनी के टैंकर से ही पानी की बौछार कर भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना से आसपास के लोगों में दहशत व्याप्त है। समाचार लिखे जाने तक घटना के कारणों पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर निर्माण कार्य करा रही आरकेडी कंपनी के थे वाहन
- टेंडम रोलर-20 पूरी तरह जला, पीटीआर-02 को पहुंची आंशिक क्षति
- कंपनी के लोगों के साथ की गाली-गलौज, जान से मारने की दी धमकी

एनएसडीएल में राज्यकर्मियों के जमा पैसों की वापसी की मांग का मामला संसद में उठायेंगे : महुआ माजी

PHOTON NEWS RANCHI :
एनएमओपीएस झारोटेफ ने सांगठनिक पुनर्गठन सह जिला अधिवेशन गोस्सनर कॉलेज के थियोलॉजिकल सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ माजी और विशिष्ट अतिथि विधायक अंबा प्रसाद उपस्थित थी। सांसद महुआ माजी ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार ने कर्मचारियों को उनके बुढ़ापे का सहारा देने का काम किया है। हमारा प्रयास है कि संसद के शीत सत्र में एनएसडीएल से पैसा वापसी के लिए आवाज उठायेंगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में झारखंड के सभी कर्मियों का पैसा वापस लाने के लिए सदन में बात रखुंगीं। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी व कर्मचारियों के हित में अब जल्द ही सेवानिवृति उम्र सीमा 62 वर्ष और महिलाओं के लिए चाइल्ड केयर लीव दो वर्ष करने के लिए सरकार के समक्ष इस बाबत मांग रखूंगी।

सांगठनिक पुनर्गठन सह जिला अधिवेशन में सांसद महुआ माजी व अन्य।

वहीं विधायक अंबा प्रसाद ने कहा हक की लड़ाई के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने की जरुरत है। प्रदेश संयोजक आनंद किशोर साहू ने अतिथियों का स्वागत कर पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में मौजूद लोगों के साथ अपने विचारों को साझा किया। प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ शिवानंद कांशी ने चार्टर ऑफ डिमांड में सभी कर्मियों के लिए 62 वर्ष करने को लेकर सरकार से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह कार्य मौजूदा हेमंत सोरेन की सरकार ही कर सकती है।

वही, जिला संयोजक मो कयामुद्दीन ने सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक स्कूलों के शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन की सुविधा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि एनएमओपीएस झारोटेफ झारखंड के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दिलाने का प्लेटफॉर्म है। अभी हमारा काम खत्म नहीं हुआ है। एनएसडीएल में जो पैसा जमा है, उसे वापस भी लाना है। इसके लिए संगठन को आगे भी काम करने की जरुरत है।उन्होंने लोगों से दृढ़ता के साथ संघ से जुड़े रहने का आवाहन किया है।

बाबूलाल मरांडी ने बोकारो में जमीन घोटाले का मामला उठाया, डीजीपी को लिखा लेटर

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई व सुनिश्चित करने व एफआईआर दर्ज करने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI :
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने बोकारो में जमीन घोटाले का मामला उठाया है। साथ ही इस मामले में बोकारो पुलिस की जांच पर चिंता जाहिर करते डीजीपी, झारखंड को लेटर भी लिखा है। इसमें कहा है कि जनहित और राज्य हित में जमीन घोटाले की विस्तृत जांच हो। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने और एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दें। बाबूलाल मरांडी के मुताबिक बोकारो में वन क्षेत्र की भूमि के मामले में मो इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन का नाम सामने आया है। फर्जी कागजातों के जरिये मौजा

तेतुलिया, थाना चास, थाना संख्या-38 के प्लॉट संख्या 426, रकबा 40.60 एकड़ एवं प्लॉट सं 450, रकबा 66.60 एकड़ भूमि पर कब्जा के मामले में साजिश रची। यह मामला बोकारो वन प्रमंडल की वन भूमि को इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन द्वारा जाली दस्तावेज तैयार कर अवैध तरीके से हड़पे जाने से है। बाबूलाल ने इस मामले में शिकायत मिलने के बाद बोकारो पुलिस की कार्रवाई को लेकर चिंता जाहिर की है। उसे संदेहास्पद बताया है। उनके मुताबिक वन विभाग द्वारा इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के अनुरोध पर मुकदमा दर्ज किए बिना ही आइओ ने बिना वन विभाग के पक्ष जाने जांच रिपोर्ट जमा कर दी। बीएसएल के अधिकारियों ने आपसी मिलीभगत से संबंधित भूखंड को अधिग्रहित बताते हुए जांच रिपोर्ट में अपना मंतव्य दिया है।

राज्य में जमीन घोटालों का जिक्र करते बाबूलाल ने कहा है कि जमीन घोटालों से जुड़े कई सनसनीखेज मामले सामने आ चुके हैं।

एसएसपी ने किया रिम्स का निरीक्षण सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने का दिया निर्देश

CRIME REPORTER RANCHI :
एसएसपी चंदन सिन्हा ने सोमवार को रिम्स का निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी ने रिम्स के कैदी वार्ड समेत कई अन्य जगहों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने रिम्स प्रबंधन को सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने और मौके पर तैनात पुलिसकर्मी को कई निर्देश दिये। बता दें कि रिम्स में इलाज करा रहे कुख्यात चेन स्नैचर शाकिब उर्फ देबा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। बीते दिनों पुलिस ने अरगोड़ा चौक के पास से उसे गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के दौरान भागने के क्रम में उसका एक पैर टूट गया था। उसके बाद उसका इलाज रिम्स में चल रहा था। इसी दौरान रविवार की दोपहर पुलिस को चकमा देकर उसका साथी उसे भगा ले गया। क्योंकि देबा का पैर टूटने के काण वो चल नहीं सकता था। देवा के पैर में प्लास्टर लगा है और चल नहीं सकता है। बताया जा रहा है इसके साथ एक महिला है। महिला और अन्य की मदद से शाकिब फरार हो गया। पुलिस बदमाश की तलाश में छापेमारी कर रही है। रिम्स के कैदी वार्ड की सुरक्षा में बार-बार सेंध लग रही है। 31 अक्टूबर की सुबह रिम्स के कैदी वार्ड से पुलिस को चकमा देकर सूरज मुंडा नामक कैदी फरार हो गया था। इससे पहले भी 12 सितंबर रिम्स अस्पताल में इलाजरत वशीर नाम का कैदी हथकड़ी सहित फरार हो गया था।

एडीजी अभियान ने की डायल 112 की समीक्षा रिस्पांस टाइम कम करने के लिए कई निर्देश

CRIME REPORTER RANCHI :
पुलिस मुख्यालय में एडीजी अभियान संजय आंनद राव लाठकर ने सोमवार को डायल 112 को लेकर जिले के एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक की। इस बैठक में डायल-112 से संबंधित कार्यों के निष्पादन की समीक्षा की गयी। एडीजी ने बताया कि के रिस्पांस टाइम कम करने को लेकर समीक्षा की गयी। बैठक के दौरान समीक्षा के क्रम में पाया गया कि दुमका जिले में 70 घंटे में रिस्पांस टीम पहुंच रही है। जबकि अन्य जिले में एक से डेढ़ घंटे में रिस्पांस टीम पहुंच रही है। एडीजी ने बताया कि रिस्पांस टाइम कम करने के लिए कई निर्देश दिये गये है। उन्होंने एसपी को सप्ताह में एक दिन निरीक्षण करने और डीएसपी को सप्ताह में दो बार निरीक्षण करने का निर्देश दिया है।

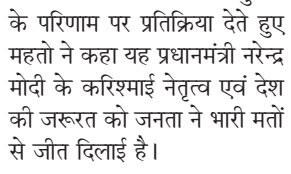

समीक्षा करते एडीजी अभियान।

इन बिंदुओं पर हुई समीक्षा

- आवंटित टैब का उचित संचालन।
- यूपीएस, पावर सप्लाई के संबंध में।
- डीसीसी के डिस्पेचर की कार्य क्षमता और शैली के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण।
- डीसीसी में कार्यरत बल के अतिरिक्त नये पदाधिकारी और कर्मियों की आवश्यकता।
- सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर से संबंधित समस्याओं का निवारण।

आजसू पार्टी का मिलन समारोह आयोजित, कई शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने पार्टी का दामन थामा

राजनीतिक प्लेटफार्म में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण : सुदेश

PHOTON NEWS RANCHI :
आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राजनीति में सत्ता की चुनौती सदैव आती रहेगी, लेकिन राज्य के विकास में जरूरी विषय न छुटे यह पार्टी की पहली प्राथमिकता है। आम लोगों का योगदान मतदान तक है लेकिन बौद्धिक लोगों का योगदान व्यापक एवं अहम भूमिका होता है। राजनीतिक प्लेटफार्म में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि सकारात्मक राजनीति के लिए सकारात्मक विचारों की आवश्यकता है।

सुदेश कुमार महतो सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान डॉ. अशोक नाग के साथ कई शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने पार्टी का दामन थामा। इससे पहले सुदेश कुमार महतो के आवासीय कार्यालय में रॉयल प्रोफेशनल एंड शिवभारती फामेर्सी कॉलेज की निदेशक डॉ. रूमी राजखोवा कच्छप समेत कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

आजसू पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में सुदेश महतो व अन्य।

पार्टी में शामिल हुए डॉ. अशोक नाग और उनके साथियों का स्वागत करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि अशोक नाग झारखंड को समझने और जमीनी स्तर पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। बुद्धिजीवियों को राजनीति में आने से राज्य की आवश्यकता पर सकारात्मक काम करने में बल मिलेगा, यह पार्टी के लिए शक्तिवर्धक एवं उत्साहवर्धक होगा। संगठन का विचार और नेतृत्व आपके साथ है। इन्हें जनता हित से जुड़े हर काम को करने का पूर्ण सहयोग आजसू पार्टी देगी। तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए महतो ने कहा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व एवं देश की जरूरत को जनता ने भारी मतों से जीत दिलाई है।

सुदेश ने सिखाया राजनीति का ककहरा : नाग

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले डॉ अशोक नाग ने कहा कि आज मेरी घर वापसी हो रही है। पूरा यूथ सुदेश जी के साथ है। सुदेश महतो मेरे रोल मॉडल हैं। राजनीति का जो भी ककहरा सीखा वो सुदेश महतो और आजसू पार्टी से सीखा। इसके लिए मैं सदैव आजसू पार्टी का ऋणी रहूंगा। पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी उसको पूरा करने का प्रयास करेंगे। महतो ने कहा कि आजसू पार्टी ने पिछले चुनाव में राष्ट्रीय राजनीति में दखल दिया है। यह परिणाम आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में एक आकर्षक बल देगा। धनबाद के जेल में हुई घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में झारखण्ड में कोई सुरक्षित नहीं है। झारखण्ड में न विधि है, न व्यवस्था है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला हिसरी, भागे मजदूर

अज्ञात अपराधियों ने आठ राउंड की हवाई फायरिंग

CRIME REPORTER RANCHI :
ठाकुरगांव थाना क्षेत्र का हिसरी गांव सोमवार 4 दिसंबर की दोपहर लगभग दो बजे गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। जानकारी के अनुसार गांव में एक जमीन पर रांची के एक व्यक्ति द्वारा बाउंड्री कराई जा रही थी। इसी बीच एक बाइक से आए तीन अज्ञात अपराधियों ने आठ राउंड हवाई फायरिंग करते हुए काम को बंद करा दिया। कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना की सूचना मिलते ही ठाकुरगांव थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने घटनास्थल पहुंच कर तीन खोखा बरामद किया और मामले की छानबीन में जुट गई। घटना के बाद वहां काम कर रहे सभी मजदूर भाग खड़े हुए। थाना प्रभारी ने कहा कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

- जमीन पर बाउंड्री कराने को लेकर विवाद
- घटनास्थल से तीन खोखा बरामद
- बाईक पर सवार होकर आए थे तीनों अपराधी

BRIEF NEWS

चलती बस में हार्ट अटैक से युवक की मौत, शव छोड़ रवाना हुई बस

ROURKELA : बामडा प्रखंड महुलपाली थाना केसईबहाल पंचायत उत्तरगांव चालटिकरा का रहने वाला धनुर्जय नेहरू(43) अपनी बहन के साथ इलाज के लिए बुरला मेडिकल कालेज हॉस्पिटल गया था। इलाज कराने के बाद एक प्राइवेट बस से घर लौटने के दौरान रास्ते में हार्ट अटैक से मौत हो गई। कुचिंदा बस स्टैंड में बस पहुंचने पर कंडक्टर ने धनुर्जय की शव और बहन को उतार कर वहां से रवाना हो गया। प्राइवेट बस एसोसिएशन के कर्मचारी भी घटना को लेकर मूक दर्शक बने रहे। मानवता को शर्मसार करने वाली घटना के बारे में जानकारी मिलने पर कुचिंदा एसडीएम विभूति भूषण नायक, एसडीपीओ अमिताभ पंडा, नगरपाल प्रद्युत महंती मौके पर पहुंच पार्थिव शरीर को उसके गांव भेजने की व्यवस्था की।

शहीद सम्मान समारोह को लेकर उदाहरण ट्रस्ट की बैठक आयोजित

ROURKELA : वीर शहीद के सम्मान समारोह के लिए गठित उदाहरण ट्रस्ट ने तैयारी शुरू कर दी है। पिछले वर्ष आयोजित शहीद सम्मान समारोह की तरह ही इस बार भी बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त डीआइजी दयानिधि तांती की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समारोह के आयोजन को लेकर विभिन्न पहलुओं एवं तैयारियों पर चर्चा की गयी। इस आयोजन को जनवरी माह में आयोजित करने पर सहमति बनी है, और इस दिशा में पूर्व तैयारी शुरू कर दिया गया है। ट्रस्टी बिमल कुमार बिशी, चंद्र शेखर सतपथी, शंकर जेना, जनरल संपादक संकीर्तन जयपुरिया, कोषाध्यक्ष रोहित कुमार महानंदिया सहित कार्यकारी सदस्य बिस्वजीत जेना, संजय प्रधान, कबी नयाक, प्रकाश महाकुल, जगन्नाथ पत्र, संतोष कुमार गार्डिया, पायलट, उत्सव तांती एवं संजीव कुमार नायक प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

गुरूनानक पब्लिक स्कूल का स्थापना दिवस मना

ROURKELA : गुरु नानक पब्लिक विद्यालय, सेक्टर 21 में स्थापना दिवस का आयोजित हुआ। गुरु नानक देव के उनके प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रम मंत्री एवं राउरकेला विधायक सारदा प्रसाद नायक शामिल हुए। इस दौरान लायंस क्लब और जयप्रकाश अस्पताल तथा रिसर्च सेंटर द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर लगाया। कार्यक्रम में रागी जत्था श्री दरबार साहिब अमृतसर से भाई जुझार सिंह ने कीर्तन किया तथा ज्ञानी हरपाल सिंह फतेहगढ़ साहब वाले ने कथा विचार किया। गुरु नानक देव जी ने जो शिक्षा दी थी, उसे ही इस आयोजन के द्वारा लोगों तक पहुंचाने की बात कही गई। श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने शिविर का दौरा एवं निरीक्षण किया एवं कार्यक्रम की प्रशंसा की। इस दौरान हरदीप सिंह, ममता गौतम, राजेश शर्मा, स्कूल प्रिंसिपल मनवीन कौर, राजेश प्रसाद, कुलदीप चड्ढा, आस्था लखानी, अजय पुरोहित, प्रवीण बेदी, छतर सिंह गोलछा, सोवना चांडक, अनुपमा गुप्ता उपस्थित थे।

ओडिशा में आम चुनाव को लेकर दौरे पर आए शत्रुध्न कर, बोले-

त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करे जिला प्रशासन

PHOTON NEWS SUNDARGARH : ओडिशा में आम चुनाव होने वाले हैं। राज्य के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त प्रशासनिक सचिव शत्रुध्न कर सुंदरगढ़ दौरे पर सोमवार को आए। उन्होंने जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिला प्रशासन को जागरूकता फैलाने की सलाह दी ताकि कोई भी मतदान से वंचित न रह जाये। उन्होंने अधिकारियों को आने वाले दिनों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता जागरूकता संदेश प्रसारित करने

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते शत्रुधन कर। ● फोटोन न्यूज

के निर्देश दिया।

राउरकेला महानगर निगम कार्यालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक में सुझाव दिया कि अधिकारियों और बूथ स्तर के अधिकारियों को सुंदरगढ़ जिले में 100 प्रतिशत मतदान के महत्व के बारे में पता होना चाहिए और विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची को संशोधित करने की प्रक्रिया 9 दिसंबर तक चलेगी। इसके साथ ही उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल और शौचालय जैसी सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी है। मतदान से पहले उन्होंने सुंदरगढ़ के अतिरिक्त जिलापाल रवि नारायण साहू, पानपोस उपजिलापाल विजय नायक, आरएमसी के उपायुक्त गौरवमय प्रधान, सीतादेवी माझी और जिले के अन्य सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों के साथ चर्चा की ताकि मतदान से पहले सभी तक वोटर कार्ड पहुंच जाएं। अगले जनवरी में प्रकाशित होने वाली नयी मतदाता सूची में नाम सुधार करने पर ध्यान देने को कहा।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर सुंदरनगर में बांटे गए लड्डू

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर सुंदरनगर चौक पर भाजपा कार्यकताओं ने लड्डू बांटकर जश्न मनाया। कार्यकताओं में तीन राज्यों में भाजपा की जीत को लेकर खुशी का माहौल देखने को मिला। भाजपाइयों ने पूर्वी सिंहभूम जिला परिषद की अध्यक्ष बारी मुर्मू एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल वर्मा ह्लपप्पुह्व के नेतृत्व में सुन्दरनगर चौक में जमकर आतिशबाजी की एवं राहगीरों के बीच लड्डू का वितरण किया। दोनों ने भाजपा की प्रचंड जीत पर हर्ष जाहिर करते हुए भाजपा के समस्त कार्यकर्ता और शुभचिंतकों को बधाई दी।

लड्डू का वितरण करते भाजपाई। ● फोटोन न्यूज

जनता को दिया साधुवाद, जताया आभार

अनमोल वर्मा ने कहा कि आज तीनों राज्यों की जीत सिर्फ भाजपा की जीत नहीं है, बल्कि यह जीत पूरे देश के लोगों की जीत है। तीनों राज्यों की जनता ने यह बता दिया है कि अन्य दल चाहे कुछ भी लोभ-लालच दे दें, परंतु लोगों का विश्वास सिर्फ मोदी जी पर है। जिप अध्यक्ष बारी मुर्मू ने कहा कि यह तीन राज्यों का चुनाव नतीजा ट्रेलर है, पिक्चर तो अभी 2024 में बाकी है। उन्होंने तीनों राज्यों की जनता को साधुवाद दिया और कहा कि उनके विश्वास के कारण ही भारतीय जनता पार्टी ने प्रचंड बहुमत से जीत हासिल की है।

बागबेड़ा में जल संकट, टैंकर से हो रही पानी की सप्लाई

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बागबेड़ा कॉलोनी में पानी की समस्या को देखते हुए पूर्व जिप उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने अपने निजी टैंकर से क्षेत्र में जलापूर्ति शुरू की है। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने राजकुमार सिंह को पानी की समस्या से अवगत कराते हुए पानी उपलब्ध कराने ?का आग्रह किया था। जिसे देखते हुए राजकुमार सिंह ने सोमवार को कुल चार ट्रिप (16 हजार लीटर) पीने का पानी निःशुल्क वितरण किया। इस दौरान बागबेड़ा

टैंकर से पानी लेते लोग। ● फोटोन न्यूज

कॉलोनी स्थित चित्रगुप्त पूजा मैदान, कुंवर सिंह मैदान, नेहरू मैदान सहित रोड नंबर 1 से लेकर 6 तक जरूरतमंद स्थानों पर पानी टैंकर लगाकर पीने का पानी निःशुल्क वितरित किया गया।

समाधान होने तक पानी का वितरण रहेगा जारी : इस पर पूर्व जिप उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने कहा कि बागबेड़ा कॉलोनी में जब तक पानी की समस्या का स्थाई रूप से समाधान नहीं हो जाता है तब तक पानी उपलब्ध कराया जाता रहेगा। मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, वार्ड सदस्य सीमा पांडे, बन्ना गुप्ता फैंस क्लब के अध्यक्ष अनिल सिंह, प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, राकेश सिंह, अजीत सिंह उपस्थित थे।

विधायक के प्रयास से बागबेड़ा फिल्टर पंप हाउस में नया मोटर लगाने का कार्य शुरू

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार के लगातार प्रयास से बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना के अंतर्गत बिष्टुपुर स्थित फिल्टर पंप हाउस में नया मोटर सेटअप लगाने का कार्य सोमवार को प्रारंभ हुआ।

इस दौरान एजेंसी के मजदूर पुराने मोटर और फाउंडेशन, बेसमेंट को हटाने के कार्य में लग चुके हैं। इस तरह जिला योजना अनाबद्ध मद से 12,60,370 रुपए की लागत राशि से 10 दिनों के अंदर नया मोटर लगा दिया जाएगा। इस राशि से 75 एचपी का मोटर, 75 एचपी का पंप सेट एवं 75 एचपी का स्टार्टर नया लगाया जाएगा। एजेंसी एक साल तक इसकी पुरी तरीके से मेंटेनेंस भी करेगी।

वर्तमान में रांची के संवेदक बलका कॉरपोरेशन को कुल राशि का 60 फीसदी (7,56,222 रुपए) स्वीकृत किया जा चुका है। शेष राशि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद संवेदक को विभाग के द्वारा भुगतान कर दिया जाएगा।

नया मोटर लगाते मजदूर। ● फोटोन न्यूज

बार-बार मोटर जलने की समस्या होगी दूर

विधायक के निर्देश पर एक प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के नेतृत्व में उप मुखिया संतोष ठाकुर एवं झामुमो बागबेड़ा इकाई अध्यक्ष अजीत सिन्हा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण करने के पश्चात विधायक को वस्तु स्थिति से अवगत कराया। इस तरह पिछले 15 सालों में जो कार्य नहीं हुआ था विधायक संजीव सरदार के कार्यकाल में उनके प्रयास से नया मोटर लगाने का काम संभव हो पाया है। इससे बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के 1100 क्वार्टर में रहने वाले लोग लाभान्वित होंगे। पिछले कई वर्षों से लगातार मोटर जल जाने के कारण नियमित रूप से पानी की आपूर्ति नहीं होने से बागबेड़ा कॉलोनी वासी के लोग परेशान हो चुके थे। अब नया मोटर लग जाने से बार-बार मोटर जलने की समस्या दूर हो जाएगी। विदित हो कि पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के आवेदन पर विधायक संजीव सरदार ने अनुशंसा कर नया मोटर का प्राक्कलन राशि बनाने का निर्देश पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया था। तत्पश्चात झामुमो बागबेड़ा इकाई अध्यक्ष अजीत सिन्हा के आवेदन पर नया मोटर लगाने हेतु 12,60,370 की राशि स्वीकृत हुई। इधर, पोटका में होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विधायक संजीव सरदार काफी व्यस्त थे, इस कारण वे फिल्टर पंप हाउस का निरीक्षण नहीं कर सके।

नौसेना दिवस पर INS खुकरी के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्व सैनिक सेवा परिषद के बैनर तले बिरसानगर में संगठन की तरफ से रविवार को नौसेना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संगठन के प्रदेश महामंत्री सिद्धनाथ सिंह ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया एवं नरेंद्र गांगुली द्वारा संगठन गीत प्रस्तुत किया गया। इसके बाद पूर्व नौसैनिक सुखविंदर सिंह ने 1971 के युद्ध के विजय की नींव में नेवी की अचूक रणनीति और अपूर्व पराक्रम को विस्तार से

बताया। पूर्व नौसैनिक बिमल कुमार ओझा, शशिभूषण सिंह ने भी अपने विचार साझा किये। पेटी ऑफिसर कुंदन सिंह ने युद्ध के दौरान आइएनएस वीर निफ्ट और निर्घट के साथ राजपूत और अक्षय जैसे जहाजों और उनकी तकनीकी विशेषताओं का भी जिक्र किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में क्रीड़ा भारती के प्रांतीय मंत्री राजीव ने मां भारती को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह शौर्यमय दिन हम सभी को सदैव याद रखना चाहिए। इसके बाद 1971 के युद्ध में आईएनएस खुकरी के 176 नौसैनिकों की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। खुकरी के कमान अधिकारी कैप्टन महेंद्रनाथ मुल्ला के त्याग समर्पण और नौसैनिक मूल्यों को भी याद किया गया।

कार का शीशा तोड़ बैग चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

JAMSHEDPUR : मानगो थाना अंतर्गत एनएच 33 स्थित एक होटल के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़ बैग चोरी करने के आरोपी मो. सद्दाम उर्फ राजा बाबू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किया हुआ बैग भी बरामद कर लिया है। घटना रविवार देर रात की है। इस संबंध में प्रज्जवल भट्ट की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। प्रज्जवल ने पुलिस को बताया कि वह होटल के बाहर कार खड़ी कर होटल में चला गया था वापस लौटा तो पाया कि कार का शीशा टूटा हुआ है और कार के अंदर रखा बैग चोरी हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर निकाली जागरूकता लिए रैली

समावेशी प्रथाओं और सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर दिया जोर

PHOTON NEWS ROURKELA : अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ राउरकेला मिड-टाउन के सहयोग से बधिरों के लिए राउरकेला स्कूल द्वारा यातायात नियमों के बारे में जागरूकता पर एक रैली का आयोजन सोमवार को किया गया। इस दौरान रोटरी क्लब के वरीय सदस्य राकेश गोयल, रोटरी राउरकेला मिडटाउन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, गौतम शर्मा, आरके वजीर, अंकित केडिया, सतीश अग्रवाल, डॉ. सुबोध कुमार मेहर उपस्थित थे।

इस दौरान समावेशी प्रथाओं और

जागरूकता रैली में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

सड़क सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए रैली में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में सफलतापूर्वक स्मरणोत्सव को यातायात नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने, विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में बधिर विद्यालय की प्राचार्या कल्पना मोहंता, शिक्षिका राजश्री मोहंती, अनिता कुमारी भी उपस्थित थीं।

रंगरेटा महासभा नेसीजीपीसी के प्रबंधन कमेटी एवं चेयरमैन को किया सम्मानित

धार्मिक समागम में सहयोग का आश्वासन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखंड रंगरेटा महासभा ने सोमवार को सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार भगवान सिंह एवं चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। सीजीपीसी द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए दोनों पदाधिकारियों का अभिनंदन किया गया। झारखंड रंगरेटा महासभा के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह गिल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सीजीपीसी कार्यालय पहुंचकर बाबा जीवन सिंह जी की 319वीं शहादत को समर्पित चौथा विशाल गुरमत समागम में भाग लेने के लिए आमंत्रण पत्र भी सौंपा। साथ ही समय-समय पर सीजीपीसी को हर सहयोग देने की घोषणा की।

इस मौके पर प्रधान भगवान सिंह ने रंगरेटा महासभा द्वारा आयोजित भव्य धार्मिक समागम में हर प्रकार का सहयोग देने का आश्वासन दिया। मौके पर भगवान सिंह के अलावा

सरदार शैलेंद्र सिंह को सम्मानित करते महासभा के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष चंचल सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, महासचिव गुरु चरण सिंह बिल्ला, मुख्य सलाहकार सुरजीत सिंह खुशीपुर, प्रधान जगजीत सिंह गांधी, कोषाध्यक्ष गुरनाम सिंह, ज्ञानी कुलदीप सिंह, सुखदेव सिंह, बिट्टू सुरेंद्र सिंह शिदि, जगतार सिंह नागी एवं रंगरेटा महासभा के प्रधान मनजीत सिंह गिल के अलावे जसवंत सिंह गिल, जसबीर सिंह गिल एवं कई अन्य लोग उपस्थित थे।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एसआर रूंगटा ए-डिवीजन क्रिकेट लीग

सेरसा चक्रधरपुर ने लारसन क्लब को 69 रनों से किया पराजित, लारसन की लगातार दूसरी हार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा ए-डिवीजन लीग के अंतर्गत सोमवार को खेले गए मैच में सेरसा चक्रधरपुर ने लारसन क्लब चाईबासा को 69 रनों से पराजित कर अपना विजय अभियान शुरू किया। लारसन क्लब की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले 2 दिसंबर को यंग झारखण्ड क्रिकेट क्लब ने लारसन क्लब चाईबासा को पराजित किया था।

बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस

सेरसा चक्रधरपुर की टीम। ● फोटोन न्यूज

लारसन क्लब चाईबासा के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ और सेरसा चक्रधरपुर ने 34.4 में सभी विकेट खोकर 249 रन ठोक डाले। इस टीम की ओर से गौतम सुना ने मात्र 45 गेंदों पर आठ चौकों एवं दो छक्कों की मदद से आक्रामक 73 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में सुदीत ठाकुर ने छः चौकों एवं दो छक्कों की सहायता से 57 रन, शुभांकर विश्वास ने 30 रन,, हेमंत नायक ने 18 रन तथा अंकित यादव ने 13 रन बनाए।

लारसन क्लब की ओर से वामहस्त स्पिनर फैजानुल रहमान ने 29 रन देकर 3 विकेट, विकास तिवारी ने 54 रन देकर 3 विकेट तथा कप्तान आनंद श्रीवास्तव ने 59 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए। शिवम यादव एवं जन्मजय सिंह यादव को एक-एक विकेट हासिल हुआ। जीत के लिए निर्धारित 35 ओवर में 250 रनों के पहाड़ सा स्कोर का पीछा करने उतरी लारसन क्लब की टीम पूरे 35 ओवर खेलकर 9 विकेट के नुकसान पर 180 रन ही बना पाई। लारसन क्लब की ओर से जन्मजय सिंह यादव ने तीन चौकों की मदद से 33 रन, जयप्रकाश गुप्ता ने चार चौकों की मदद से 33 रन, फैजानुल रहमान ने 24 रन, आकाश पटेल ने 20 रन, एवं हिमांशु पांडेय ने 19 रन बनाए।

सेरसा चक्रधरपुर की ओर से गेंदबाजी करते हुए हेमंत नायक ने 18 रन देकर 3 विकेट तथा हिमांशु शर्मा ने 30 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। अंकित यादव, गौतम सुना एवं दीपक यादव को एक-एक विकेट मिला।

राउरकेला यूथ हैंड एसोसिएशन ने किया क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

बीडीसीटी को हराकर मारूति टीम ने 19 रनों से जीता फाइनल मुकाबला

PHOTON NEWS ROURKELA : छेंड कॉलोनी में राउरकेला यूथ हैंड एसोसिएशन (आरवाइएचए) की ओर से आयोजित पहले क्रिकेट टूर्नामेंट के खिताब पर मारुति की टीम ने कब्जा कर लिया। बीडीसीटी के साथ हुए फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मारुती टीम ने निर्धारित आठ ओवरों में बगैर किसी विकेट के नुकसान के 73 रन बनाकर बीडीसीटी के सामने जीत के लिए 74 रनों का लक्ष्य रखा। जवाबी पारी खेलने उतरी बीडीसीटी की टीम चार विकेटों के नुकसान पर निर्धारित ओवरों में केवल 54 रन ही बना पाई।

मैच को मारुती टीम ने 20 रनों से जीत लिया। विजेता मारुती टीम को 11 हजार रुपये का नकद पुरस्कार और ट्राफी दिया गया, जबकि उपविजेता बीडीसीटी को 7 हजार रुपये नकद और ट्राफी प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री शारदा नायक ने कहा कि स्मार्ट सिटी में खेलों को लेकर युवाओं में अलग तरह का उत्साह रहता है। राज्य सरकार ने शहर को खेल हब में तब्दील करने के लिए कई परियोजना पूरी की है, और कई योजनाएं चल रही है। खेल जीवन को संतुलित करने का सबसे सटीक माध्यम है। युवाओं को खेल में समय देना चाहिए।

ट्रॉफी के साथ मारुति क्रिकेट टीम। ● फोटोन न्यूज

टूर्नामेंट का आयोजन सौम्यरंजन दास (सोमु) सहित सोमेन, विश्वजीत, आशीष विद्या, ऋषिकेश, कमलदीप, निखिल, मलिंगा, संबित, सुब्रत, आनंद, मिहिर, संजीव, लिटु, हैप्पी, नन, सोम, राजा, सोहराब,ऋषि, शिवम,सूरज, संग्राम, आमिर, विकास, स्मृतिरंजन, सिद्धांत, शशि, गणेश और राहुल ने किया था।

क्लास के दौरान फेंके गए देसी बम

पटना कॉलेज के हॉस्टल में बमबाजी..गोलियां भी चलीं

पटना: पटना कॉलेज के हॉस्टल में सोमवार सुबह करीब 11 बजे देसी बम फेंके गए। बमबाजी की घटना मौलाना अबुल हसन अली नदवी अल्पसंख्यक छात्रावास और इकबाल छात्रावास में हुई। इस घटना में एक घात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छात्र को पीएमसीएम पहुंचाया गया, यहां से उसके परिजन रेलवे हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। घायल छात्र की पहचान मयंक के रूप में की गई है, जो जहानाबाद जिले के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने चार आरोपी छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मौके से एक जिंदा देसी बम भी बरामद किया गया है। हॉस्टल में दर्जनों राउंड फायरिंग भी हुई है। बमबाजी के लिए मिंटू और जैक्शन हॉस्टल के लड़कों पर आरोप लगाया जा रहा है। मौके पर गांधी मैदान, पीरबहोर और कदमकुआं थानों की पुलिस छापेमारी कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस को लोहे की रॉड और डंडे मिले हैं। बताया जा रहा है कि पुराने विवाद को लेकर नदवी और इकबाल हॉस्टल में मिंटू और जैक्शन हॉस्टल के छात्रों की ओर से बमबाजी की गई है। दो दिन पहले मिंटू हॉस्टल और इकबाल हॉस्टल के छात्रों के बीच नोकझोंक हुई थी। गिरफ्तार छात्रों पर एक डिलीवरी बॉय से 11,999 रुपए के पार्सल छिनतई का भी आरोप लगा है।

पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। जैसे ही ये छात्र गिरफ्तार होकर थाने पहुंचे, वैसे ही डिलीवरी बॉय ने छात्र की पहचान कर पुलिस को सूचना दी। डिलीवरी बॉय आकाश दीप ने बताया कि 11,999 रुपए का पार्सल देने साइंस कॉलेज जा रहे

थे। इसी दौरान न्यूटन हॉस्टल के पास पहुंचे तो पहले से 4-5 लड़के खड़े थे। जिसे डिलीवरी लेनी थी, उसका कॉल वन साइडेड था। मैं कॉल कर रहा था तो नहीं लगता था। सिर्फ उधर से कॉल आ रहा था। हॉस्टल के पास पहुंचे तो वो लड़का बोला मेरा पार्सल है। अभी कुछ मैं समझता तब तक पार्सल लेकर चलते बना। घटना के बाद जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी निरंजन कुमार नदवी हॉस्टल पहुंचे।

घटनास्थल का मुआयना किया। निरीक्षण करने के बाद निरंजन कुमार ने बताया कि हॉस्टल में आपराधिक तत्वों ने हमला किया है। दर्जनों राउंड गोलियां भी चली है। पदाधिकारी के मुताबिक, छात्रों ने कार्रवाई करने के लिए शिकायत की है। इस मामले की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों को दी गई है। हैरानी की बात यह है कि कैंपस में टीओपी है, फिर भी ऐसी घटनाएं हो रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी समेत तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पटना लॉ कॉलेज के हथुआ हॉस्टल में टाउन डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी की गई।

डीएसपी अशोक सिंह ने बताया कि पटना यूनिवर्सिटी के कॉलेज कैंपस में दो गुटों के बीच मारपीट हुई है। इस दौरान सूतली बम का प्रयोग किया गया और गोलियां भी चली। घटना के बाद छात्रावासों में छापेमारी की गई है। छापेमारी के दौरान एक खोखा और एक जिंदा सूतली बम बरामद किया गया है। छात्र हॉस्टल से भाग गए हैं। हम लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। डीएसपी अशोक सिंह ने पटना कॉलेज कैंपस में यह पहली घटना नहीं है। इस तरह की पहले भी घटना हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन शरारती छात्रों को चिन्हित कर उसका नामांकन रद्द करें। ऐसे छात्रों पर कार्रवाई जरूरी है। जब तक आरोपी छात्रों पर अनुशासनिक कार्रवाई या नामांकन रद्द नहीं किया जाता है, जब तक इस तरह की घटना पर लगाम लगाना मुश्किल है। घटना के समय मौजूद पुलिसकर्मियों ने उस समय बीच बचाव क्यों नहीं किया। तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की। इसकी भी जांच डीएसपी अशोक सिंह अपने स्तर से कर रहे हैं। फिर दोषी पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

जनरल के टिकट पर स्लीपर में चढ़ा..टीटीई ने दिया धक्का..मौत

समस्तीपुर: में रविवार को जनरल टिकट लेकर स्लीपर में सफर करना एक शख्स को भारी पड़ गया। टिकट चेकिंग के दौरान टीटीई ने शख्स को धक्का दे दिया, जिससे ट्रेन की चपेट में आ गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। पीएमसीएच में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है। परिवार का कहना है कि स्लीपर का टिकट नहीं होने के कारण टीटीई ने चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। जिससे वो ट्रेन की चपेट में आ गए। और बुरी तरह से घायल हो गए। घटना समस्तीपुर-बरौनी रेलखंड पर स्थित उजियारपुर स्टेशन के पास की है। पूर्वी चंपारण जिले के निवासी नवल किशोर सिंह मिथिला एक्सप्रेस ट्रेन से रक्सौल से हावड़ा जा रहे थे। इस दौरान उनका भतीजा भी साथ था। अमित ने बताया कि वो लोग एणार्कुलम जाने के लिए रक्सौल से हावड़ा जाने वाली मिथिला एक्सप्रेस ट्रेन से सफर कर रहे थे। हड़बड़ी में जनरल की जगह स्लीपर में चढ़ गए। समस्तीपुर से ट्रेन खुलने के बाद TTE ने नवल (चाचा) से टिकट मांगा तो जनरल का टिकट दिखाया। नवल ने TTE से फाइन लेकर स्लीपर का टिकट बनाने को कहा। अमित ने बताया कि वो फाइन से ज्यादा पैसे मांग रहा था। चाचा इसका विरोध करने लगे, जैसे ही ट्रेन उजियारपुर से खुलने लगी तभी ळळए ने उन्हें ट्रेन से धक्का दे दिया। वो गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके बाएं पैर का कुछ हिस्सा कट गया, सिर में भी गंभीर चोट है। सोनपुर रेल मंडल के डीआरएम विवेक भूषण ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। अगर टीटीई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच कराई जा रही है।

पटाखे की चिंगासी से टेंट हाउस में लगी आग

मोतिहारी : में बारात में छोड़े गए पटाखे की चिंगारी से एक टेंट दुकान में आग लग गई। इसमें दुकान पूरी तरह जल कर राख हो गया। इस आगजनी की घटना से टेंट मालिक

का करीब 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के मधुबन रोड की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मधुबन रोड स्थित मैरेज हॉल के नजदीक बिन्दा टेंट हाउस है। उसी रास्ते बारात जा रही थी। इस दौरान बाराती पटाखे फोड़ रहे थे। इससे निकली चिंगारी से टेंट हाउस में आग लग गया। आग लगने से मैरेज हॉल में आयोजित विवाह कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। वहीं चिंगारी से लगी आग टेंट हाउस में इस तेजी से फैली की जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक टेंट हाउस और उसके गोदाम में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। किसी तरह से फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक टेंट हाउस और उसके गोदाम में रखा करीब 20 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया। बारात मधुबन थाना क्षेत्र के बंजरिया से आई हुई थी। जानकारी देते हुए टेंट हाउस के मालिक बिन्दा प्रसाद ने बताया कि टेंट का प्लास्टिक कुर्सी दो हजार पीस, दरी दो सौ पीस, चादर दो सौ पीस, तोसक दो सौ पीस, पूरा बर्तन सेट, एक मोटरसाइकिल, दो सौ टेबल सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया। जो करीब बीस लाख रुपए का सामान था। बता दें कि मोतिहारी में इन दिनों बारात के पटाखे से आग लगने का मामला लगातार सामने आ रहा है। पिछले दो दिनों के अंदर दूसरी आगजनी की घटना हुई है। पहली घटना नगर थाना क्षेत्र के पानी टंकी के पास साइकिल दुकान के स्टोर में लगी थी।

नवजात का शव जबड़े में दबाए घूमता रहा कुत्ता

भागलपुर: में एक कुत्ता नवजात के शव को अपने जबड़े में दबाए घूमता रहा। जिसने भी ये मंजर देखा वो कांप गया। स्थानीय लोगों ने नवजात के शव को कुत्ते के मुंह से निकलने का काफी प्रयास किया, पर

काफी देर तक कुत्ते ने शव को अपने जबड़े में दबाकर रखा। मामला नवगछिया थाना क्षेत्र का है, जहां सोमवार की सुबह एक आवारा कुत्ता काफी देर से घूम रहा था। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने शव को कुत्ते के कब्जे से छुड़ाया गया। ये शव एक बच्ची का था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। लोगों का अनुमान है कि चार-पांच किलोमीटर तक शव लेकर कुत्ता घूमता रहा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि शव किसका है और कहां से कुत्ते ने उठाया था? आवारा कुत्ते के मुंह में नवजात का शव जिसने भी वह सहम उठा। सुनील ने कहा कि चार-पांच किमी से शव कुत्ता लेकर आ रहा था। मैंने ही शव जबड़े से छुड़ाया। घटना की सूचना मिलते ही नवगछिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नवजात का शव कुत्ते को कहां से मिला और किसका है। नवगछिया थानाध्यक्ष भरत भूषण ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया, मामले की जांच की जा रही है।

25 हजार का इनामी कुख्यात गिरफ्तार

भागलपुर: जिले के कुख्यात टॉप 10 और 25 हजार का इनामी अपराधी को नौगछिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। नवगछिया पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी की कुख्यात अपराधी वरुण मंडल तारर महादेवापुर से घोघा स्टेशन जाने वाली सड़क से कहीं जा रहा है। सूचना का सत्यापन कर नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने तत्काल छापेमारी दल का गठन किया, हालांकि घंटों उस इलाके में पुलिस ने तकनीकी सहयोग से रेकी की। जिसके बाद कुख्यात वरुण मंडल पुलिस के हत्थे चढ़ा। वरुण मंडल पर नवगछिया के अलग-अलग थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज है। जिस पर 25 हजार का इनाम भी नौगछिया पुलिस की तरफ से घोषित किया गया था। कई कांडों में वरुण मंडल फरार था। नवगछिया पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति से बताया कि जिले के टॉप 10 और 25,000 के इनामी अपराधी वरुण मंडल के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, तत्काल छापेमारी दल का गठन किया गया। इलाके को कई घंटे तक रेकी की गई। इस दौरान तकनीकी सहयोग से वरुण मंडल को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रंगरा थाना क्षेत्र के जूरी मंडल के पुत्र वरुण मंडल के रूप में की गई है। उसके पास से दो मोबाइल भी बरामद किया है। नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने कहा कि छापेमारी दल में शामिल पुलिसकर्मी को पुरस्कृत किया जाएगा।

खेलने निकले 5 बच्चे 10 किमी दूर पहुंचे नानी घर

गया : में रविवार शाम चार बजे गांव के 5 बच्चे रहस्यमय रूप से गायब हो गए थे। सभी आसपास ही रहते थे। इनमें दो भाई-बहन और दो बहनें और एक अन्य शामिल है। देर तक जब सभी घर नहीं लौटे तक घर वाले काफी परेशान हो गए थे। ग्रामीण और परिजन बच्चों को खोजने के लिए निकले, लेकिन वे नहीं मिले। सोमवार सुबह सभी बरामद कर लिया गया। संजू कुमारी (7), अजित कुमार (9) ये दोनों भाई-बहन कुंदन कुमार के संतान हैं। प्रिया कुमार (6) और शिवानी कुमार ये दोनों भी बहनें राजू भुईंया की बेटियां हैं। इसके अलावा उमेश भुईंया की 6 वर्षीय बेटी साविया कुमार है। जो गायब हो गए थे। राजू भुईंया के ससुराल से बच्चों को बरामद कर लिया गया है। शिवानी और प्रिया अपने दोस्तों संग नानी घर पहुंच गईं थी। सभी विशुनपुर गांव से पैदल ही 10 किलोमीटर वहां पहुंचे। दूसरी तरफ रात भर पुलिस और परिजन इन्हें खोजते रह गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। बांकेबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बिशनपुर गांव का है। बच्चों के गायब होने के बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत की थी। रात भर बच्चों को पुलिस ने भी तलाश किया था। इसके बाद सूचना मिली कि कुछ बच्चे आमस की ओर जा रहे थे। आमस पुलिस के सहयोग से राजू भुईंया के ससुराल से सभी को बरामद कर लिया गया।

बोधगया में बुद्ध की 100 फीट लंबी स्लीपिंग प्रतिमा

बोधगया : में देश के सबसे बड़े स्लीपिंग बुद्ध की प्रतिमा का उद्घाटन किया गया। 100 फीट लंबी और 30 फीट ऊंची भगवान बुद्ध की मूर्ति शयन मुद्रा में है। रविवार को इसका अनावरण किया गया, जिसमें विभिन्न देशों के बौद्ध श्रद्धालु शामिल। सबसे पहले बौद्ध मंत्रों का पाठ हुआ फिर प्रतिमा के ऊपर से विधिवत तरीके से कार्टन रेज किया गया। यही नहीं बौद्ध अनुयायिओं ने विश्व शांति की कामना भी की। शयन मुद्रा में लंबी-चौड़ी प्रतिमा की स्थापना बोधगया के अमवा गांव के निकट रिवर साइड रोड के पास किया गया है। अब बोधगया आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक मठों-मंदिरों का दर्शन करने के अलावा शयन मुद्रा में

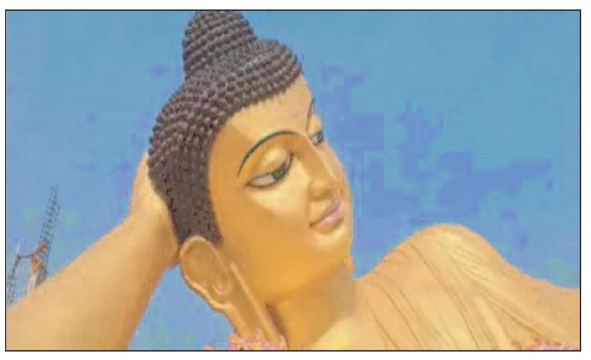

भगवान बुद्ध की प्रतिमा का भी दर्शन करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम बुद्धा इंटरनेशनल सेंटर की ओर से किया गया। साल 2011 में इस प्रतिमा को स्थापित किए जाने के लिए बुनियाद रखी गई थी। 2019 से निर्माण कार्य शुरू हुआ। तब से लगातार निर्माण कार्य चल रहा था। इसे बनकर तैयार होने में करीब 5 साल लग गए। अनावरण के मौके बड़ी संख्या में बौद्ध श्रद्धालु मौजूद थे। प्रतिमा का अनावरण के मौके पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। जिस स्थान पर ई-प्रतिमा का आवरण किया गया है वह स्थान महाबोधि मंदिर मात्र 4 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। खास बात यह है कि सड़क के किनारे होने की वजह से आवागमन की भी सुविधा सरल है। इसके साथ अब बोधगया आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक मठों-मंदिरों का दर्शन करने के अलावा शयन मुद्रा में भगवान बुद्ध की प्रतिमा का भी दर्शन करेंगे। बुद्धा इंटरनेशनल वेलफेयर मिशन के फाउंडर सेक्रेटरी आर्य पाल भिक्षु ने बताया कि प्रतिमा फाइबर से बनी है। बुद्धा इंटरनेशनल वेलफेयर मिशन ने निर्माण कराया है। निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ था। इसे पहले कोलकाता में मूर्तिकार मिंटू पॉल व उनके साथ 22 शिल्पकारों ने बनाया। बाद में उसे टुकड़ों में बोधगया में लाकर, स्टील और सीमेंट के बने फ्रेम में लगाया गया।

अंतिम स्थिति वाले केसों में गवाही कराकर विचारण

किशनगंज (बिहार): डीएम तुषार सिंगला की अध्यक्षता में जिला अभियोजन एवं एमपावर्ड कमेटी, मानव व्यापार विरोधी अनुश्रवण समिति व मद्य निषेध की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में विशेष रुप से विभिन्न वादों में अभियोजन के कार्यों की समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य अभियोजन पदाधिकारियों के किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ उनके एवं पुलिस पदाधिकारियों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। ताकि अभियोजन पदाधिकारियों को विभिन्न न्यायालयों में वादों को निष्पादित कराने में पुलिस

पदाधिकारियों का संपूर्ण सहयोग मिल सके। साथ ही प्रत्येक वाद में राज्य का पक्ष दृढ़तापूर्वक रखा जा सके, ताकि विभिन्न वादों में अधिक दोषसिद्धि कराया जा सके। डीएम ने सभी अभियोजन पदाधिकारियों के कार्यों पर असंतोष व्यक्त कर सुधार लाने एवं अगले माह में प्रत्येक न्यायालय में अधिक दोषसिद्धि सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। निष्पादन के अंतिम स्थिति वाले केसों में गवाहों की गवाही ससमय पूर्ण कराकर विचारण प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया। ताकि न्यायालय द्वारा अभियुक्तों को सजा दिलाई जा सके। समीक्षात्मक बैठक में विधि उप समाहर्त्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अधीक्षक मद्य निषेध ,जिला अभियोजन पदाधिकारी, लोक अभियोजक एवं विशेष लोक अभियोजक, पोस्को, एसटी/एससी, एनडीपीएस एवं मद्य निषेध व अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

हत्याकांड मामले में 5 साल बाद आया फैसला

जमुई : में चर्चित सिकंदर खान हत्याकांड मामले में न्यायालय ने उसकी दूसरी पत्नी और चाचा-ससुर को दोषी करार देते हुए सोमवार को एडीजे चतुर्थ की अदालत ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 20-20 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। बता दें कि 16 जून 2018 को महिसौड़ी निवासी सिकंदर खान अपनी निजी काम के सिलसिले में टाउन अमरथ गांव गया हुआ था। अपने साथियों के साथ बातचीत कर रहा था। इसी दौरान उसकी दूसरी पत्नी रेहाना प्रवीण सहित आठ लोग आए और सिकंदर को पकड़ कर कमरे में बंद कर दिया। लोहे की रॉड और तेज धारदार हथियार से हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। इसके बाद उसे रूम में बंद कर सभी

आरोपी फरार हो गया था। स्थानीय लोगों की जानकारी के बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जा रहा था, जिसकी रास्ते में ही मौत हो गई थी। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर सिकंदर खान की दूसरी पत्नी सहित आठ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इस मामले में 5 साल बाद न्यायालय ने शनिवार को उसकी दूसरी पत्नी रेहाना प्रवीण और उसके चाचा मो.इलियास को दोषी करार दिया था। इस मामले में सोमवार को एडीजे चतुर्थ की अदालत ने दो आरोपी मृतक सिकंदर की दूसरी पत्नी रेहाना प्रवीण और उसके चाचा मो.इलियास को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं मुतक के छोटे भाई गौहर खान ने बताया कि उन्हें न्यायालय पर उम्मीद था। न्यायालय ने उसकी पुकार को सुनते हुए हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

लोगों को ठगने वाला योगाचार्य और उसका सहयोगी गिरफ्तार

बेगूसराय : पुलिस ने बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के नाम लाखों की ठगी करने वाले आरोप फुलवरिया गांव निवासी योगाचार्य गुडाकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अन्य

सहयोगी को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

तेघरा डीएसपी रविंद्र मोहन प्रसाद ने कहा कि ठगी और जालसाजी के आरोपी योगगुरु गुडाकेश को गिरफ्तार किया गया है। फुलवरिया थाना क्षेत्र में लूट और चोरी के मामले का उद्भेदन हुआ है। इस दौरान डीएसपी ने कहा कि योगगुरु के ऊपर फुलवरिया थाना क्षेत्र में कई संगीन मामले दर्ज थे। वह फरार चल रहा था। गुडाकेश की गोतिया के साथ भी मारपीट हुई थी। इस मामले में भी उसके ऊपर मामला दर्ज है। तेघडा डीएसपी रविंद्र मोहन प्रसाद ने कहा कि योग गुरु गुडाकेश के ऊपर कई ठगी और जालसाजी का मामला फुलवरिया थाने में दर्ज था। उन्होंने बताया कि कल भी एक आवेदन गुडाकेश के ऊपर ठगी और जालसाजी मामले का दर्ज हुआ था। गुडाकेश ठगी और जालसाजी के अलावा नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों को लगातार चूना लगाते रहता था। पुलिस को इसके बारे में लगातार शिकायत मिल रही थी। इसी शिकायत के आलोक में उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

चौसा लड़ाई मैदान का सौंदर्यीकरण शुरू पहुंचा

बक्सर: के चौसा में 26 जून 1539 में शेरशाह और हुमायूं के बीच युद्ध हुआ था, उस ऐतिहासिक स्थल की अब कायाकल्प बदलने की शुरूआत कर दी गई है। इसकी शुरूआत से पहले भूमि पूजन चौसा नगर पंचायत की मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में की गई। इसके सौंदर्यीकरण के कार्य के लिए राज्य पर्यटन विभाग ने चार करोड़ रुपए खर्च करने की मंजूरी दी है। प्रथम किश्त के रूप में मिले 1 करोड़ 94 लाख 88 हजार 500 रुपए से पहले भेज का कार्य किया जाएगा। संवेदक के रूप में मौजूद कृष्णा यादव द्वारा ने बताया कि चौसा के ऐतिहासिक स्थल पर प्रथम फेज में स्थली के बाउंड्री को चारों तरफ ऊंचा करना है। भव्य दो गेट और चारों तरफ नाले का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद दूसरे फेज में जो कार्य होगा, इसकी जानकारी आगे दी जाएगी। मुख्य पार्षद किरण देवी द्वारा इस कार्य से प्रसन्नता जाहिर करते हुए यहां पर घूमने के लिए काफी कुछ मिलेगा। चौसा नगर पंचायत के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज यादव ने खुशी जताते हुए कहा कि वर्षों से उपेक्षित ऐतिहासिक स्थल का कायाकल्प

होने से चौसा का गौरव बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक इतिहास पढ़कर यहां घूमने आने वाले पर्यटक निराश होकर वापस चले जाते थे, लेकिन युद्धस्थल का कायाकल्प होने से अब ऐसा नहीं होगा। जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद कुमार सिंह के अनुसार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा तीन करोड़ 89 लाख 77 हजार रुपए ऐतिहासिक मैदान के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इसमें प्रथम किश्त के रूप में एक करोड़ 94 लाख 88 हजार 500 जिला को भेजा गया है। इस राशि से चाहरदीवारी का जीर्णोद्धार,मुख्य द्वार व पिछला द्वार टिकट कक्ष, शौचालय, चबूतरे का कार्य, पार्क का जीर्णोद्धार, कंक्रीट सड़क, लैंड स्केपिंग, गुड अर्थ, सैंड स्टोन से पाथवे, पार्क में 10 बेंच तथा 35 सोलर लाइट लगाया जाना है। ऐतिहासिक युद्धस्थल जिला मुख्यालय से करीब 10 किलोमीटर दूर चौसा में कर्मनाशा नदी के पूर्वी तट पर स्थित है। 25 जून 1539 में शेरशाह सूरी और मुगल बादशाह हुमायूं के बीच भीषण लड़ाई हुई थी। कहा जाता है कि चौसा की इसी धरती पर युद्ध में 8000 से अधिक मुगल सैनिक मारे गए थे जबकि शेरशाह सूरी से युद्ध में बुरी तरह घायल हुमायूं को अपनी जान बचाकर युद्ध के मैदान से भागना पड़ा था। वहीं सालों से बदहाली का दंश झेल रहे शेरशाह के शौर्य स्थल की तकदीर को बदलने के लिए मनरेगा से एक मिनी पार्क बनाया गया। इस स्थली के महत्व के अनुसार यहां पर पहुंचने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए इस पर और कार्य करने की आवश्यकता है।

अनियमित विस्तार

बीते 30 सितंबर को समाप्त हुई तिमाही के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के ताजा अंतरिम अनुमान में वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी रहने की उम्मीद है, जोकि पिछले तीन महीनों में दर्ज 7.8 फीसदी की वृद्धि दर में मामूली गिरावट है। अर्थव्यवस्था के आठ व्यापक क्षेत्रों में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में भी मामूली मंदी देखी गई और दूसरी तिमाही में जीवीए में 7.4 फीसदी का विस्तार दर्ज किया गया, जोकि अप्रैल-जून अवधि के 7.8 फीसदी के विस्तार से 40 आधार अंक कम है। मैन्यूफैक्चरिंग, खनन, उपयोगी सेवाओं और निर्माण के क्षेत्र में मजबूत दोहरे अंकों के विस्तार ने अन्य चार क्षेत्रों की रफ्तार में हुए नुकसान की भरपाई की और यह सुनिश्चित करने में मदद की कि जीवीए में साल-दर-साल आधार पर होने वाली वृद्धि लगातार दूसरी तिमाही में आराम से सात फीसदी की रफ्तार से ज्यादा हो जाए। एक साल पहले की अवधि में संकुचन की वजह से आए अनुकूल आधार प्रभाव से उत्साहित मैन्यूफैक्चरिंग 13.9 फीसदी की वृद्धि, जोकि नौ-तिमाहियों में उच्चतम स्तर था, दर्ज करके सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा। और निर्माण क्षेत्र ने 13.3 फीसदी की वृद्धि के साथ पांच तिमाहियों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया। चार अन्य क्षेत्रों में से, कृषि के महत्वपूर्ण क्षेत्र तथा व्यापार के दो सेवा क्षेत्र होटल एवं परिवहन, संचार और वित्तीय क्षेत्र के रियल एस्टेट एवं पेशेवर सेवाओं में विकास की रफ्तार वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के मुकाबले लगभग आधी देखी गई। कृषि, पशुधन और मछली पकड़ने के क्षेत्र में जहां साल-दर-साल आधार पर होने वाली वृद्धि तेजी से धीमी होकर 18-तिमाही के निचले स्तर 1.2 फीसदी पर आ गई, वहीं इन क्षेत्रों ने लगातार तीसरी तिमाही में क्रमिक संकुचन का भी अनुभव किया। इसके चलते सुदूर ग्रामीण इलाकों में कमाई करने वाले खेती एवं संबद्ध गतिविधियों के बड़े हिस्से में अनिश्चितता को रेखांकित किया गया। सेवा अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख घटकों - व्यापार, होटल, परिवहन और संचार में मंदी की वजह से जून की तिमाही में विकास दर 9.2 फीसदी से गिरकर 4.3 फीसदी हो गई और वित्तीय एवं रियल्टी सेवाओं में विस्तार पिछली अवधि के मुकाबले आधे से अधिक घटकर छह फीसदी रह गया। इस पर भी करीब से नजर रखने की जरूरत है क्योंकि महामारी के बाद सेवाओं में आई तेजी कमजोर होती दिख रही है। हेडलाइन वृद्धि के आंकड़े को सावधानी से देखने की जरुरत के अलावा यह तथ्य भी है कि धुरे की कील माना जाने वाला निजी अंतिम उपभोग व्यय, जोकि अर्थव्यवस्था में मांग का सबसे बड़ा घटक है, रफ्तार पकड़ने के लिए जूझ रहा है। पिछले तीन महीने की अवधि के दौरान छह फीसदी रहने वाली निजी उपभोग व्यय में वृद्धि सितंबर वाली तिमाही में काफी धीमी होकर 3.1 फीसदी हो गई क्योंकि ग्रामीण मांग मानसून के औसत से कम रहने के चलते उपजी अनिश्चितताओं से प्रभावित रही।

काफी कुछ दांव पर

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा एक भारतीय नागरिक के खिलाफ दायर किए गए 15-पृष्ठों के अभियोग का प्रभाव सिर्फ संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत पर ही नहीं, बल्कि इससे से भी कहीं ज्यादा पड़ने की आशंका है। उक्त भारतीय नागरिक के बारे में माना जाता है कि उसे संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नुन के खिलाफ हत्या की साजिश के प्रयास के लिए एक भारतीय सरकारी अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया था। यह अभियोगपत्र अवैध मादक पदार्थों व हथियारों के एक सौदागर आरोपी निखिल गुप्ता, एक सेवारत वरिष्ठ भारतीय सरकारी खुफिया अधिकारी, जिसकी पहचान कर ली गई है, लेकिन उसे अनाम रखा गया है, के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में दो लोगों, जिन्हें कथित तौर पर श्री पन्नुन को मारने के लिए संलग्न किया गया था, के बीच हुए संवाद के विवरण पर आधारित है। कहानी में जिस मोड़ के बारे में अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका या कनाडा में नहीं कहा गया है, वह यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका स्थित दो व्यक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका के कानून लागू कराने वाले विभाग के लिए काम कर रहे थे, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिकी एजेंट कम से कम मई महीने से इसकी तफ्तीश में जुटे थे। तब से अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच कई बैठकें हुई हैं और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के बीच भी मुलाकातें हुईं हैं। ये आरोप परेशान करने वाले सवाल खड़े करते हैं कि दोनों देशों के बीच क्या कुछ साझा किया गया है और क्या कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा लगाए गए इसी तरह के आरोपों से नाराज हो जाने वाली मोदी सरकार मिली जानकारियों के प्रति कम सजग है। अगर सरकार ने जानबूझकर भारत की यूएपीए आतंकवादी सूची में शामिल रहने वाले सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने की इजाजत दी है, तो इसका मतलब यह हुआ कि भारतीय नीति में एक नाटकीय बदलाव आया है और इसके बारे में सरकार को और ज्यादा स्पष्ट होना चाहिए। लेकिन अगर शीर्ष अधिकारियों को इन साजिशों के बारे में कोई इल्म नहीं था और जैसा कि विदेश मंत्रालय ने कहा है कि यह ह्लसरकारी नीतिह्व नहीं है, तो यह गंभीर अक्षमता और दुष्ट अधिकारियों का मामला भी है।

संवेदनहीनता की पराकाष्ठा

ANALYSIS

योगेश कुमार गोयल

03 दिसंबर, 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के कारखाने से निकली जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनाइट ने हजारों लोगों की जान ली थी। इस त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौत का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला रात से शुरू होकर कई वर्ष तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बावजूद इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और पीड़ितों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया या अंतिम संस्कार किया गया। करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए। एक शोध में सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है।

मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में 1984 में हुई भयानक गैस त्रासदी की घटना को पूरी दुनिया के औद्योगिक इतिहास की सबसे भीषण और हृदयविदारक औद्योगिक दुर्घटना माना जाता है। 03 दिसंबर, 1984 को आधी रात के बाद यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के कारखाने से निकली जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनाइट ने हजारों लोगों की जान ली थी। इस त्रासदी से लाखों लोग प्रभावित हुए। दुर्घटना के चंद घंटों के भीतर ही कई हजार लोग मारे गए थे और मौत का यह दिल दहलाने वाला सिलसिला रात से शुरू होकर कई वर्ष तक अनवरत चलता रहा। भोपाल गैस कांड को 39 साल बीत जाने के बावजूद इसका असर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और पीड़ितों के जख्म आज भी हरे हैं। यह हादसा पत्थर दिल इंसान को भी इस कदर विचलित कर देने वाला था कि हादसे में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाया गया या अंतिम संस्कार किया गया। करीब दो हजार जानवरों के शवों को विसर्जित करना पड़ा और आसपास के सभी पेड़ बंजर हो गए। एक शोध में सामने आया है कि भोपाल गैस पीड़ितों की बस्ती में रहने वालों को दूसरे क्षेत्रों में रहने वालों की तुलना में किडनी, गले तथा फेफड़ों का कैंसर 10 गुना ज्यादा है। इसके अलावा इस बस्ती में टीबी तथा पक्षाघात के मरीजों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। इस गैस त्रासदी में पांच लाख से भी ज्यादा लोग प्रभावित हुए थे, जिनमें से हजारों लोगों की मौत तो मौके पर ही हो गई थी और जो जिंदा बचे, वे विभिन्न गंभीर बीमारियों के शिकार होकर जीवित रहते हुए भी पल-पल मरने को विवश हैं। इनमें से बहुत से लोग कैंसर सहित बहुत सी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और घटना के 39 साल बाद भी इस गैस त्रासदी के दुष्प्रभाव खत्म नहीं हो रहे हैं। विषैली गैस के सम्पर्क में आने वाले लोगों के परिवारों में इतने वर्षों बाद भी शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम बच्चे जन्म ले रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गैस त्रासदी से 3787 की मौत हुई और गैस से करीब 558125 लोग प्रभावित हुए थे। हालांकि कई एनजीओ का दावा रहा है कि मौत का यह आंकड़ा 10 से 15 हजार के बीच था तथा बहुत सारे लोग अनेक तरह की शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। विभिन्न अनुमानों के मुताबिक करीब 8 हजार लोगों की मौत तो दो सप्ताह के भीतर ही हो गई थी जबकि करीब 8 हजार अन्य लोग रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों के चलते मारे गए थे। हजारों लोगों के लिए काल बने और लाखों लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देने वाले भोपाल के इस कारखाने का निर्माण वर्ष 1969 में हुआ था। इसके बाद यहां मिथाइल आइसोसाइनाइट (मिक) नामक पदार्थ से कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। वर्ष 1979 में मिथाइल आइसोसाइनाइट के उत्पादन के लिए एक नया कारखाना खोला गया लेकिन भोपाल गैस त्रासदी की घटना के समय तक उस कारखाने में सुरक्षा उपकरण ठीक हालात में नहीं थे और वहां सुरक्षा के अन्य मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा था। 03 दिसंबर 1984 को इसी कारखाने से करीब 40 टन गैस का रिसाव हुआ। रिसाव के उपरांत गैस के बादल में फोस्जीन, हाइड्रोजन सायनाइड, कार्बन मोनो-ऑक्साइड, हाइड्रोजन क्लोराइड इत्यादि के अवशेष भी पाए गए थे। जिन लोगों के फेंफड़ों में सांस के जरिये गैस की ज्यादा मात्रा पहुंच गई, वे सुबह देखने के लिए जीवित ही नहीं बचे। बहुत सारे लोग ऐसे थे, जिन्होंने नींद में ही अपनी आखिरी सांस ली। लोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? गैस के कारण लोगों की आंखों और सांस लेने में परेशानी हो रही थी, सिर चकरा रहा था, बहुतों को कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था। हजारों लोगों के एकाएक अस्पतालों में पहुंचने से डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था कि जहरीली गैस से पीड़ित इतने सारे लोगों का किस प्रकार और क्या इलाज किया जाए, क्योंकि उनके पास भी मिक गैस से पीड़ित लोगों के इलाज का कोई अनुभव नहीं था। वे इस रासायनिक आपदा के उपचार के लिए पूर्ण रूप से तैयार नहीं थे।भले ही गैस रिसाव के करीब आठ घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था किन्तु हकीकत यह है कि इस गैस त्रासदी के 39 वर्षों बाद भी भोपाल उस हादसे से उबर नहीं पाया है। इस त्रासदी से पर्यावरण को भी ऐसी क्षति पहुंची, जिसकी भरपाई सरकारें आज तक नहीं कर पाई हैं। सरकारों का इस पूरे मामले में रुख संवेदनहीन ही रहा है। कई रिपोर्टों में इस क्षेत्र में भू-जल प्रदूषण की पुष्टि होने के बाद भी सरकार द्वारा जमीन में दफन जहरीले कचरे के निष्पादन की कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई। दरअसल इस भयावह गैस त्रासदी के बाद हजारों टन खतरनाक अपशिष्ट भूमिगत दफनाया गया था और सरकारों ने भी स्वीकार किया है कि यह क्षेत्र दूषित है। विभिन्न रिपोर्टों में बताया जाता रहा कि यूनियन कार्बाइड संयंत्र के आसपास की 32 बस्तियों का भू-जल प्रदूषित है और यह सरकारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही रही कि गैस पीड़ित वर्ष 2014 तक इसी प्रदूषित भू-जल को पीते रहे। हालांकि वर्ष 2014 में इन क्षेत्रों में पानी की पाइपलाइन डाली गई लेकिन तब तक जहरीले रसायन लोगों के शरीर में गहराई तक घुल चुके थे।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती

अस्तित्व में दो नहीं। यहां द्वैत नहीं है। वेदांत अनुभूति में इसे अद्वैत कहा गया। ऋग्वेद के एक ऋषि ने इसे 'पुरुष' कहा और बताया कि जो भूतकाल में अब तक हो चुका और जो आगे होगा वह सब पुरुष ही है। पुरुष एक है। इसी के भीतर सम्पूर्णता है। यही बात ऋग्वेद में 'अदिति' के लिए कही गई है और छान्दोग्य उपनिषद में 'भूमा' के लिए। भूमा सम्पूर्णता का पर्याय है। पूर्ण भारतीय दर्शन की अनोखी खोज है। 'पूर्ण' असीम विराट है। संख्या गणित का विषय है। विराट अस्तित्व के रहस्य गणित की पकड़ में नहीं आते। गणित में बड़ी से बड़ी संख्या भी पूर्ण का ही भाग होती है। कोई भी संख्या पूर्ण से बड़ी नहीं होती। 'पूर्ण' वैदिक पूर्वजों का आत्मीय विषय रहा है। 'शतपथ ब्राह्मण' उत्तर वैदिक काल का प्रमुख सामाजिक, ऐतिहासिक, वैज्ञानिक व दार्शनिक ग्रंथ है। इसमें संख्या व गणित के तमाम उल्लेख हैं लेकिन इसी के अंश वृहदारण्यक उपनिषद (पांचवें अध्याय) में पूर्ण की रम्य व्याख्या है। बताते हैं-'वह पूर्ण है, यह पूर्ण है-'पूर्णमदः पूर्णमिदं'। मन प्रश्न करता है कि क्या पूर्ण भी दो हो सकते हैं। एक यह पूर्ण और दूसरा वह पूर्ण। इस जिज्ञासा का उत्तर भी इसी मंत्र में है-'यह पूर्ण उस पूर्ण का ही विस्तार है-पूर्णात पूर्णमुदच्यते।' शंका तो भी शेष न रहे इसलिए आगे कहते हैं-'पूर्ण में पूर्ण निकाल देने पर भी पूर्ण ही बचता है-पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।' भारतीय अनुभूति का यह पूर्ण उल्लासदायी है। प्रगाढ़ अनुभूति और दर्शन में 'पूर्ण' पूरा पूर्ण है। हम सबको अनेक पूर्ण दिखाई पड़ सकते हैं। लेकिन उन्हें पूर्ण नहीं कहा जा सकता। जो वास्तविक पूर्ण है, उस पूर्ण में कुछ भी घटाओ, जोड़ो, गुणा करो, पूर्ण पूर्ण ही रहता है। निस्संदेह गणित में कोई भी अंश या संख्या पूर्ण से छोटी होती है लेकिन पूर्ण अनुभूति में अंश या संख्या भी पूर्ण ही होती है। सारी संख्याएं पूर्ण का ही अविभाज्य अंश हैं और अंश कभी पूर्ण से पृथक अस्तित्व नहीं रखते। इस दृष्टि से हम सब पूर्ण हैं। पूर्णता के बोध के अभाव में अपूर्ण जान पड़ते हैं। अपूर्ण होना दुख है, पूर्ण होना आनंद। वेदों में अनेक देवों की स्तुतियां हैं। पश्चिमी विद्वान इसी आधार पर भारतवासियों को बहुदेववादी बताते हैं। हम भारतवासी बहुदेववादी नहीं, बहुदेव उपासक हैं। ऋषि की घोषणा है कि इन्द्र, अग्नि तमाम देवता हैं लेकिन सत्य एक है, विद्वान उसे भिन्न-भिन्न ढंग से बताते हैं। तैत्तिरीय उपनिषद में कहते हैं-'वह पुरुष और आदित्य में एक ही है।' संभवतः कुछ विद्वान पुरुष को और कुछ सूर्य को अलग-अलग बताते रहे होंगे। ऋषि दोनों को एक बताते हैं। पूर्णता सनातन प्यास है। हम सब अपूर्ण हैं। भोजन या पानी की प्यास अपूर्णता का संदेश है। सांसारिक उपलब्धियों की इच्छा भी हमारी अपूर्णता की ही सूचना है। इच्छा, अभिलाषा या आकांक्षा अपूर्णता के ही बोधक हैं। तनावग्रस्त होने का कारण भी हमारी अपूर्णता है। हम अतृप्त हैं। हम किसी भी मार्ग या उपाय से समृद्धि चाहते हैं और समृद्धि अतिशीघ्र नई रिक्तता में बदल जाती है। सुख फिसल जाता है, दुख घेर लेता है। प्रकृति सृष्टि सम्पूर्णता है। सम्पूर्णता में ही रहती है। सम्पूर्णता में ही प्रकट होती है। यहां सामान्य गणित नहीं है। पूर्ण से पूर्ण घटा देने पर शून्य नहीं बचता। यहां अस्तित्व की सम्पूर्णता का सुन्दर विवेचन है-'मेरा मन ऐसा ही मंत्र गढ़ने को उतावला है-मैं अपूर्ण हूं। हम सब अपूर्ण हैं। मैं में हम घटाओ तो अपूर्ण में ही बचता है।' मैं दुख है, हम होना सुख है और सम्पूर्ण होना आनंद। सम्पूर्णता की प्यास स्वाभाविक ही गहरी ही होनी चाहिए। हम बोधरहित हैं सो अपूर्ण हैं। अपूर्ण हैं सो सांसारिक उपलब्धियों में पूर्णता खोजते हैं। सांसारिक उपलब्धियां क्षणभंगुर हैं। वे अपूर्ण से भी लघुतम हैं। हमारी अपूर्णता हमको बार-बार जगाती है। हम तनावग्रस्त होते हैं। अपूर्णता का ज्ञान अच्छा है। तब हम पूर्णत्व के बारे में विचार करते हैं। पूर्णता को प्राप्य मानते हैं। पूर्वजों ने शब्द संकेतों से ऐसा मार्गदर्शन किया है। संसार के साथ स्वयं का ज्ञान ही पूर्णता की दिशा तय करता है। कार्य और कारण की शृंखला में पूर्ण विराम की गुंजाइश नहीं। 'ब्रह्म' पूर्णतम पूर्णता है। यह 'ब्रह्म' ही कारण है और 'ब्रह्म' ही कार्य। गीता के एक सुन्दर श्लोक (4.24) में 'ब्रह्म' ही 'ब्रह्म' को हवि अर्पण करता है-ब्रह्मार्पण ब्रह्म। 'ब्रह्म' ही अग्नि है और 'ब्रह्म' ही हवि। यह हवि 'ब्रह्म' को ही मिलती है। इसका परिणाम भी 'ब्रह्म' ही होता है। इसके पहले के श्लोक में ऐसा जानने वाले व्यक्ति के लिए 'ज्ञानावस्थित चेतसः-ज्ञान में स्थिर चेतना' शब्द आए हैं। ऐसे व्यक्ति के सभी कर्म 'समग्रं विलीयते-सम्पूर्णता में विलीन होते हैं।' लेकिन यह ज्ञान की उच्चतर स्थिति है। संसार का अध्ययन कार्य कारण की शृंखला के विवेचन से होता है। संसार की प्रत्येक घटना के कारण होते हैं। ऐसे कारण के भी कारण होते हैं। कार्य कारण के प्रत्यक्ष सम्बंधों का अवसान सम्पूर्णता के बोध में ही होता है। हम संसार जानना चाहते हैं। इसलिए संसार विषय का ज्ञेय हुआ। जानकारी मिली यह ज्ञान हुआ। हमने जाना सो हम ज्ञाता हुए। लेकिन ज्ञाता और ज्ञान का सम्बंध भी अंत में समाप्त होता है। बोध के अंत में ज्ञाता नहीं बचता। ज्ञाता भी ज्ञान हो जाता है। ज्ञान भी अंतिम अवस्था में कहां बचता है? ज्ञाता, विषय, ज्ञान आदि सभी विभाजन सम्पूर्णता के ही भाग हैं। सम्पूर्णता का बोध भारतीय चिन्तन की अनूठी उपलब्धि है। सत्य आधा नहीं होता। मित्रगण चर्चा में कहते हैं कि आपकी या हमारी बात 50 प्रतिशत सत्य है। कोई भी वचन प्रतिशत में सत्य नहीं होता। सत्य पूर्ण होता है। पूर्णता ही सत्य है और सत्य पूर्णता है। सत्य इससे कम नहीं होता। तैत्तिरीय उपनिषद में सत्यानुभूति की प्राप्ति के बाद का एक सुन्दर मंत्र है। मंत्र क्या खूबसूरत कविता है। ऋषि गाते हैं-'मैं अन्न हूं। मैं अन्न हूं। मैं ही अन्न का भोक्ता हूं।

Social Media Corner

सच के हक में...

उत्साह और उमंग के इस वातावरण के बीच हमें साइक्लोन मिचौंग से भी सतर्क रहना है। केंद्र सरकार राज्य सरकारों की हर संभव मदद कर रही है। इसे लेकर मैं भाजपा कार्यकताओं से यह आग्रह करना चाहता हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

हमारा राज्य युवा राज्य है। पूर्व की सरकारों ने ऐसे सभी काम किये जिससे झारखण्ड पिछड़ा रहने को विवश रहा। आने वाले समय में राज्य 25वे साल में भी प्रवेश करेगा। हम मिलकर झारखण्ड को पिछड़े राज्य से अग्रणी राज्य की श्रेणी पर ले जाने का काम करेंगे। पहले कौशल प्रशिक्षण का केंद्र जिला स्तर पर होता था, हमने उसे प्रखण्ड स्तर पर ले जाने का काम किया। उसी का नतीजा है कि आज हजारों युवाओं को निजी क्षेत्रों में रोजगार देने का काम किया गया है। सरकारी नौकरियों में भी हजारों युवाओं को नियुक्तियां देने का काम किया जा रहा है। लेकिन झारखण्ड के युवाओं को नौकरी न मिले इसलिए विपक्ष द्वारा येन केन प्रकारेण अड़चन डालने का प्रयास किया जाता है पर उनका षड्यंत्र कभी कामयाब नहीं होगा।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

सबक सीखने की जरूरत

सिलक्यारा की घटना दो कारणों से अपने आप में ऐतिहासिक बन चुकी है। सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट, चारधाम का एक हिस्सा रही सिलक्यारा, में टनल भी एक प्रावधान था। उत्तरकाशी के बड़कोट क्षेत्र में बन रही यह टनल करीब चार किलोमीटर से अधिक लंबी थी। इस टनल के बनने से करीब 25-30 किलोमीटर का वह हिस्सा बच जाना था, जो जंगलों से लगा हुआ था। सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन अचानक 12 तारीख की सुबह इस टनल में ढेर सारे मलबे के गिरने से वहां 41 मजदूर फंस गये। चूंकि इसका घेरा करीब 50 से 60 मीटर था, इसलिए मजदूरों के तत्काल निकलने की संभावनाएं असंभव सी हो गयीं। यह टनल चारधाम का एक हिस्सा तो थी ही, पर क्योंकि इसे पहाड़ के अंदर से निकलना था, तो इसका बनना भी अपने आप में एक बड़ी चुनौती थी। पर उससे भी बड़ी चुनौती तब सामने आ गयी जब इस टनल के अंदर एक बड़े खंड के आने से पूरा टनल ही अवरुद्ध हो गया। यह संयोग ही था कि त्योहार का समय होने के कारण वहां मात्र 41 लोग ही मौजूद थे, वरना अगर कोई अन्य समय होता तो यह संख्या 300 से 400 हो जाती। इतने ढेर सारे जीवन के फंसने का पूरे तंत्र पर अत्यधिक असर पड़ता। असल में, इस तंत्र में एक बड़ी खामी यह रही कि इसके समानांतर कोई एग्जिट प्लान तैयार नहीं किया गया। जब भी कोई टनल बनता है तो उसके साथ उसके समानांतर, एक पाइप के रूप में एक एग्जिट टनल भी तैयार किया जाता है, ताकि दुर्घटना होने की स्थिति में टनल के अंदर काम कर रहे लोग सुरक्षित रूप से बाहर आ सकें। टनल बनाते समय जिस दूसरी महत्वपूर्ण बात पर ध्यान दिया जाता है, वह यह कि जैसे-जैसे आप टनल के भीतर चलते चले जायेंगे, आप पीछे-पीछे उसको मजबूत करते चले जायेंगे, विशेषकर छत के हिस्से को। ताकि आने वाले समय में कोई दुर्घटना न हो। यहां एक तरह का कंस्ट्रक्शन फेल्योर रहा। इन दोनों चूकों पर कंपनी पूरी गंभीरता से ध्यान नहीं दे पायी। इकतालीस जीवन, 12 नवंबर से टनल में फंसे थे, जिसने पूरे देश के सामने एक दुविधा खड़ी कर दी थी। दुविधा का बड़ा कारण एक के बाद एक प्रयत्न का असफल होते जाना था। शुरूआत में बुलडोजर आदि से मैनुअल खुदाई की गयी। पर जब इसका कोई खास असर नहीं दिखा, तो तत्काल हैदराबाद और अन्य स्थानों से ऑगर मशीन मंगवायी गयी। साथ ही अमेरिका के विशेषज्ञों को भी वहां लाया गया। सभी अपने कार्य में लगे थे। इन कार्यों को और बल देने के लिए एनडीआरएफ, वाडिया इंस्टिट्यूट समेत देश और दुनियाभर के विशेषज्ञों को वहां इकट्ठा कर दिया गया। यहां एक सकारात्मक कदम यह उठाया गया कि एक पाइप के जरिये टनल में बिजली, भोजन, पानी की व्यवस्था कर दी गयी, जो बड़ी राहत थी। ऑगर मशीन आने से यह आस बंधी थी कि नौ-दस दिनों में सब मजदूर वापस निकल जायेंगे। मशीन ने अपना काम शुरू भी कर दिया था और करीब 45-46 किलोमीटर तक आगे जा चुकी थी। लेकिन उसका मुहाना टूट गया। इससे एक बड़ा झटका सबको लगा। राहत कार्य में एक के बाद एक असफलता मिलने से घटना की गंभीरता बढ़ती चली जा रही थी और एक असमंजस की स्थिति हर जगह पैदा हो चुकी थी। यहां एक कोण जो बहुत महत्वपूर्ण है, वह यह कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बहुत ही संवेदनशीलता और संयम का परिचय दिया और लगातार घटना पर नजर बनाये रखी। वे स्वयं वहां कैंप लगाकर बैठ गये। उनके साथ ही देश के परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह भी वहां डटे रहे। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सबने, विशेष रूप से पीड़ितों से एक संपर्क साधकर रखा। संपर्क साधने के दौरान पीड़ितों को न केवल आश्वासन दिया गया, उनके भोजन आदि की व्यवस्था भी की गयी।

कार्रवाई का समय

अगले पखवाड़े में दुनियाभर के नेता, उद्योगपति, कार्यकर्ता और देशी लोग कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) के 28वें संस्करण में जुटेंगे। यह सालाना जलसा कम से कम 190 देशों, सभी संयुक्त राष्ट्र जलवायु ढांचे के सदस्य, को अपनी अर्थव्यवस्थाओं को जीवाश्म ईंधन से दूर हटाने के लिए कार्य करने की दिशा में आगे बढ़ने का एक प्रयास है। वर्तमान लक्ष्य 2015 में पेरिस में विभिन्न देशों द्वारा इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा नहीं होने देने और निश्चित रूप से दो डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का प्रयास करने की गई सामूहिक प्रतिबद्धता को पूरा करना है। विभिन्न देशों के इस बात पर सर्वसम्मति से सहमत होने के बावजूद कि अगर इन सीमाओं का उल्लंघन किया गया तो मानवता को सामूहिक रूप से एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी और लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं यह दिखाने के लिए व्यापक राष्ट्रीय योजनाएं बना रही हैं कि वे किस कदर ह्यअपना कामह्ल कर रहीं हैं, विज्ञान कहता है कि सालाना आठ फीसदी की कटौती के बजाय 2021-22 से उत्सर्जन 1.2 फीसदी बढ़ गया है। इस दर से, सदी के अंत तक दुनिया 2.5-3 डिग्री सेल्सियस गर्म हो जाएगी। इस वर्ष वैश्विक तापमान के 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की भयावह सीमा को पार करने के 86 मामले सामने आ चुके हैं। लगभग तीन दशकों की सीओपी बैठकों में, प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं तीन व्यापक सिद्धांतों पर सहमत हुई हैं। बीसवीं सदी में तेजी से औद्योगीकरण करने वाले देशों ने अपनी आबादी के मद्देनजर अपने उचित हिस्से के मुकाबले असंगत रूप से ज्यादा कार्बन उत्सर्जित किया है। आर्थिक विकास का जीवाश्म ईंधन की खपत, जोकि नवीकरणीय ऊर्जा की तुलना में प्रति यूनिट सस्ता होता है, पर आधारित होना आपदा का सबब है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

यात्रियों की सुरक्षा नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्राथमिकता: सिंधिया

नई दिल्ली-

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को कहा कि यात्रियों की सुरक्षा मंत्रालय की प्राथमिकता है और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) सभी हवाईअड्डों पर कड़ी नजर रखे हुए है और यदि कोई एयरलाइन या हवाईअड्डा किसी यात्री के साथ दुर्व्यवहार का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाती है और जुर्माना लगाया जाता है। सिंधिया ने यह टिप्पणी सोमवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान की। वह राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा के सवाल का जवाब दे रहे थे। शर्मा ने पूछा था कि जैसे एयरलाइन क्रू और एयरलाइंस के अधिकारों को परिभाषित किया गया है, क्या मंत्रालय यात्रियों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए कोई कदम उठा रहा है, क्योंकि ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं कि यात्रियों के साथ सुरक्षा और प्रक्रिया के नाम पर दुर्व्यवहार किया गया। इस पर सिंधिया ने कहा, सुरक्षा के लिए बीसीएएस सभी हवाई अड्डों पर पैनी नजर रखता है और संरक्षा के लिए डीजीसीए एयरलाइंस के लिए सीएआर (सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स) जारी करता है ताकि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखा जा सके। यदि कोई एयरलाइन या हवाईअड्डा दुर्व्यवहार का दोषी पाया जाता है, तो एयरलाइन और हवाईअड्डे पर जुर्माना लगाया जाता है। एक पूरक प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा, एयर इंडिया ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। इंडिगो ने 500 विमानों का ऑर्डर दिया है और आने वाले दिनों में यह कनेक्टिविटी की रीढ़ बन जाएगा। नांदेड़ हवाई अड्डे का बारे में एक पूरक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने कहा, इस मुद्दे पर हमारी सलाहकार समिति में चर्चा हुई है और यहां सवाल यह है कि एयरलाइन ने नांदेड़ में अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। कुछ एयरलाइंस को आर्थिक रिटर्न नहीं मिल पा रहा था, इसलिए कुछ उड़ानों की संख्या कम हो गई। कनेक्टिविटी दे रहे हैं। हवाई अड्डा हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, नांदेड़ महाराष्ट्र में एक महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन सिख समुदाय के लिए, उनके धर्म के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है।

स्पॉटिफाई करेगा 17 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली।

म्यूजिक स्ट्रीमिंग दिग्गज स्पॉटिफाई ने सोमवार को कंपनी भर में लगभग 17 प्रतिशत कार्यबल की छंटनी की घोषणा की। स्पॉटिफाई के संस्थापक और सीईओ डैनियल ऐक ने कर्मचारियों को लिखे एक नोट में कहा कि कंपनी के लिए आगे की चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यबल का सही आकार बनाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने छंटनी के कारणों के रूप में धीमी आर्थिक वृद्धि और बढ़ी हुई पूंजी लागत का हवाला दिया और दावा किया कि कंपनी ने व्यवसाय में भारी निवेश करने के लिए 2020 और 2021 में कम लागत वाली पूंजी का उपयोग किया। डैनियल एक ने कहा, मैंने कंपनी में अपने कुल कर्मचारियों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत कम करने का कठिन निर्णय लिया है। मैं मानता हूं कि इसका असर उन व्यक्तियों पर पड़ेगा, जिन्होंने बहुमूल्य योगदान दिया है। स्पष्ट कहें तो, कई स्मार्ट, प्रतिभाशाली और कड़ी मेहनत करने वाले लोग हमें छोड़कर चले जाएंगे। टेककरंच के अनुसार, स्पॉटिफाई में लगभग 8,800 लोग कार्यरत हैं और नौकरी में कटौती के इस कदम से 1,500 से अधिक कर्मचारी प्रभावित होंगे। सेवरन्स पे के तहत, कंपनी सभी कर्मचारियों के

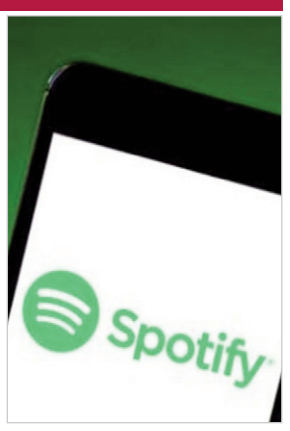

लिए बेसलाइन के साथ शुरुआत करेगी, जिसमें औसत कर्मचारी को लगभग पांच महीने का सेवरन्स मिलेगा। इसकी गणना लोकल नोटिस पीरियड आवश्यकताओं और कर्मचारी कार्यकाल के आधार पर की जाएगी। कंपनी कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति अवधि के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करना जारी रखेगी। सभी कर्मचारी दो महीने के लिए आउटप्लेसमेंट सर्विस के पात्र होंगे। इस साल स्पॉटिफाई द्वारा छंटनी का यह तीसरा राउंड है। जून में, कंपनी ने कॉर्पोरेट पुनर्गठन के हिस्से के रूप में अपने पॉडकास्ट डिवीजन से 200 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के 2 प्रतिशत को बर्खास्त किया था, जबकि जनवरी में, इसने वैश्विक स्तर पर अपने कार्यबल के 6 प्रतिशत या लगभग 600 कर्मचारियों को हटा दिया।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

- ब्रेंट क्रूड गिरावट के साथ 79.42 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मामूली तेजी दिख रही है। सोमवार को डब्ल्यूटीआई क्रूड हरे निशान में रहते हुए 74.64 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी गिरकर 79.42 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 46 पैसे की गिरावट के साथ बिक रहा है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 29 पैसे और डीजल में 26 पैसे की कटौती की गई है। पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल 25 और डीजल 24 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं पंजाब में पेट्रोल 32 पैसे और डीजल 30 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और केरल समते कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपये और डीजल 94.25 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

तकनीकी गड़बड़ी के कारण कुछ कर्मचारियों के वेतन में देरी हुई: बायजू

नई दिल्ली।

एडटेक यूनिकॉर्न बायजू के कुछ कर्मचारियों को वेतन मिलने में तकनीकी खराबी के कारण देरी हुई। कंपनी ने कहा कि उन्हें सोमवार को वेतन देने की प्रक्रिया चल रही थी। कंपनी ने कहा कि वह इस मुद्दे को सुलझाने और शेष कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए काम कर रही है। बायजू ने कहा, एक अप्रत्याशित तकनीकी खराबी के कारण कुछ सीमित कर्मचारियों (पाँच प्रतिशत से कम) के वेतन प्रसंस्करण में देरी हुई है। इस मुद्दे को सप्ताहांत में ठीक किया जा रहा है और भुगतान सोमवार तक किया जाएगा।रिपोर्टों के मुताबिक, लगभग एक हजार कर्मचारियों के वेतन में देरी का असर हर स्तर के लोगों पर पड़ा है। हालाँकि, आकाश इंस्टीट्यूट से जुड़े कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9,362.35 करोड़ रुपये के कथित उल्लंघन पर एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बायजू की मूल कंपनी) और बायजू रवींद्रन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कुछ दिनों बाद कंपनी ने पिछले सप्ताह कहा कि वह सभी प्रासंगिक फेमा नियमों का पूर्ण पालन करती रहेगी। बायजू के एक प्रवक्ता ने कहा- हमें ईडी से नोटिस प्राप्त हुआ है, जिसने अब अपनी जांच पूरी कर ली है और 21 नवंबर की उनकी प्रेस विज्ञप्ति में भी यही कहा गया है बायजू अधिकारी ने कहा कि नोटिस में प्राप्त प्रश्न पूरी तरह से तकनीकी प्रकृति के हैं, जैसे कि वैधानिक ऑडिट (वित्त वर्ष 2021-22) में देरी से उत्पन्न लगभग आठ हजार करोड़ रुपये के एकदिवसीय निवेश के संबंध में वार्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट (एपीआर) दाखिल करने में देरी। प्रवक्ता ने कहा, हालांकि, कंपनी ने सभी एफडीआई के लिए समसामयिक रूप से अपेक्षित सूचना दायर की है, जो कानून में पात्रता मानदंड के अनुसार प्राप्त हुई है और एपीआर दाखिल न करने के कथित आरोप से प्रभावित नहीं है। कंपनी ने इस प्रकार प्राप्त एफडीआई के लिए निर्धारित समय के भीतर शेयर भी जारी या आवंटित किए हैं।

मुकेश अंबानी ने खरीदी 4.5 करोड़ की नई फेरारी रोमा

मुंबई ।

देश के जानेमाने बिज़नेज़मैन मुकेश अंबानी ने 4.5 करोड की नई फेरारी रोमा खरीदी है। गौरतलब है` कि उन्हें अक्सर लग्ज़री कारों में स्पॉट किया जाता है। अंबानी ने एक बार फिर से अपने गैराज में नई सुपरकार फेरारी रोमा जोड़ी है, जिसकी कीमत 4.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। उन्होंने इसे फेरारी रेड कलर में खरीदा है। इसके अलावा मुकेश अंबानी के गैराज में फेरारी 812 सुपरफास्ट, मैकलेरन 570एस, लेम्बोर्गिनी एवेंटाडोर एस रोडस्टर, फेरारी 488 जीटीबी, फेरारी पोर्टोफिनो, एस्टन मार्टिन डीबी11 जैसी लग्ज़री गाड़ियां भी शामिल हैं।

गाड़ी के जानकार बता रहे हैं कि इस मॉडल को बहुत कम भारतीय सड़कों पर देखा गया है।

इसमें 3.9-लीटर ट्विन-टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया है, जो 690 पीएस की अधिकतम शक्ति और 760 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। यहां गौरतलब है कि मुकेश अंबानी ने अपनी पत्नी नीता अंबानी को बीते दिनो 10 करोड़ रुपये की रोल्स-रॉयस कलिनन ब्लैक बैज एसयूवी गिफ्ट की थी। यह कंपनी की भारत में सबसे महंगी एसयूवी थी, जो गिने- चुने लोगों के पास ही उपलब्ध है। अब उन्होंने यह फेरारी रोमा खरीदी है।

आईनॉक्स विंड ने आईडब्ल्यूएल में किया 800 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड (आईडब्ल्यूईएल) ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) में निवेश किया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कहा कि आईनॉक्स विंड एनर्जी लिमिटेड ने आईनॉक्स विंड लिमिटेड में 800 करोड़ रुपये का निवेश पूरा किया। इस धनराशि का इस्तेमाल आईडब्ल्यूएल के मौजूदा ऋण को चुकाने के लिए किया जाएगा। आईनॉक्स विंड के एक अधिकारी ने कहा कि आईडब्ल्यूएल के प्रवर्तक द्वारा धन जुटाने का हालिया दौर और उसके बाद आईडब्ल्यूएल में पूंजी निवेश कंपनी के शुद्ध-ऋण मुक्त कंपनी बनने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गूगल ने जेमिनी एआई की लांचिंग अगले साल तक टाली

सैन फ्रांसिस्को । गूगल ने ओपनएआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने के उद्देश्य से कन्वर्सेशनल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जेमिनी के लॉन्च को अगले साल जनवरी तक के लिए टाल दिया है। सूत्रों के अनुसार कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और वाशिंगटन में अगले हफ्ते होने वाले जेमिनी इवेंट्स की एक सीरीज को गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने रद्द कर दिया है। कंपनी ने पाया कि एआई ने कुछ नॉन-इंग्लिश क्वेरीज का सही जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपकमिंग इवेंट्स, जिनकी सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई थी, गूगल के वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण प्रोडक्ट लॉन्च को चिह्नित करेंगे, क्योंकि इसने अपने कंप्यूटिंग संसाधनों पर दबाव डाला और ओपनएआई को तत्काल आगे बढ़ाने के लिए बड़ी टीमों का विलय किया। जेमिनी को एप्लीकेशन्स की वाइड रेंज को संभालने के लिए डिजाइन किया गया है, जो ज्यादा एडवांस टास्क के लिए इमेज और टेक्स्ट जैसे विभिन्न प्रकार के डेटा को मर्ज करता है।

कल्पतरु प्रोजेक्ट को मिले 2,263 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) को घरेलू व विदेशी बाजारों में 2,263 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। केपीआईएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी के ट्रांसमिशन व डिस्ट्रीब्यूशन (टीएंडडी) व्यवसाय को भारत और विदेशी बाजारों में कुल 1,564 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। जल व भवन और कारखाना व्यवसाय को क्रमशः 458 करोड़ और 241 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। केपीआईएल और उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुषंगी कंपनियों को 2,263 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इन टीएंडडी ठेकों ने भारत, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और स्वीडन में हमारी ऑर्डर बुक को मजबूत किया है। हम बाजार में उपस्थिति को बेहतर बनाने तथा इन व्यवसायों में सतत वृद्धि के लिए अपने बीएंडएफ और जल व्यवसाय के भीतर रणनीतिक ठेके हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाओं पर काम कर रहा है। इसकी 70 से अधिक देशों में पहुंच है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर खड़े रहने वाले विमानों से लिया जाएगा अधिक शुल्क

नई दिल्ली । दिल्ली एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी डायल ने हवाई अड्डे पर खड़े रहने वाले विमानों के लिए एयरलाइंस से अधिक शुल्क लेने की योजना बनाई है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने कहा कि उड़ान न भर रहे ये विमान उपलब्ध पार्किंग स्थान पर कब्जा कर लेते हैं जिससे हवाई अड्डे की परिचालन दक्षता प्रभावित होती है। तकनीकी और अन्य कारणों से विमानों के सेवा में नहीं होने के मामले बढ़ रहे हैं। डायल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगली यातायात गणना में हम अनुरोध करेंगे कि जो एयरलाइन कंपनियां एक निश्चित अवधि से अधिक समय से यहां विमान खड़े कर रही हैं, उनके लिए कुछ अधिक शुल्क लिया जाना चाहिए। दिल्ली हवाई अड्डे की अगली यातायात समीक्षा अगले साल की शुरुआत में होगी। हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो, स्पाइसजेट और एयर इंडिया समेत विभिन्न एयरलाइंस के लगभग 64 विमान इस समय सेवा से बाहर खड़े हैं। इनमें इंडिगो के 24 विमान, स्पाइसजेट के छह, एयर इंडिया के दो और अलायंस एयर का एक विमान शामिल हैं। इसके अलावा परिचालन बंद कर चुकी एयरलाइंस गोफर्स्ट के 23 विमान, जूम एयर के पांच और जेट एयरवेज के तीन विमान भी हवाई अड्डे पर खड़े हैं। डायल द्वारा संचालित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीएआई) पर विमानों के लिए 295 पार्किंग स्थल हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली । केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को कारण बताओ नोटिस भेजा है। सूत्रों ने कहा कि नोटिस एयरलाइन प्रबंधन और चालक दल के सदस्यों के बीच कुछ विवादों के संबंध में नियमों के कथित उल्लंघन के लिए भेजा गया है। चालक दल के कई सदस्यों ने यात्रा से पहले विश्राम के दौरान कमरा साझा करने को लेकर चिंताएं जताई है। इसके अलावा कई अन्य मुद्दे भी हैं। इस संबंध में श्रम विभाग के समक्ष एक शिकायत दर्ज की गई थी और मामला औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अनुसार सुलह के अधीन है। इस संबंध में एयर इंडिया एक्सप्रेस से बात की गई लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला है। एयरलाइन का पिछले साल जनवरी में टाटा समूह ने अधिग्रहण किया था। कारण बताओ नोटिस इस आरोप के संबंध में भेजा गया है कि श्रम कानून के तहत सुलह कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान एयरलाइन ने श्रमिकों की सेवा शर्तों को बदल दिया। एक सूत्र ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में कहा गया गया है कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 33 के उल्लंघन के लिए आपके प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए।

यूपीआई से होने वाले फ्रॉड रोकने अलर्ट सिस्टम ला सकती है सरकार

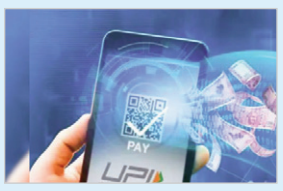

मुंबई । डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते प्रचलन के साथ ही बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। सरकार अब इन पर रोक लगाने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर विचार कर रही है। खासकर यूपीआई के जरिए होने वाले फ्रॉड को लेकर सरकार को कई प्रस्ताव मिले हैं, जिन्हें जल्द ही लागू किया जा सकता है। एक रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वित्तीय संस्थान एक सीमा से अधिक डिजिटल भुगतान के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान 5000 रुपये से ज्यादा के डिजिटल पेमेंट के लिए रैपिड अलर्ट सिस्टम अपना सकते हैं। यह अलर्ट केवल नए यूजर्स या वेंडर्स के मामले में ही पूरी तरह से लागू किया जाएगा। इस अलर्ट सिस्टम के तहत जब कोई उपयोगकर्ता पहली बार किसी अन्य उपयोगकर्ता या विक्रेता को यूपीआई के ज रिए 5000 रुपये से अधिक का भुगतान करता है, तो भुगतान शुरू करते ही उसे एक कॉल प्राप्त होगा। खाते से पैसे डेबिट होने से पहले वेरिफिकेशन मैसेज आएगा। सत्यापन के बाद ही उनके खाते से पैसे काटे जाएंगे। इस तरह संदिग्ध मामलों में भुगतान अपने आप अटक जाएगा। इस तरह का अलर्ट सिस्टम पहली बार लागू नहीं किया जा रहा है। कई वित्तीय संस्थान पहले ही ऐसी प्रणालियों को अपना चुके हैं। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि कई वित्तीय संस्थान पहले से ही उच्च मूल्य के लेनदेन के लिए ऐसे अलर्ट सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं।

पीएम मोदी की गारंटी से झूमा, शेयर बाजार

बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत

मुंबई ।

घरेलू बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें दिन तेजी दिखाई दी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत से निवेशक उत्साहित दिखाई दिए। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों के 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहने से भी बाजार को मजबूती मिली। तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा की क्लीन स्वीप के बाद इक्विटी बाजार सोमवार को इंट्राडे कारोबार में नए शिखर पर पहुंच गए। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 1,384 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 418 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप इंडेक्स इंट्राडे में 35,124 के नए शिखर पर पहुंच गया, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स ने 41,222 का नया ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बनाया। दोनों सूचकांक 1.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1383.93 अंक की भारी बढ़त के साथ 68,865.12 अंक के नए शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 68,918.22 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 68,274.47 तक आया।

वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 418.90 अंक की शानदार बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 20,686.80 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 20,702.65 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 20,507.75 तक आया। सेंसेक्स कंपनियों में आईसीआईसीआई

बैंक और एसबीआई में सबसे ज्यादा क्रमशः 4.68 प्रतिशत और 3.99 प्रतिशत की तेजी रही। लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। दूसरी तरफ, विप्रो और टाटा मोटर्स और टाइटन नुकसान में रहे।

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट सूचकांक नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में जर्मनी और फ्रांस में जहां तेजी रही वहीं लंदन बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार में शुक्रवार को मिला-जुला रुख रहा।

पांचवीं बार नीतिगत दरों में बदलाव से परहेज कर सकता है आरबीआई

- केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 6 सदस्यों वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मौद्रिक समीक्षा के दौरान नीतिगत दरों में बदलाव से लगातार पांचवीं बार परहेज कर सकती है। इस बारे में एक सर्वेक्षण में सभी 10 प्रतिभागियों ने यही कहा। केंद्रीय बैंक मौद्रिक समीक्षा के निर्णय की घोषणा 8 दिसंबर को करेगा। मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रीपो दर में 250 आधार अंक का इजाफा कर दिया, जिससे यह 6.5 फीसदी पर पहुंच गई। उसके बाद से ही दर जस की तस बनी हुई है। अर्थशो स्त्रियों का कहना है कि मुद्रास्फीति अब भी तय लक्ष्य से ऊपर है और वृद्धि दर भी बढ़ रही है।

इसलिए केंद्रीय बैंक का ध्यान मुद्रास्फीति को 4 फीसदी या उसके नीचे लाने पर होगा। मौद्रिक नीति समिति ने तरलता पर अंकुश लगाने की कोशिश की है और आगे भी वह ऐसा ही चाहेगी। बैंकिंग तंत्र में तरलता नवंबर में और भी घट गई है। यही वजह है कि आरबीआई ने पिछले गुरुवार को बैंकिंग तंत्र में 48,754 करोड़ रुपये डाले हैं। वस्तु एवं सेवा कर के मासिक भुगतान के कारण 21 नवंबर को तरलता में अंतर 5 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक ने उस दिन भी 1.74 लाख करोड़ रुपये डाले थे। सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों ने अनुमान लगाया कि एमपीसी के सदस्य उदारता खत्म करने के रुख पर कायम रहेंगे क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। उनका कहना है कि आरबीआई का रुख समायोजन वापस लेने का ही रहेगा क्योंकि मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम अब भी बना हुआ है। वृद्धि भी मजबूत बनी हुई है। इसलिए उनके पास मौद्रिक नीति में सख्ती बनाए रखने की गुंजाइश है।

जेरोधा का काइट ऐप लगातार तीन महीनों में तीसरी बार हुआ बंद

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के ट्रेडिंग ऐप काइट को सोमवार को एक और तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, यह लगातार तीसरा महीना है, जब प्लेटफॉर्म को इस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। यह उस दिन हुआ जब शेयर बाजार अब तक के उच्चतम स्तर पर खुला। गड़बड़ी के कारण ऐप में लॉगिन नहीं कर पाने से निराश यूजर्स ने शिकायत के लिए एक्स की ओर रुख किया। एक यूजर ने लिखा, बेहद जरूरी दिन पर फिर से डाउन। क्या किसी और को जेरोधा के साथ समस्या का सामना करना पड़ रहा है? सुबह 9.29 बजे जेरोधा ने एक पोस्ट में कहा- हमारे कुछ यूजर्स को काइट वेब में लॉग इन करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हम इस समस्या पर गौर कर रहे हैं। इस बीच, कृपया काइट मोबाइल ऐप में लॉगिन करें। लगभग एक घंटे बाद, ब्रोकरेज फर्म ने पोस्ट किया कि समस्या का समाधान हो गया है और असुविधा के लिए खेद है। ज़ेरोधा ने कहा, हमारे कुछ यूजर्स को काइट में लॉगिन करने और मार्केटवॉच में इंस्ट्रूमेंट्स जोड़ने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं का समाधान हो गया है। इस असुविधा के लिए खेद है। ज़ेरोधा पिछली बार 31 अक्टूबर और 6 नवंबर को बंद हो गया था, जब कई यूजर्स ने ऑर्डर प्लेसमेंट से संबंधित तकनीकी गड़बड़ी के बारे में शिकायत की थी, जिसमें ऑर्डर एग्जीक्यूट नहीं होने और अन्य समस्याएं थीं।

यूं छुड़ाएं बच्चे का अंगूठा चूसना

बच्चों का अंगूठा चूसना एक स्वाभाविक प्रवृति है, लेकिन शिशु जब बड़ा होने लगे, तो उसकी इस प्रवृत्ति पर नजर रखना बहुत जरूरी है अन्यथा वे किशोरावस्था आने तक अंगूठा चूसते रहते हैं। यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा यह प्रवृत्ति छोड़े, तो आजमाइए ये टिप्स -

- बच्चे को किसी तरह का कोई तनाव न हो, इस बात का ध्यान रखें।
- शैशव अवस्था में शिशु को गोद में बिठाकर लाड़ प्यार करें।
- अपने शिशु को स्तनपान कराने में कोताही न बरतें। उसका स्तनपान धीरे-धीरे छुड़ाएं।
- बच्चे की उपेक्षा न करें और न ही उसमें किसी तरह का भय पनपने दें।
- बच्चे में सुरक्षा की भावना पैदा करें।
- मारें-पीटें नहीं और न ही उसके हाथ बांधें।
- यदि उसके मित्र अंगूठा चूसने वाले हैं, तो उनके साथ खेलने न दें।
- उसकी आवश्यकताओं, अपेक्षाओं और जरूरी मांगों को पूरा करें।
- बच्चे की बातों को अनसुनी न करें अपितु धैर्यपूर्वक और सहानुभूति से सुनें।
- यदि बच्चे में कोई हीन भावना व्याप्त हो तो उसे दूर कर उसका आत्मविश्वास बढ़ाएं।
- बच्चे को सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ें और उसे व्यस्त रखें।
- उसे इस बात का अहसास कराएं कि अब वह बड़ा हो रहा है और बड़े बच्चे अंगूठा नहीं चूसते।
- यदि दिनभर में उसने अंगूठा नहीं चूसा, तो इसके लिए उसे शाबाशी दें।
- जब बच्चा अंगूठा चूस रहा हो तो, उसे आइना दिखाएं कि कितना भद्दा लग रहा है वह।

घर के इन हिस्सों में बना सकते हैं ऑफिस

अपने घर के किसी एक खास हिस्से को ऑफिस में कन्वर्ट कर सकती हैं। सबसे पहले आपको देखना होगा कि घर में खाली स्थान कौन सा है। ऐसी जगह जो काम में नहीं आ रही। अगर आपका ऑफिस वर्क कुछ ही घंटों का है तो आप अपने स्टडी और लिविंग स्पेस में भी पार्टिशन कर सकती हैं। यदि आपका काम ज्यादा समय का है तो आपको घर में ही एक अलग स्थान की तलाश करनी होगी। आप अपने स्टोर रूम, गैरेज, घर के बेसमैंट या एक्स्ट्रा बॉलकनी को रैनोवेट करवा कर उसे ऑफिस की तरह यूज कर सकती हैं।

फर्नीचर हो कम्फर्टेबल

घर में खोले जाने वाले ऑफिस का फर्नीचर कम जगह घेरने वाला और कम्फर्टेबल होना चाहिए। अपनी ऑफिस टेबल के लिए कांपैक्ट साइज के कंप्यूटर, की-बोर्ड और स्मार्ट चेयर का चुनाव करें। ऑफिस में सामान व्यवस्थित रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा अलमारियां और कैबिनेट होने चाहिएं। थोड़ी सी जगह खाली भी रहे, इस बात का खास ध्यान रखें। ऑफिस बनाने के लिए आपको एक ऐसे कमरे का चुनाव करना होगा, जहां आप डिस्टर्ब न हों। आप खुद को घर से अलग महसूस कर सकें और घर में होने वाली आवाजें आपके काम में दखल न डालें।

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

अपने गुणों से न रहें बेखबर

चांदनी ने बचपन से ही इंटीरियर डैकोरेटर बनने का ख्वाब देखा था और उसने अपना ख्वाब पूरा भी किया। आज वह अपने छोटे से शहर में नंबर एक इंटीरियर डिजाइनर मानी जाती है, परंतु उसे इस बात का दुख है कि फैमिली के प्रतिबंध के कारण वह किसी बड़े शहर में अपनी पहचान नहीं बना सकी, जहां उसकी काबिलियत एक बड़े स्तर पर पहचानी जाती या नामी इंटीरियर्स की तरह उसके चर्चे भी समाचारपत्रों और मैगजीन इत्यादि में होते, जबकि उसके साथियों को वह मुकाम हासिल है। रचना साधारण रूप-रंग की है, परंतु अपनी लिखी कविताओं से वह दोस्तों और रिश्तेदारों में काफी प्रसिद्ध है। अपने साधारण रूप-रंग से उत्पन्न हुई कुंठा से उसने अपनी ही प्रतिभा को एक दायरे में सीमित कर लिया है। यहां तक कि वह किसी मुशायरे में बुलाने पर भी नहीं जाती कि लोग उसका मजाक उड़ाएंगे। जब लोग उसकी कविताओं की प्रशंसा करते हैं, तो उसे लगता है कि वह उसकी साधारण रंगत का मजाक उड़ा रहे हैं और वह अपने में और ज्यादा सिमट जाती है।

शिकवा है ये झूठा

चांदनी और रचना दो उदाहरण हैं ऐसी लड़कियों की जो अपने करियर या पर्सनैलिटी को लेकर किसी न किसी हीन भावना में घिरी रहती हैं। ऐसी अनेक युवतियां हैं, जिन्हें जिंदगी से इस बात की शिकायत रहती है कि उनके हिस्से में सबसे ज्यादा परेशानियां और दुख आए हैं। वह कुछ और हो सकती थी, परंतु जिंदगी ने उन्हें वह मौका ही नहीं दिया।

अपने अवगुण आते नजर

किसी दूसरे की तो बात ही छोड़ो, इन्हें अपने में अवगुण इतने ज्यादा नजर आने लगते हैं कि इनके साए सोच पर गहराने लगते हैं, क्योंकि अपने वे गुण जो इन्हें दूसरों से अलग बनाते हैं, इन्हें नजर नहीं आ पाते। जब यह सोच अपनी पैठ बना ले कि हमारा कोई काम ठीक से नहीं हो पाता, तो आप अपनी बात दूसरों के सामने कैसे रख पाएंगे या फिर नए आइडियाज कैसे आ पाएंगे। दूसरों की अपेक्षा अपनी ही आलोचना आपका मनोबल तो गिराती है और इससे प्रभावित होने लगते हैं हमारे आस-पास के लोग। इसके लिए जरूरी है कि वे शिकवे जो जिंदगी से लेकर अपने आप तक से हम किए बैठे हैं उन्हें दरकिनार कर अपनी क्षमताओं तथा विश्वास को पहचानें तथा उन्हें नए नजरिए से लोगों के सामने रखें। एक छोटे शहर में रहते हुए लोगों को इंटीरियर डैकोरेशन के महत्व से अवगत कराना अपने-आप में बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि बड़े शहरों के लोग तो पहले से ही इसे जानते हैं। या फिर रूप-रंग पर साहित्य का मुलम्मा जब चढ़ता है तो वह व्यक्तित्व को पहले से कहीं ज्यादा निखार देता है।

पहचानें खुद को

अपनी खूबियों को पहचानें और यह सोचें कि सीमित साधनों में भी आप क्या कर सकती हैं। फिर भी आपको स्वयं में कोई कमी नजर आए तो हीन भावना का शिकार बनने की अपेक्षा अपना ध्यान खुद को अपडेट करने की तरफ लगा दें और अपने प्रोफैशन और रुचि के लिए नए-नए तरीके खोजें।

महत्वाकांक्षा की लगाम न खींचें

जीवन में आगे बढ़ना है तो आपको महत्वाकांक्षी तो होना ही होगा, परंतु वह इतना ज्यादा भी न हो कि आपके सही लक्ष्य के आड़े आ जाए। जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं को प्रगति का पायदान बना लें, इससे आपको संतुष्टि मिलेगी और बड़ी सफलता भी एक दिन मिल ही जाएगी।

सफलता के मायने

बैंक बैलेंस और बड़ा-सा बंगला सफल होने की निशानी नहीं है बल्कि जिस प्रोफैशन में आप आई हैं, उसमें धीरे-धीरे बढ़ते हुए नाम कमा लेना ही सफलता के मायने हैं, क्योंकि इसने आपकी पर्सनैलिटी और आपके नाम को एक पहचान दी है। किसी भी करियर में सफल होने के लिए आप उससे जुड़ी नई जानकारियां हासिल करती रहें और यदि किसी कारणवश आप अपने प्रोफैशन से जुड़ी उच्च शिक्षा नहीं प्राप्त कर पाईं तो अब एक बार फिर से उसके लिए प्रयास करें, ताकि आपकी उन्नति के रास्ते बन सकें। दुनिया में महान व्यक्ति वही माना जाता है जो विषम परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को बेहतर बना सकता है। अपनी सोच को पॉजीटिव बनाएं।

महके गुणों की खुशबू

यदि नकारात्मक टिप्पणी करने वाले लोग हैं, तो ऐसे लोग भी हैं जो आपकी खामियों के साथ खूबियों की भी तारीफ करना जानते हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती करें जो जीवन के प्रति पॉजीटिव अप्रोच रखते हों, क्योंकि उनका साथ आपको भी आशावादी बनाएगा।

सहेज लें मीठे पल

कभी किसी की कोई बात आपके मन को छू जाए, कोई प्रशंसा के मधुर बोल बोल जाए, कभी बड़ों का सहज ही आशीर्वाद मिल जाए या कोई उम्मीद से परे थैंक यू बोल जाए तो इन्हें डायरी में नोट कर लें। अपनी उपलब्धियां, यादें, रिश्तों की महक, जीवन के सुख-दुख और पैरेंट्स की डांट और प्रशंसा सब लिखें। जब जीवन में निराशा या कोई असफलता परेशान करे तो उसे पढ़ लें आपके होंठों पर मुस्कान ही नहीं आएगी, बल्कि कुछ कर दिखाने की प्रेरणा भी मिलेगी।

विंटर में खाएं रोस्टेड आलू

सामग्री - छोटे आलू - 250 ग्राम उबले हुए, तेल - 2 टेबल-स्पून, तंदूरी मसाला - 1-1 टी-स्पून, चाट मसाला और लाल मिर्च पाऊडर, आधे नींबू का रस, स्वादानुसार नमक, गार्निशिंग के लिए हरा धनिया और प्याज के रिंग्स

विधि - तंदूरी मसाला, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर, तेल, नींबू का रस, काली मिर्च पाऊडर और नमक को मिला कर इसमें आलू को 4-6 घंटे के लिए मेरिनेट करें, फिर चिकनाई लगी सींक पर लगाकर ग्रिल कर लें। हरा धनिया व प्याज के रिंग्स से गार्निशिंग करके गर्म-गर्म सर्व करें।

बच्चों को सिखाएं इज्जत करना

बच्चे अपने से बड़ों की बातों का बहुत जल्दी अनुकरण करते हैं। अगर आप झूठ बोलेंगे, घर में अपने से बड़ों का आदर नहीं करेंगे या लड़ाई-झगड़ा करते हुए अपशब्दों का प्रयोग करेंगे तो आपको ऐसा करते देख आपका बच्चा भी वही सीखने लगेगा। उदाहरणत- यदि आप अपने पेरैंट्स से ठीक व्यवहार नहीं करते तो कल आपका बच्चा भी आपके साथ वही सब कुछ करेगा। कुछ माता-पिता की यह भी आदत होती है कि वे तकरीबन हर छोटी से छोटी बात में भी अपने बच्चे का नुक्स निकालते रहते हैं, उन्हें रोकते-टोकते रहते हैं जो गलत है।

अगर आप सच में अपने बच्चों से इज्जत चाहते हैं तो उनकी सोच, भावनाओं, उनकी बातों और इच्छाओं का ख्याल रखना जरूरी है ताकि वे भी आपको समझ सकें। अक्सर ऐसा होता है कि पेरैंट्स अपने बच्चों की परीक्षा या किसी कॉम्पीटीशन के रिजल्ट को लेकर काफी उत्सुक होते हैं। जब वही परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं आता तो वे उन्हें बुरा-भला सुनाने लगते हैं। उनकी दूसरे बच्चों से तुलना भी शुरू कर देते हैं कि फलां का बेटा फर्स्ट आया है, हमने तुम्हें किस चीज की कमी रखी थी जो तुम कोई डिवीजन नहीं ला पाए।

आप बच्चों को डांटने की बजाय उनमें एक नया जोश जगाएं कि कोई बात नहीं, अगली परीक्षा में तुम जरूर अव्वल आओगे। इस प्यार भरे प्रोत्साहन से बच्चे पर जादू-सा असर होता है। अत- बच्चों में आपसी तुलना करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों में अच्छे संस्कारों का प्रसार करें क्योंकि संस्कार ही हमारी परम्पराओं को अभिव्यक्त करते हैं। चाहे कोई भी धर्म हो, सब में अपने से बड़ों का आदर और छोटों को प्यार की सीख दी जाती है।

उनमें कटुता और हिंसा जैसे विचार न पनपने दें। प्राय- जब बच्चे के करियर की बात आती है तो पेरैंट्स उसे अपनी पसंद का विषय चुनने की स्वतंत्रता अवश्य दें परन्तु उसका साथ देते हुए उस विषय से संबंधित वर्तमान-भविष्य की जानकारी भी उपलब्ध कराएं। उसे बताएं जो करियर उसने चुना है उसमें भविष्य की क्या संभावनाएं हैं। हर मां-बाप यही सोचते हैं कि पढ़ना बहुत जरूरी है चाहे उनके बच्चे की रुचि डांस या कला में हो।

अक्सर ऐसा सुनने को मिलता है कि जब देखो डांस करते रहते हो या ड्राइंग करते रहते हो, पढ़ाई कब करोगे? इससे अशांत होकर बच्चे किसी तरफ भी अपना मन नहीं लगा पाते और पेरैंट्स के प्रति वितृष्णा से भर जाते हैं। अत- उनकी रुचियों को जागृत करें व उस क्षेत्र में उन्हें आगे बढने के लिए पूरा सहयोग दें जिसमें उनकी रुचि हो। कुछ पेरैंट्स की यह आदत होती है कि बच्चों को हमेशा डांटते-फटकारते रहते हैं और उनके कामों में नुक्स भी निकालते रहते हैं। इससे बच्चे चिड़चिड़े हो जाते हैं और हमेशा कटे-कटे से रहते हैं।

ऐसे में उनकी अच्छाइयों को आगे लाते हुए प्रोत्साहित करें। बच्चों को जब भी डांटें, उसकी कोई ठोस वजह जरूर हो ताकि बच्चा भी समझ जाए कि वाकई उसकी गलती पर उसे डांट पड़ी है। सबसे गंभीर समस्या जो अक्सर परिवारों में देखने को मिलती है वह है बच्चों के माता-पिता घर में अपने बुजुर्गों का आदर और सेवा नहीं करते व उनके बारे में अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। कई तो अपने बूढ़े मां-बाप को वृद्धाश्रम तक का रास्ता भी दिखा देते हैं।

जब बच्चे अपने घर में यह सब होता देखते हैं तो उनके कोमल मन पर इन बातों का बुरा प्रभाव पड़ता है। अपने माता-पिता की देखा-देखी में वे भी तमीज का दायरा तोडने लगते हैं। बात-बात पर ऊंचा बोलना, हरेक के आगे जवाब देना, मुंहफट और उग्र व्यवहार उनके व्यक्तित्व पर बिगड़ैल बच्चे का ठप्पा लगा देता है। ऐसे में पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने बुजुर्गों के प्रति उदार रवैया अपनाएं और उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें। अगर पेरैंट्स उपरोक्त बातों पर काबू पा लें और बच्चों के लालन-पालन में धैर्य और शांति रखेंगे तो हर काम सकारात्मक रूप से अच्छा होगा। बच्चों पर आपकी इन अच्छाइयों का प्रभाव यह होगा कि वे समझदार तो बनेंगे ही साथ में माता-पिता के रूप में आपको सम्मान पूरा देंगे।

इस साल कड़ाके की ठंड पड़ने के नहीं हैं आसार, कम चलेगी शीतलहर

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि इस साल कड़ाके की ठंड कम पड़ेगी जबकि शीतलहर चलने के भी आसार नहीं हैं। देश भर में इस बार सर्दियों के गर्म रहने की भविष्यवाणी करते हुए आईएमडी ने कहा है कि न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। यह भारत सहित दुनिया भर में पिछले महीने अनुभव की गई गर्मी के मुताबिक है, जो 1901 के बाद से तीसरा सबसे गर्म नवंबर रहा। भारत में 1901 के बाद से इस साल फरवरी, अगस्त और नवंबर सबसे गर्म महीने रहे। इसके साथ 2023 धरती पर अब तक का सबसे गर्म साल बनने की राह पर है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि 'अल नीनो जैसी बड़े पैमाने की विशेषताओं, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में विकसित होने वाले आगामी चक्रवात जैसे क्षेत्रीय कारकों के अलावा देश में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान होने की संभावना है, जिससे यह गर्म सर्दियों का मौसम बन जाएगा। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि कमजोर और धीमी शीत लहरें दिसंबर से फरवरी के समय को और गर्म बनाए रख सकती हैं। मौजूदा वक्त में अल नीनो की स्थिति, भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर दर्ज किए गए सामान्य समुद्री सतह के तापमान से अधिक गर्म है और अपने चरम पर पहुंच रही है। जबकि गर्म सर्दी में योगदान देने वाले दूसरे कारणों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादल छाए रहना भी शामिल है, जिससे न्यूनतम तापमान बढ़ सकता है। आईएमडी के प्रमुख ने कहा कि 'इसके अलावा जल्द ही विकसित होने वाले चक्रवात के कारण भी बादल छाएंगे और आने वाले दिनों में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तटीय भारत में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ऊपर रहेगा।

चीन में नई बीमारी ने पैर पसारे, बच्चों की बीमारी से दुनिया भर में टेंशन

नई दिल्ली। चीन में इन दिनों एक नई बीमारी पैर पसार रही है। बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हो रहे हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण से हुई है। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। लेकिन बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए हैं, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह सख्त लॉकडाउन का हटना बताया जाता है। हालांकि अब वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है, इसलिए चिंता की बात है।

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण चेन्नई में मची तबाही, दीवार गिरने से दो मजदूरों की मौत

चेन्नई। जैसे ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान मिचौंग में बदल गया और चेन्नई में भारी बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 5 दिसंबर को चक्रवात मिचौंग के तट से टकराने के साथ 80-90 किमी प्रति घंटे की गति से 100 किमी प्रति घंटे तक तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कनाथूर में एक नवनिर्मित दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हुई और एक व्यक्ति घायल हो गया। मरने वाले लोग झारखंड के रहने वाले थे। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि शहर और इसके पड़ोसी जिलों में अगले 24 घंटों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। भारी बारिश और तेज हवा के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है। कई उड़ानें रद्द कर दी गई और कुछ अन्य का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमों को शहर में तैनात किया गया था। एनडीआरएफ की टीमों ने गंभीर जलजमाव के कारण फंसे पीरकनकरनई और पेरुंगलाथुर के पास तांबरम इलाके से लगभग 15 लोगों को बचाया। खतरे के स्तर से ऊपर बह रहे पानी को देखते हुए सुरक्षा कारणों से बेसिन ब्रिज और व्यासरपाडी के बीच पुल नंबर 14 को निलंबित कर दिया गया है। चेन्नई से शुरू हो रही मैसूरु शताब्दी एक्सप्रेस, कोयंबटूर कोवई एक्सप्रेस, कोयंबटूर शताब्दी एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु एसी डबल डेकर एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलुरु वृंदावन एक्सप्रेस, तिरुपति सप्तगिरि एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया। इस बीच, जलभराव के कारण 14 सबवे बंद कर दिए गए। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई जबकि कई निचले इलाकों में पानी भर गया। पड़ोसी जिलों कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में भी भारी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त, दक्षिण रेलवे ने भारी बारिश और जलभराव के कारण सोमवार सुबह 8 बजे तक सभी चेन्नई उपनगरीय खंडों में उपनगरीय ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। दक्षिण रेलवे के मुताबिक, इन खंडों में केवल विशेष यात्री ट्रेनें ही संचालित की जाएंगी।

संजय सिंह को नहीं मिली राहत, 11 दिसंबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (4 दिसंबर) को एक्साइज पॉलिसी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज्यसभा सांसद और 'आप' नेता संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 11 दिसंबर तक बढ़ा दी। सिंह को उनकी पिछली न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद आज अदालत में पेश किया गया था। आपको बता दें कि ईडी ने 4 अक्टूबर को संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इससे पहले कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को संजय सिंह द्वारा दाखिल जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। इससे पहले दो दिसंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने संजय सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत एक अदालत में आरोपपत्र दायर किया। यह इस मामले में पूरक आरोप पत्र है क्योंकि एजेंसी पहले ऐसी लगभग पांच अभियोजन शिकायतें दायर कर चुकी है। धनशोधन रोधी एजेंसी ने आरोप लगाया था कि आरोपी कारोबारी दिनेश अरोड़ा ने राज्यसभा सदस्य के आवास पर दो किस्तों में दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। सिंह ने इस दावे का खंडन किया है। ईडी ने 2021-22 दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में 'आप' सांसद को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद वह दूसरे बड़े नेता हैं। दिल्ली पर शासन करने वाली 'आप' ने गिरफ्तारियों और मामले को 卐राजनीतिक षड्यंत्र卐 करार दिया है। ईडी के अनुसार, जांच में पता चला है कि अरोड़ा ने सिंह के घर पर दो मौकों पर दो करोड़ रुपये नकद पहुंचाए थे। अगस्त 2021 से अप्रैल 2022 के बीच यह नकदी पहुंचाई गई।

मांझी ने कांग्रेस की हार के लिए नीतीश को ठहराया जिम्मेदार

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक जीतनराम मांझी ने कांग्रेस की हार के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नवगठित विपक्षी गठबंधन इंडिया का एक बड़ा चेहरा हैं और वह वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद के संभावित उम्मीदवार भी हैं। हम नेता मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार विधानसभा में उनका अपमान किया था और प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण में अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा ?कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान अपनी सभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा दलितों और महिलाओं के अपमान का मुद्दा उठाया था, जिसकी कांग्रेस को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार को पिछड़ों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण आरक्षण सीमा को बढ़ाकर पिछड़ों-वंचितों को बेवकूफ बनाया है। मांझी ने कहा कि वंचितों के लिए आरक्षण का मौजूदा फार्मूला ठीक से लागू ही नहीं हो पा रहा है लेकिन नीतीश कुमार ने उनके लिए नया फार्मूला लागू कर दिया है।

विदेशी मीडिया में भी छाए मोदी, भाजपा की बंपर जीत के हुए चर्चे

-3 राज्यों में बिना सीएम चेहरे के लड़ा चुनाव, नेहरू के वंशज राहुल को दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन राज्यों में मोदी का जादू जमकर बोला है, वहीं विदेशी मीडिया में भी मोदी की जमकर तारीफ हो रही है। इससे नेहरू के वंशज राहुल को बड़ा झटका लगा है। मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा ने धमाकेदार जीत दर्ज की है। इधर कांग्रेस को तेलंगाना में सफलता मिली है। तीनों राज्यों में मुख्य रूप से पीएम नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ी भाजपा की जीत के चर्चे विदेशी मीडिया में खूब हुए हैं। कुछ मीडिया संस्थान इसे 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा की मजबूत स्थिति बता रहे हैं वहीं, कुछ ने इसे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लिए झटका बताया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों में जीत के जरिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पहले अपना प्रभाव बढ़ा लिया है। ये नतीजे मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की बिगड़ती स्थिति के बीच एक ओर झटका थे। राजनीतिक जानकार आरती जेरथ के हवाले से एनवाईटी ने बताया है कि ये नतीजे 2024 में भाजपा के लिए बड़े फायदेमंद साबित होंगे।

न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की रिपोर्ट में अयोध्या के राम मंदिर उद्घाटन का भी जिक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी में अयोध्या में बड़े मंदिर उद्घाटन के जरिए मोदी के पास पहले ही बड़ा समर्थन जुटाने का एक प्लान है। इसी तरह ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में ग्लोबल डेटा टीएस लोमबार्ड की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट शुमिता देवेश्वर के हवाले से लिखा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी असाधारण रूप से लोकप्रिय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के नतीजे दिखाते हैं कि देश का मूड उन्हें लगातार तीसरे कार्यकाल में लाने में है। भाजपा का कमजोर प्रदर्शन विपक्ष को कुछ रफ्तार दिलाने में मदद करता, लेकिन नतीजे संकेत दे रहे हैं कि मोदी का सत्ता में आना तय है।

एक अन्य अखबार रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, मोदी एक दशक बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं और सर्वे संकेत दे रहे हैं कि वह अगले साल फिर जीत सकते हैं। खास बात है कि रिपोर्ट में विपक्षी गठबंधन में हुई आंतरिक कलह का भी जिक्र किया गया है। वहीं एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, तीन राज्यों में जीत ने भाजपा और लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पहले ही लोकप्रिय बने हुए मोदी को रफ्तार दे दी है। रिपोर्ट में कहा गया कि कांग्रेस के सीधे मोदी पर व्यक्तिगत और आक्रामक प्रचार की अगुवाई कर रहे नेहरू-गांधी के वंशज राहुल गांधी के लिए ये नतीजे झटके के तौर पर देखे जा रहे हैं। नतीजों की बात करें तो 90 सीटों वाले छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 54 सीटें अपने नाम की। यहां कांग्रेस 35 पर समिट गई। राजस्थान में 199 में भाजपा 115 सीटें अपने नाम करने में सफल रही। जबकि, कांग्रेस की झोली में सिर्फ 69 सीटें ही आईं।

4 राज्यों के नतीजों पर चिंतन करने मायावती ने बुलाई बैठक

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्यों के नतीजों को देखते हुए चिंतन बैठक बुलाई है। हालांकि बसपा का कहना है कि इन चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम लोगों के गले से नीचे नहीं उतर रहे हैं, ऐसे रहस्यात्मक मामले पर गंभीर चिंतन और उसके समाधान की जरूरत है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर डाले गए सिलसिलेवार संदेशों में विस्तार से अपनी बात कही और चुनाव परिणाम के संदर्भ में जमीनी रिपोर्ट लेकर आगामी लोकसभा चुनाव की नए सिरे से तैयारी के लिए आगामी 10 दिसंबर को लखनऊ में पार्टी की अखिल भारतीय बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि देश के 4 राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से लोगों का अचंभित और चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है। बसपा अध्यक्ष ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि पूरे चुनाव के दौरान माहौल एकदम अलग, कांटे के संघर्ष वाला और दिलचस्प था मगर चुनाव परिणाम उससे बिल्कुल अलग होकर पूरी तरह से एकतरफा हो जाना, यह ऐसा रहस्यात्मक मामला है जिस पर गंभीर चिंतन व उसका समाधान जरूरी है। लोगों की नब्ज पहचानने में भयंकर भूल-चूक चुनावी चर्चा का नया विषय है। मायावती ने अगले पोस्ट में कहा ?कि बसपा के सभी लोगों ने पूरे तन मन धन व दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ा। उन्हें ऐसे अजूबे परिणाम से निराश कतई नहीं होना है बल्कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के जीवन संघर्षों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना है। दरअसल बसपा ने मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना मेंउम्मीदवार खड़े किए थे लेकिन राजस्थान दो सीट के अलावा किसी राज्य में उसका खाता नहीं खुला।

अवैध विदेशी फंडिंग देश को पहुँचा रही नुकसान, देश में यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड लाने की माँग

-मामले की सुनवाई 9 अप्रैल को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में समान बैंकिंग संहिता की मांग को लेकर वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय की याचिका पर आज न्यायालय में सुनवाई हुई। हम आपको बता दें कि इस याचिका में अश्विनी उपाध्याय ने कहा है कि विदेशी कोष के स्थानांतरण के लेकर प्रणाली में कुछ खामियां हैं जिनका फायदा अलगाववादी, नक्सली, माओवादी और आतंकवादी उठाते हैं। उनका कहना है कि समान बैंकिंग संहिता देश के लिए जरूरी है। हम आपको बता दें कि इस मामले की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी। उपाध्याय ने केंद्र सरकार से निवेदन किया है कि उससे पहले वह यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड लायें क्योंकि विदेशी बैंक एनईएफटी-आरटीजीएस के जरिए विदेशी लेनदेन कर रहे हैं इसलिए आरबीआई को अवैध विदेशी फंडिंग का पता ही नहीं चलता है।

हम आपको बता दें कि अपनी याचिका में उपाध्याय ने दलील दी है कि जब वीजा के लिए आव्रजन नियम समान हैं तो विदेशी मुद्रा लेन-देन के लिए विदेशी बैंक शाखाओं सहित भारतीय बैंकों में जमा विवरण एक ही प्रारूप में होना चाहिए चाहे वह चालू खाते में निर्यात भुगतान हो या बचत खाते में वेतन। अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि अवैध विदेशी मुद्रा लगभग 50 हजार करोड़ रुपए सालाना आती है। उन्होंने कहा कि जब अदालत ने हमसे इस मामले में तथ्य देने को कहा कि मीडिया में जो तथ्य सामने आये हैं वह तो हमने आपके समक्ष प्रस्तुत कर दिये हैं लेकिन ज्यादा तथ्य सरकार के पास मिलेंगे क्योंकि गृह मंत्रालय ने एक लाख एनजीओ का लाइसेंस रद्द किया जिसमें से अधिकांश फंडिंग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में रद्द किये गये थे। उन्होंने कहा कि हमने अदालत से कहा है कि इससे संबंधित आंकड़े गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग प्रस्तुत कर सकते हैं।

बुरी हार से इंडिया गठबंधन के नेतृत्व से पिछड़ती दिख रही कांग्रेस

-जेडीयू ने नीतिश कुमार को संयोजक बनने की पैरवी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की बुरी तरह हार मिली है। तीन राज्यों में हार के साथ ही इंडिया गठबंधन के नेतृत्व की जंग में भी कांग्रेस पिछड़ती दिख रही है। गठबंधन में सहयोगी बिहार की सत्ताधारी जदयू ने भी कांग्रेस पर सवाल उठा दिए।

जदयू के नेता और मंत्री विजय चौधरी ने नीतीश को गठबंधन का विश्वसनीय चेहरा बताया। उन्होंने कहा, नीतीश के प्रयास से ही इंडिया गठबंधन बना। तीन राज्यों में रिजल्ट का संदेश साफ है कि विपक्षी दलों को एकजुट होकर लड़ना होगा। कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों के साथ लचीला रवैया दिखाकर उदार बनना होगा। आपसी साझेदारी नहीं बनने का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस को हुआ। उन्होंने कहा, देश जानता है कि गठबंधन में कौन विश्वसनीय है?

इसके पहले जदयू के प्रदेश महासचिव निखिल मंडल ने ट्वीट कर कांग्रेस पर हमला किया था। मंडल ने ट्वीट कर लिखा, अब इंडिया गठबंधन को नीतीश कुमार के अनुसार चलना चाहिए। पिछले कुछ समय से कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव में व्यस्त रही, जिसकी वजह से इंडिया गठबंधन पर ध्यान नहीं दे पा रही थी और अब कांग्रेस चुनाव लड़ भी चुकी है और नतीजे भी सबके सामने हैं। मंडल ने कहा कि नीतीश इंडिया गठबंधन के सूत्रधार हैं और वही इस नैया को पार करा सकते हैं।

वहीं चार राज्यों में नतीजों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। इसके पहले भी खड़गे ने साफ किया था कि 5 राज्यों में चुनाव नतीजे आने के बाद विपक्षी गठबंधन की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें सीटों के बंटवारे से लेकर गठबंधन के संयोजक के नाम सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी।

इसरो चीफ ने किया खुलासा, गगनयान से 4 अंतरिक्ष यात्री स्पेस में जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन 'गगनयान' से चार यात्री अंतरिक्ष में जाएंगे। इसके लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से तैयार हैं और 2025 का इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि 'गगनयान' कार्यक्रम का लक्ष्य 2025 में तीन दिवसीय मिशन के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो इस मिशन को संभव बनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले मिशन के लिए हमने उनमें से चार को चुना है, और हमारा प्रयास है कि उन्हें 2025 तक अंतरिक्ष में भेज दिया जाए और फिर सुरक्षित वापस लाया जाए। उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर लाना इस मिशन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।' इसरो प्रमुख सोमनाथ ने पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय (पीडीईयू) के 11वें दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'इसे संभव बनाने के लिए आने वाले दिनों में बहुत सारी तकनीक विकसित करने की जरूरत है। इसरो में हम इसे साकार करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं'। पिछले कुछ वर्षों में इसके लिए कई तकनीकों को विकसित और सफल बनाया गया है। सोमनाथ ने कहा कि आने वाले दिनों में हम मानव रहित कई मिशन देखेंगे और फिर अंततः भारतीय को अंतरिक्ष में भेजेंगे। अंतरिक्ष यात्री पहले से ही तैयार हैं'। उन्होंने कहा कि इसरो एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने पर भी विचार कर रहा है, जो वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति तथा उद्योगों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के लिए जरूरी है।'चंद्रयान-3' के बारे में बात करते हुए सोमनाथ ने कहा कि भारत के पास अब इस श्रेणी की 'उच्च प्रौद्योगिकी' परियोजनाओं को पूरा करने का आत्मविश्वास है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग वाला पहला देश बन गए, और हम चंद्रमा पर उतरने वाला चौथा देश बन गए।

ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति जताई नाराजगी, कहा राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं कांग्रेसी

मुंबई (एजेंसी)। तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर उत्तर भारत के हिंदी भाषी क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है. इसके विपरीत, तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद से एक बार फिर यह साबित हो गया है कि दक्षिणी राज्य में बीजेपी का कोई प्रभाव नहीं है. इसके मद्देनजर जहां राजनीतिक विश्लेषक इन चार राज्यों के चुनाव नतीजों के आधार पर लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक समीकरण पेश कर रहे हैं, वहीं इस हार को लेकर ठाकरे गुट ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर निशाना साधा है. साथ ही इस बात की भी आलोचना की गई है कि कांग्रेस ने इस चुनाव में इंडिया अलायंस के सिद्धांत का पालन नहीं किया. पांच में से चार राज्यों के नतीजे घोषित हो चुके हैं और इनमें से तीन में बीजेपी ने कांग्रेस को हरा दिया है. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की ओर से जीत के समीकरण स्पष्ट होने के दावे किये जा रहे थे. हालांकि, वहां भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा. इसी के मद्देनजर ठाकरे गुट ने अपने सामना अख़बार के जरिए कांग्रेस पर निशाना साधा है.

कमलनाथ ने नहीं किया इंडिया अलायंस के नियमों का पालन

कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश में जीतने का सबसे अच्छा मौका था, लेकिन कमलनाथ, शिवराज सिंह चौहान के सामने टिक नहीं सके। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक टिकट वितरण की कमान कमलनाथ के हाथ में थी. उन्होंने इंडिया अलायंस के नियमों का पालन नहीं किया. कमलनाथ ने अखिलेश यादव से भी किनारा कर लिया परिणामस्वरूप समाजवादी पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार उतार दिया. सामना अख़बार में आगे लिखा है कि राज्यों में कांग्रेस के अलोकप्रिय नेता राहुल-प्रियंका गांधी की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं'।

ओवैसी की भाजपा शैली की राजनीति

'बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की। मोदी की इस सफलता और इस तरह के जश्न की शुरुआत बीजेपी ने की. तेलंगाना में मोदी सफल क्यों नहीं हुए? तेलंगाना में के.सी.चन्द्रशेखर राव को कांग्रेस ने हराया. तेलंगाना में बीजेपी दस सीटों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाई. मुख्यतः तेलंगाना में भी ओवेसी की एमआईएम की भाजपा शैली की राजनीति काम नहीं आई। तेलंगाना में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला।

हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए

'बीजेपी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे बड़े राज्यों पर कब्ज़ा कर लिया। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स का टीमवर्क काम आया और बीजेपी जीत गई. अगर कांग्रेस पार्टी ने इंडिया अलायंस के तौर पर टीम वर्क किया होता तो प्रदर्शन शानदार होता, लेकिन गलतियां हुई हैं. हमें इससे सबक लेकर 2024 की तैयारी में जुट जाना चाहिए. मध्य प्रदेश, राजस्थान का चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने केंद्र के मंत्रियों को चुनाव में उतारा, लेकिन कांग्रेस ने राज्य में इंडिया अलायंस के अपने सहयोगियों को साथ में नहीं लिया, इस बात को लेकर भी ठाकरे गुट ने कांग्रेस के प्रति नाराजगी जताई है.

I.N.D.I.A गठबंधन को बड़ा झटका देने जा रही ममता बनर्जी ! 6 दिसंबर की बैठक से बना सकती हैं दूरी

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए चुनावी राज्यों के नतीजों के बाद मुश्किले शुरू हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि 6 दिसंबर की बैठक में तृणमूल कांग्रेस की भागीदारी अनिश्चित है। एक सूत्र ने बताया कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के बैठक में शामिल न होने की संभावना है, क्योंकि उनका उत्तर बंगाल में एक कार्यक्रम निर्धारित है। कांग्रेस ने 6 दिसंबर को नई दिल्ली में अगली भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) भागीदारों की बैठक बुलाई है। यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई जब रविवार को भाजपा ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सरकार बनाने जारी है। कांग्रेस को तेलंगाना में जीत तो मिली पर उसके हाथों से छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे बड़े राज्य निकल गए। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने आज कहा कि कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सीट-बंटवारे की व्यवस्था की कमी के कारण तीन राज्यों में प्रमुख विधानसभा चुनाव हार गई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह 卐कांग्रेस की हार है, लोगों की नहीं卐। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना जीत लिया है। वे मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान जीत चुके होते। कुछ वोट इंडिया की पार्टियों ने काटे। यह सच है। हमने सीट-बंटवारे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। वोटों के बंटवारे के कारण वे हार गये। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने सोमवार को कहा कि उसकी सहयोगी कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में ''इंडिया'' गठबंधन के साझेदारों के साथ कोई तालमेल नहीं कर अकेले चुनाव लड़कर गलती की। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने भी इन राज्यों में कांग्रेस की हार के लिए भाजपा की ''सांप्रदायिक उन्माद'' की कथित राजनीति का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफलता को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि आपका राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन है, लेकिन आप राज्यों में अलग-अलग चुनाव लड़ना चाहते हैं।''

देश की आधी आबादी पर राज कर रहा भगवा दल, कांग्रेस की हिस्सेदारी सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव परिणाम 2023 घोषित हुए, और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) न सिर्फ दो नए राज्यों में सरकार बनाने का अधिकार पा गई, बल्कि अब देश की 41 प्रतिशत से अधिक आबादी पर खुद अपने बूते राज करने जा रही है। इतना ही नहीं गठबंधन सहयोगियों के लिहाज से शासन चलाने का पहलू देखने पर भाजपा का शासन अब देश की आधी से ज्यादा आबादी पर हो गया है। इसके विपरीत, कांग्रेस का शासन खुद के बूते देश की सिर्फ 8.51 प्रतिशत जनसंख्या पर रह गया है, हालांकि गठबंधन सहयोगियों के बूते कांग्रेस अब भी 19.84 प्रतिशत हिन्दुस्तानियों पर राज कर रही है।

अगर हम पहले यह देखने कि बीजेपी का राज देश की आधी से ज्यादा आबादी पर कैसे है, तब सबसे पहले देखते हैं कि वह अपने बूते कहां-कहां शासन कर रही है। वर्तमान में देश के 12 राज्यों में बीजेपी की अपनी सरकार होगी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, त्रिपुरा, मणिपुर, गोवा और अरुणाचल प्रदेश हैं। अगर 2011 की जनगणना के लिहाज से देखने पर उत्तर प्रदेश में उस वक्त हिन्दुस्तान की 16.51 प्रतिशत आबादी बसती थी, तब आज भी देश की बढ़ी हुई आबादी का इतना ही प्रतिशत उत्तर प्रदेश में बसता होगा।

इस लिहाज से यूपी में देश की 16.51 प्रतिशत, एमपी में छह प्रतिशत, राजस्थान में 5.66 प्रतिशत, गुजरात में 4.99 प्रतिशत, असम में 2.58 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 2.11 प्रतिशत, हरियाणा में 2.09 प्रतिशत, उत्तराखंड में 0.83 प्रतिशत, त्रिपुरा में 0.3 प्रतिशत, मणिपुर में 0.21 प्रतिशत, गोवा में 0.12 प्रतिशत तथा अरुणाचल प्रदेश में 0.11 प्रतिशत रहती है, और इस तरह बीजेपी देश की कुल 41.51 प्रतिशत आबादी पर अपने खुद के बूते शासन कर रही है। इन 12 राज्यों के अलावा, भाजपा महाराष्ट्र (9.28 प्रतिशत), मेघालय (0.25 प्रतिशत), नागालैण्ड (0.16 प्रतिशत) तथा सिक्किम (0.05 प्रतिशत) में रहने वाली कुल 9.74 प्रतिशत आबादी पर गठबंधन के द्वारा भी राज कर रही है, इस हिसाब से बीजेपी का राज कुल मिलाकर देश की आधी से ज्यादा यानी 51.25 प्रतिशत आबादी पर हो गया है।

बच्चों में फैल रही नई बीमारी से चीन सहित दुनिया भर में बढ़ी मुश्किलें

बीजिंग । चीन के ज्यादातर बच्चों में फैल रही रहस्यमयी बीमारी ने एक बार फिर से पूरी दुनिया में मुश्किलें बढ़ा दी है। चीन में इस बीमारी से बच्चे सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। यह बीमारी निमोनिया जैसी है, इससे पीड़ित बच्चों को सांस लेने में दिक्कत आ रही है। कहा जा रहा है कि इस बीमारी से पीड़ित लगभग सात हजार लोग प्रतिदिन अस्पताल आ रहे हैं। हालांकि चीन का कहना है कि इससे डरने की जरूरत नहीं है। चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश में सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि फ्लू और अन्य ज्ञात रोगाणुओं के कारण हुई है, न कि किसी नए वायरस के कारण। चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का ध्यान आकर्षित किया है। चीन में किसी बीमारी के मामले बढ़ना दुनिया को डराने वाला है। क्योंकि 2019 में कोविड-19 भी यहीं से शुरू हुआ था और पूरी दुनिया में फैल गया था। बाद में कोविड-19 ने महामारी का रूप ले लिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के एक प्रवक्ता ने कहा कि श्वसन संबंधी संक्रमण के हालिया मामले इन्फ्लूएंजा वायरस, राइनोवायरस, रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस या आरएसवी, एडेनोवायरस के साथ-साथ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जैसे सामान्य जीवाणुओं के कारण हुए हैं, जो श्वसन पथ के संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बीमारी के फैलने की सबसे बड़ी वजह में लगा सख्त लॉकडाउन का हटना है। तब से यह वहां पहली सर्दी है। जहां तक हम बच्चों में संक्रमण के बारे में जानते हैं, 5 वर्ष से कम उम्र के प्रत्येक बच्चे को साल में 3-8 बार वायरल संक्रमण होता है और प्रत्येक संक्रमण के साथ वह इसके प्रति प्रतिरक्षित हो जाता है।

अमरीकी युद्धपोत सहित वाणिज्यिक जहाजों पर हमले

न्यूयार्क। लाल सागर स्थित अमरीकी युद्धपोत और कई वाणिज्यिक जहाजों पर हूती विद्रोहियों ने रविवार को हमले किये। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि हमला यमन के साना में सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ और पांच घंटे तक चला। अमरीकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमले का दावा किया, जिन्हें उसने इजराइल से संबंधित बताया। हालांकि, विद्रोहियों ने अमेरिकी नौसेना के जहाज को निशाना बनाने की बात स्वीकार नहीं की। यह हमला, पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े समुद्री हमलों की श्रृंखला में बड़ी वृद्धि होने को दर्शाता है। पेंटागन ने कहा, ''हम यूएसएस कार्नी और लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की खबर से अवगत हैं और जैसे ही विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी, हम प्रदान करेंगे।'' इससे पहले, ब्रिटिश सेना ने लाल सागर में एक संदिग्ध ड्रोन हमला और विस्फोट होने की जानकारी दी थी। इस हमले को इजराइल-हमास युद्ध से जुड़े क्षेत्र पश्चिम एशिया में समुद्री हमलों की बढ़ती घटनाओं के रूप में देखा जा रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में जहाजों पर हमले किये जा रहे हैं। विद्रोही इजराइल को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल भी दाग रहे हैं।

एक माह के दौरान पाकिस्तान में 34 प्रतिशत बढ़े आतंकवादी हमले

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में एक माह में ही आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह आंकड़े केवल नवंबर महीने के हैं। जानकारी के अनुसार इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए। एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। मीडिया ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फिलक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे। थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए। अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। आंकड़ों पर ध्यान दें तो 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जबकि जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और कुल 1,241 लोग घायल हुए। पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई जबकि 81 लोग घायल हुए। बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई। इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे।

गाजा में मरने वाले फिलीस्तीनियों की संख्या बढ़कर 15,523 तक पहुंची

गाजा । हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 7 अक्टूबर से गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 15,523 तक पहुंच गई है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-किदरा ने हाल ही में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के पतन के बीच फिलिस्तीनी एन्क्लेव में घायलों की संख्या 41 हजार से अधिक हो गई है। अल-किद्रा ने कहा कि सैकड़ों घायलों का इलाज बेहद सीमित चिकित्सा संसाधनों के साथ जमीन पर किया जा रहा है, क्योंकि उत्तरी गाजा के अस्पताल आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल करने में असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी के सभी अस्पताल अपनी क्षमता से अधिक भरे हुए हैं और गंभीर मामलों को संभालने के लिए आवश्यक सर्जिकल संसाधनों की कमी है। अल-क्द्रिा ने घायलों को विदेश में उपचार कराने की अनुमति देने की धीमी व्यवस्था की आलोचना करते हुए कहा कि इज़राइल और हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से केवल 403 लोगों को गाजा पट्टी छोड़ने की अनुमति दी गई है। उन्होंने चिकित्सा आपूर्ति, दवाओं और ईंधन के प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित मानवीय गलियारों की मांग दोहराई और घायलों व रोगियों को इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति देने के प्रयासों का आह्वान किया।

चर्बी से बने ईंधन का कमाल, विमान ने हजारों किमी का तय किया सफर

लंदन । वैज्ञानिकों ने ईंधन का विकल्प ढूंढने में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने फैट यानी चर्बी से खास तरह का ईंधन बनाया जिससे विमान को हजारों किलोमीटिर उड़ाया है। इससे वैज्ञानिकों को काफी राहत दिखाई दे रही है। बता दें कि चर्बी से बने ईंधन में कार्बन का उत्सर्जन करीब 70 फीसदी तक कम होता है। इतना ही नहीं इस ईंधन से जरिए इन वैज्ञानिकों ने विमान उड़ाने में भी सफलता हासिल कर ली है। दरअसल जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक जीवाश्म ईंजन यानी पेट्रोल-डीजल का विकल्प खोजने में जुटे हुए हैं। इस दिशा में काफी प्रगति भी हुई है। भविष्य में हाईड्रोजन को इसका एक अच्छा विकल्प भी माना जा रहा है। जबकि पूरी तरह से उच्च-वसा एवं कम उत्सर्जन वाले ईंधन से संचालित पहले वाणिज्यिक विमान ने मंगलवार को लंदन से न्यूयार्क की उड़ान भरी। इस दौरान इसने अटलांटिक महासागर को पार किया। इसे 'जेट जीरो' की संज्ञा दी जा रही है। विमानन कंपनी 'वर्जिन अटलांटिक' के बोइंग-787 विमान को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किए बिना संचालित किया गया। उड़ान के लिए इस्तेमाल विमानन ईंधन अपशिष्ट वसा से बना था। इस मामले में वर्जिन के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन का कहना है कि जब तक आप कुछ खास नहीं करते, दुनिया हमेशा यह मान कर चलती है कि ऐसा कुछ किया ही नहीं जा सकता। दरअसल ब्रैनसन खुद कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और पत्रकारों सहित अन्य लोगों के साथ विमान में सवार थे। ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने उड़ान की योजना बनाने और संचालित करने के लिए 10 लाख पाउंड (12.7 लाख अमेरिकी डॉलर) यानी 1 अरब रुपये से अधिक दिए हैं। विभाग ने हवाई यात्रा को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने के लिए परीक्षण को 'जेट शून्य की दिशा में एक बड़ा कदम' करार दिया। हालांकि व्यापक रूप से इस तरह के ईंधन उत्पादन में अब भी कई बाधाएं हैं।

दुबई में सीओपी 28 विश्व जलवायु शिखर सम्मेलन में जीवाश्म ईंधन को समाप्त करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के सदस्य तख्तियां लिए हुए।

जीका वायरस से निपटने निडिल फ्री वैक्सीन एचडी-मेप बनकर तैयार

वाशिंगटन । जीका वायरस से पिटने के लिए अब निडिल फ्री वैक्सीन एचडी मेप बनकर तैयार हो गई है। भारत समेत दुनिया के तमाम देशों के लिए अब 'जीका वायरस' से एक पैच छुटकारा दिलाएगा। मिली जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की दो यूनिवर्सिटी जीका वायरस से बचाव के लिए 'निडिल फ्री वैक्सीन पैच' विकसित कर रही हैं। यह लगाने में बहुत आसान होगी। क्वींसलैंड और एडिलेड के ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने उच्च-घनत्व माइक्रोएरे पैच (एचडी-एमएपी) का उपयोग कर वैक्सीन का प्रोटोटाइप विकसित किया है। गौरतलब है कि एचडी-एमएपी हजारों छोटे सूक्ष्म प्रक्षेपणों के साथ त्वचा की सतह के नीचे प्रतिरक्षा कोशिकाओं तक वैक्सीन पहुंचाता है। एडिलेड विवि में एसोसिएट प्रोफेसर ब्रांका ग्रुबोर बाउक ने कहा कि यह पैच अद्वितीय है क्योंकि यह वायरस के बाहर के बजाय अंदर एक प्रोटीन को लक्षित करता है। यह टीका लगाने वाले लोगों में डेंगू बुखार के लक्षणों को नहीं बढ़ाएगा। एक शोधकर्ता डॉ. दनुष्का विजेसुंदरा ने कहा कि हम एचडी-एमएपी पैच के साथ जीका वायरस से लड़ने के तरीके को बदल सकते हैं। यह एक प्रभावी, दर्द रहित, लगाने में आसान और स्टोर करने में आसान टीकाकरण विधि है। विजेसुंदरा ने कहा कि मॉलिक्यूलर थेरेपी न्यूक्लिक एसिड जर्नल में प्रकाशित प्री-क्लिनिकल परीक्षण में वैक्सीन ने जीवित जीका वायरस के खिलाफ तेजी से सुरक्षा प्रदान की। एनएस 1 नामक एक विशिष्ट प्रोटीन को लक्षित किया, जो वायरस के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं ने कहा कि वैक्सीन पैच ने टी-सेल प्रतिक्रियाएं भी उत्पन्न कीं जो सुई या सिरिंज वैक्सीन डिलीवरी की तुलना में लगभग 270 प्रतिशत अधिक थीं। वहीं क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ केमिस्ट्री एंड मॉलिक्यूलर बायोसाइंसेज के डॉ. डेविड मुलर ने कहा कि माइक्रोएरे पैच और वैक्सीन में जीका वायरस से बचाने की क्षमता से परे लाभ हो सकते हैं। क्योंकि जिस प्रोटीन को हम लक्षित कर रहे हैं वह फ्लेविवायरस नामक वायरस परिवार में प्रतिकृति बनाने में एक केंद्रीय भूमिका निभाता है, इसलिए डेंगू या जापानी एन्सेफलाइटिस जैसे अन्य फ्लेविवायरस को लक्षित करने के लिए हमारे दृष्टिकोण को लागू करने की क्षमता है।

खालिस्तान के मामले में बेवफा है अमेरिका, आतंकवाद पर करता है हिपोक्रेसी !

- 'मेरा आतंकवादी अच्छा है और तुम्हारा बुरा है' दृष्टिकोण बंद करना चाहिए : स-द्बद्गद्धद्रद्बड्ड ऋद्धद्यड्डह्लद्धश्च

वाशिंगटन (एजेंसी)। यह माना गया है कि अपने भू-राजनीतिक उद्देश्यों के लिए प्रमुख शक्तियों ने हमेशा चरमपंथियों, आतंकवादियों और अलगाववादियों को अपने हितों की पूर्ति के लिए अपने हथियार के रूप में रखा है। शासन परिवर्तन का एजेंडा पश्चिमी शक्तियों का पसंदीदा शगल रहा है। ऐसे उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए स्लीपर सेल भी एक प्रमुख संपत्ति है जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर सक्रिय किया जाता है। पश्चिमी देश इस विचारधारा का समर्थन करना जारी रखते हैं कि 'मेरा आतंकवादी अच्छा है और तुम्हारा बुरा है।'

अमेरिका भारत का वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदार है और उसकी नजर भारत की रक्षा, आर्थिक और रणनीतिक स्थिति पर है, लेकिन वह इसे अपनी शर्तों पर चाहता है। देशों, विदेशी नेताओं और सरकारों को अस्थिर करने के लिए जो शक्ति और उपकरण

आवश्यक हैं, वे उन पर एकाधिकार जमाना चाहते हैं या उन्हें केवल कुछ लोगों के पास ही रहने देना चाहते हैं, जैसे कि एनपीटी के मामले में - 'है और नहीं है'। जहां तक भारत का सवाल है, पन्नू और निज्जर उस टूलकिट में मोटे मोहरे हैं।

हाल ही में, हमने देखा कि कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने दावों को साबित करने के लिए बिना किसी सबूत के वांछित आतंकवादी निज्जर की हत्या के लिए भारतीय एजेंसियों पर कितनी तत्परता से आरोप लगाया। जैसे ही चीजें खड़ी हुईं, बिग ब्रदर द्वारा कुछ सुझाव दिए गए और कनाडा में उनके राजदूत ने इस तरह की अग्रणी लेकिन अविश्वसनीय और अपुष्ट जानकारी साझा करने का श्रेय लिया। जल्दबाजी में उन्होंने एक भारतीय अधिकारी को बाहर निकाला, जो कनाडाई अधिकारियों के साथ सुरक्षा मामलों के समन्वय के लिए दूतावास में तैनात थे। अविवेकपूर्ण सौदेबाजी में उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को सबसे निचले स्तर पर ला दिया है और खुद कनाडा को पाकिस्तान जैसे देशों की सूची में डाल दिया है, जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं और चरमपंथियों को भारत को अस्थिर करने में सक्षम बनाते हैं। सीमा पार आतंकवाद उनकी विदेश नीति का एक साधन है। अब कुख्यात चरमपंथी, अलगाववादी और आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का मामला आता है, जो कनाडा और अमेरिका दोनों का संयुक्त नागरिक होने के नाते आलीशान आतिथ्य और सुरक्षा का आनंद लेता है। पन्नून भारतीय राजनयिकों, भारत की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा रहा है और लगातार भड़काऊ गतिविधियों और बयानों में लिप्त रहता है। हाल ही में एयर इंडिया के कनिष्क विमान को आतंकवादियों द्वारा मार गिराए जाने की बरसी पर, जिसमें मेरे एक प्रिय मित्र सहित बड़ी संख्या में भारतीय और कनाडाई लोग मारे गए थे, पन्नुन ने यात्रियों को एयर इंडिया से उड़ान न भरने की चेतावनी दी थी, जो एक बार फिर उनका लक्ष्य था।

जिहादियों ने लड़कियों की कमर तोड़-तोड़ कर किया सामुहिक बलात्कार, पुरुषों के भी प्राइवेट पार्ट को भी नहीं बख्शा, इजरायली जांच में खुलासा

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायली जांचकर्ताओं का कहना है कि हमास ने 7 अक्टूबर को सिर्फ महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी प्रताड़ित किया। महिलाओं की कमर तोड़-तोड़ कर उनके सात सामुहिक बलात्कार किया गया। कार्यकर्ताओं के अनुसार, 7 अक्टूबर के क्रूर हमलों के बाद, इजरायली जांचकर्ताओं ने ऐसे सबूत उजागर किए हैं जो बताते हैं कि पुरुषों और महिलाओं दोनों ने हमास और इस्लामिक जिहाद आतंकवादियों द्वारा की गई यौन हिंसा और बलात्कार का अनुभव किया है। द डेली मेल की एक रिपोर्ट में, इज़राइल के सर्वाइवर्स ऑफ सेक्शुअल वायलेंस वकालत समूह के प्रवक्ता येल शेरर ने हमलों के दौरान दोनों लिंगों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं का समर्थन करने वाले भौतिक साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शी खातों की उपस्थिति पर प्रकाश डाला। शेली हारुश के नेतृत्व में की गई जांच, यौन हिंसा और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में इजरायली पुलिस द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी जांच है। हारुश ने इस बात पर जोर दिया कि यौन अपराध स्पष्ट रूप से हमास आतंकवादियों की योजना का हिस्सा थे, जिसका उद्देश्य लोगों को डराना और अपमानित करना था। हारुश ने कहा, ÷पुलिस ने हजारों बयान, तस्वीरें और वीडियो क्लिप एकत्र किए हैं जिन्हें एक मां के नजरिए से देखना असहनीय बताया गया है और इसमें %जिन लड़कियों की श्रोणि टूट गई थी, उनके साथ इतना बलात्कार किया गया था% भी शामिल है।÷ नोवा म्यूजिक फेस्टिवल हमले में जीवित बचे योनी सादोन ने हमले के दौरान महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के भयावह कृत्यों को देखने का वर्णन किया। उनके विवरण में एक बेहद परेशान करने वाली घटना शामिल थी जहां एक महिला को नग्न होने से इनकार करने पर उसका सिर काट दिया गया था।

ज्वालामुखी फटने से तलहटी की ओर जा रहे 11 पर्वतारोहियों की मृत्यु

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माउंट मेरापी के फटने से 11 पर्वतारोहियों की मौत और कुछ लोगों के लापता की खबर हैं। सोमवार को एक बचाव अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया बताया कि बचाव के दौरान पहले चरण में, 49 पर्वतारोही पाए गए जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, और कुछ घर लौट आए। दूसरे चरण में, 14 लोग मिले, तीन बच गए और 11 अन्य की मौत हो गई। विस्फोट के बीच पर्वतारोही पहाड़ की तलहटी की ओर जा रहे थे।

अधिकारियों ने 75 पर्वतारोहियों की खोज के लिए लगभग 100 लोगों को तैनात किया है। समुद्र तल से 2,891 मीटर की ऊंचाई पर माउंट मेरापी की स?क्रियता से रविवार को 3,000 मीटर की राख का गुबार निकला। जो आसपास के क्षेत्र में फैल गईं। अधिकारियों ने मुख्य क्रेटर के 3 किलोमीटर के दायरे में लोगों को खतरे वाले क्षेत्र में जाने से रोक दिया है।

गौरतलब है कि मध्य जावा और योग्यकार्ता प्रांतों की सीमा पर स्थित, माउंट मेरापी में 1548 से नियमित रूप से विस्फोट होता रहा है। साल 2010 में एक बड़े विस्फोट में 353 लोग मारे गए और 20,000 से अधिक निवासी विस्थापित हुए। साल 2010 के बाद से, मेरापी ने कई छोटे विस्फोट हुए। इनमें से सबसे उल्लेखनीय दो फाइटिक विस्फोट हैं, जो नवंबर 2013 और मई 2018 में हुए थे। इसी साल जुलाई में मेरापी में महज 24 घंटे के अंदर 16 बार विस्फोट हुआ था।

आचानक खूनी लाल रंग में बदल गया आसमान, खतरे की आहट से घबराए लोग

लंदन (एजेंसी)। उलनबाटोर (ईएमएस)। मंगोलिया में शुक्रवार की सुबह आसमान अचानक गहरे खूनी-लाल रंग में बदलता देखा गया। हालांकि लोग इसे किसी गहरे खतरे की आहट मान रहे हैं। जानकार लोग इसे एक असाधारण खगोलीय प्रदर्शन घटना, औरोरा बता रहे हैं। जबकि वैज्ञानिकों ने इसे शनिवार को धरती से सौर तूफान के टकराने को जिम्मेदार बताया है। इस घटना ने लोगों को काफी आश्चर्यचकित कर दिया था। यह घटना, जिसे अरोरा के नाम से जाना जाता है, आमतौर पर ध्रुवों के करीब होती है और अक्सर हरे रंग की होती है। हालांकि मंगोलिया में देखे गए अरोरा एक आकर्षक लाल रंग के थे, जो पृथ्वी की सतह से 241 किलोमीटर ऊपर घटित हुआ था। यहां पर वायुमंडल बहुत पतला है, काफी ऊंचाई पर ऑक्सीजन के साथ सौर कणों की परस्पर क्रिया के कारण ये दुर्लभ घटना घटित हुई।

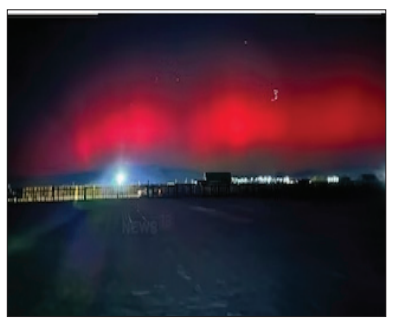

गौरतलब है कि लाल रंग की इस विशेष सेड को नॉर्दर्न लाइट्स या ऑरोरा बोरेलिस का सबसे असामान्य रंग माना जाता है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस घटना के लिए सूर्य की मल्टीपल कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) के सौर तूफान का परिणाम था, जो 27 नवंबर, 2023 को घटित हुआ था। लाल अरोरा इन सौर कणों के ऊंचाई पर ऑक्सीजन के अणुओं से टकराने का परिणाम हैं। वैज्ञानिकों ने बताया कि इतनी अधिक ऊंचाई पर, ऑक्सीजन का घनत्व कम होता है, और टकराव काफी कम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अधिक सामान्य हरे रंग की बजाय लाल रंग की रोशनी का उत्सर्जन होता है।

यह प्रक्रिया नियॉन रोशनी के काम करने के तरीके के समान है, जिसमें उत्तेजित गैस परमाणु अपनी जमीनी स्थिति में लौटने पर प्रकाश के फोटॉन छोड़ते हैं। मंगोलिया में लाल अरोरा की घटना ने वैज्ञानिकों को निचले अक्षांशों पर सौर तूफानों के प्रभावों का अध्ययन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया है। हालांकि यह दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला हो सकता है, लेकिन यह सूर्य की अपार शक्ति और हमारे टेक्नोलॉजी आधारित समाज पर सौर मौसम के प्रभावों को दिखाता है।

हमास को आईडीएफ की चेतावनी : आत्मसमर्पण करें मृत कमांडर के भाग्य का सामना करें

तेल अवीव। हमास की शेजाया बटालियन को आत्मसमर्पण करने या बटालियन के मारे गए कमांडर विसम फरहत के भाग्य का सामना करने की इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को चेतावनी दी। आईडीएफ प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल अविचाई अद्राई ने एक्स पर लिखा, यह फाइनल नोटिस है, आप सभी निशाने पर हैं। उन्होंने उस बटालियन के कमांडर की तस्वीरें भी साझा कीं जो उत्तरी गाजा के शेजाया इलाके से काम कर रही थी। आईडीएफ ने कहा कि सेना की 7वीं बख्तरबंद ब्रिगेड ने हमास के कई सदस्यों को मार गिराया है। आईडीएफ ने कहा कि उन्होंने जहाजों और सशस्त्र युद्ध केंद्रों सहित हमास के कई नौसैनिक प्रतिष्ठानों को भी नष्ट कर दिया है।

यूएस में गिरफ्तार किए गये 97000 भारतीय, गुजरात और पंजाब के सबसे ज्यादा लोगों ने की अवैध रुप से देश में घुसने की कोशिश

वाशिंगटन (एजेंसी)। नवीनतम अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (यूसीबीपी) आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करते समय रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया था। हाल के वर्षों में ऐसी घुसपैठों के दौरान, विशेष रूप से खतरनाक मार्गों से होने वाली घुसपैठ में जानमाल की दुखद क्षति के बावजूद संख्या में पांच गुना वृद्धि देखी गई है।

2019-20 में 19,883 भारतीयों को पकड़ा गया। आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 में 30,662 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया जबकि 2021-22 में यह संख्या 63,927 थी। इस साल अक्टूबर 2022 से सितंबर के बीच गिरफ्तार किए गए 96,917 भारतीयों में से 30,010 कनाडाई सीमा पर और 41,770 मेक्सिको की सीमा पर पकड़े गए।

गिरफ्तार किए गए लोगों को चार श्रेणियों के तहत वर्गीकृत किया गया है - साथ में रहने वाले नाबालिग (एएम), एक परिवार इकाई में व्यक्ति (एफएमयूए), एकल वयस्क और अकेले बच्चे (यूसी)। एकल वयस्क सबसे बड़ी श्रेणी बनाते हैं। वित्तीय वर्ष 2023 में 84,000 भारतीय वयस्क अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल हुए। गिरफ्तार किए गए लोगों में 730 अकेले नाबालिग भी शामिल थे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का कहना है कि ये आंकड़े केवल दर्ज मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और वास्तविक संख्या काफी अधिक होने की संभावना है। 'यह केवल एक ऊपरी हिस्सा है। सीमा पर पकड़े गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए, कम से कम 10 अन्य लोग हो सकते हैं जिन्होंने सफलतापूर्वक अमेरिका में घुसपैठ की है। खतरनाक रास्ता अपनाने वालों में से कई राज्य के हैं। अवैध आव्रजन रैकेट की जांच कर रहे गुजरात पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''ये मुख्य रूप से गुजरात और पंजाब के लोग हैं जो अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखते हैं।'' अधिकारी ने कहा सबसे गंभीर मामलों में से एक गांधीनगर के निवासी बृजकुमार यादव का था, जिन्होंने दिसंबर 2022 में ट्रम्प की दीवार को पार करके अमेरिका में घुसने का प्रयास किया था। दुखद रूप से, वह अपने बच्चे को पकड़े हुए तिजुआना के मैक्सिकन हिस्से में गिर गए और उनकी जान चली गई। उनकी पत्नी, पूजा, सैन डिएगो में अमेरिकी सीमा पर 30 फीट नीचे गिर गईं। परिणामस्वरूप, उनके तीन वर्षीय बच्चे को आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की हिरासत में रखा गया था।

भारतीय अमेरिकी सीमा तक कैसे पहुँचते हैं?

सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड के अनुसार, ये लोग निकटतम हवाई अड्डे मेक्सिको तक पहुंचने के लिए फ्रांस जैसे देशों सहित लगभग चार उड़ानें लेते हैं, और फिर कार्टेल द्वारा किराए पर ली गई बस को सीमा तक ले जाते हैं ताकि उन्हें अंतिम बार छोड़ा जा सके। वितरण। 'तो वे कह सकते हैं, मुझे अपने देश में डर है,' लैंकफोर्ड ने कहा।

लैंकफोर्ड ने कहा, 'इस साल अब तक हमारे पास भारत से 45,000 लोग आए हैं जो हमारी दक्षिणी सीमा पार कर चुके हैं, कार्टेल का भुगतान कर चुके हैं, हमारे देश में घुस आए हैं और कहा है कि उन्हें अपने देश में भारत से डर लगता है।' लैंकफोर्ड ने अपनी बात कई बार दोहराई कि मेक्सिको में आपराधिक गिरोह दुनिया भर के प्रवासियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं कि क्या कहना है और कहां जाना है ताकि शरण प्रक्रिया में ÷खेल÷ किया जा सके और शरण की सुनवाई का इंतजार करते हुए देश में प्रवेश किया जा सके। लैंकफोर्ड ने कहा कि शरण शरणार्थी स्थिति के समान है। अंतरराष्ट्रीय कानून में भी ऐसा ही है। एक शरणार्थी डरे हुए स्थान की ओर भाग जाता है और एक शरणार्थी केंद्र में जाकर संयुक्त राष्ट्र से कहता है, 'मुझे अपने देश में उत्पीड़न का नाटकीय डर है,' और यदि वे ऐसा करते हैं, तो वे वास्तव में इसे यहां सहित पूरी दुनिया में साझा करते हैं। उन्होंने कहा 'हम यहां दुनिया भर से शरणार्थियों को लेते हैं। शरण चाहने वाले एक ही मानक पर हैं। उन्हें अगले सुरक्षित स्थान पर जाना होगा, वहां पहुंचना होगा और शरण का अनुरोध करना होगा। यह अंतरराष्ट्रीय मानक है, लेकिन हम यहां ऐसा नहीं करते हैं।

भारत के खिलाफ तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का ऐलान

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा और तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को भारत के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में विश्राम दिया गया है और वह इसके बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। दक्षिण अफ्रीका खेल के तीनों प्रारूप में भारतीय टीम की मेजबानी करेगा। भारत दौरे में तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगा। इस दौरे की शुरुआत 10 दिसंबर को डरबन में पहले टी20 मैच से होगी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने कहा, 'कप्तान बावुमा और कैगिसो रबाडा उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर रखा गया है। यह दोनों खिलाड़ी इसके बाद टेस्ट श्रृंखला में वापसी करने वाले हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की तैयारी में जुटे हैं। दोनों टीम के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा।

बावुमा की अनुपस्थिति में एडेन मार्कराम सीमित ओवरों की श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की अगुवाई करने वाले हैं। अब तक एक वनडे और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है, जबकि हेनरिक क्लासेन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्ज़ी, मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी वनडे से बाहर रखा गया है। यह तीनों खिलाड़ी पहले दो टी20 मैच और दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के महत्वपूर्ण अंक और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए दक्षिण अफ्रीका ने भी भारत की तरह अपनी वनडे टीम में कई नए चेहरों को शामिल किया है। इनमें तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन और ऑलराउंडर मिहलाली मपोंगवाना जैसे नए चेहरे भी शामिल हैं। बल्लेबाज डेविड बेडिंघम (टेस्ट) और तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर (तीनों प्रारूप) को भी पहली बार मौका दिया गया है।

दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी (पहला और दूसरा टी20), डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन (पहला और दूसरा टी20), हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी (पहला और दूसरा टी20), एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स

दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी ज़ोरज़ी, रीज़ा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन , केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज़ शम्सी, रासी वान डेर डुसेन, काइल वेरेन और लिज़ाद विलियम्स।

दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, डीन एल्गर, मार्को यानसन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन, कैगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स और काइल वेरिन।

बिश्नोई ने 10 महीने में बना लिया अश्विन के 6 साल में तैयार किया रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा खिलाड़ी रवि बिश्नोई ने केवल दस माह में अश्विन के उस रिकार्ड को तोड़ दिया जिसे उसने 6 साल में तैयार किया था। रवि ने वर्ल्ड कप फाइनल में भी खूब धूम मचाई थी। जहां भारत के युवा खिलाड़ियों ने कंगारू टीम के छक्के छुड़ा दिए। रवि बिश्नोई सीरीज के टॉप विकेट टेकर साबित हुए। फरवरी में टी20 में टीम इंडिया में डेब्यू करने वाले बिश्नोई ने महज 10 महीने में टीम इंडिया के फिरकी मास्टर आर अश्विन के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रवि बिश्नोई ने टीम इंडिया की तरफ से अभी तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मुकाबलों में 34 विकेट अपने नाम किए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मुकाबलों में बिश्नोई ने 9 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ वे किसी एक द्विपक्षीय सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। बिश्नोई ने टीम इंडिया के स्टार स्पिनर आर अश्विन की बराबरी कर ली है। अश्विन ने साल 2016 में यह कारनामा किया था।

अश्विन ने टी20 डेब्यू के 6 साल बाद यह रिकार्ड बनाया जबकि बिश्नोई ने 10 महीनों में ही ये कमाल कर दिखाया है। बिश्नोई ने इस सीरीज में अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को ज्यादातर शिकार बनाया। 5 में से 4 मुकाबलों में बिश्नोई ने अपने पहले ही ओवर में विकेट हासिल किया। सीरीज के आखिरी मैच में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी तो बिश्नोई ने 2 अहम विकेट लेकर बाजी पलट दी। आखिरी मैच में बिश्नोई और मुकेश कुमार की गेंदबाजी की बदौलत टीम इंडिया ने 6 रन से रोमांचक जीत हासिल की। आखिरी टी20 मुकाबले में टीम इंडिया की बैटिंग मुश्किल में नजर आई। इस बीच श्रेयस अय्यर टीम के ?लिए संकटमोचक के रुप में सामने आए।

रहाणे-पुजारा नहीं जाएंगे टीम इंडिया के साउथ अफ्रीका दौरे पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गई है। उम्मीद थी कि अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को स्क्वॉड में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। इस पर सौरव गांगुली ने भी कहा कि यह समय है उनके लिए मूव ऑन करने का। सौरव गांगली से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या रहाणे और पुजारा को टेस्ट सीरीज में मौका मिलना चाहिए था? इसपर गांगुली ने कहा कुछ समय पर आपको नए टैलेंट को मौका देने की जरूरत होती है। इंडिया में बहुत सारे टैलेंट हैं। टीम को अब आगे बढ़ने की जरूरत है। पुजारा और रहाणे ने भारत के लिए काफी क्रिकेट खेला है। उन्होंने भारत को कई मैच भी जिताए हैं। लेकिन यह समय अब उनके लिए नहीं है। ये सभी के साथ होता है। मैं उन्हें बेशक धन्यवाद देना चाहूंगा। जो भी उन्होंने भारतीय टीम के लिए किया है। बता दें कि चेतेश्वर पुजारा ने अपना आखिरी टेस्ट मैच इस साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में पुजारा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे से भी बाहर कर दिया गया था। वहीं, अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए आखिरी टेस्ट इसी साल 2023 में जुलाई में खेला था। तब से खेलने का मौका नहीं मिला है।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा

-सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को दल में जगह

मेलबर्न (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा हो गई है। टेस्ट मैचों में खराब फार्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फी की जगह लेने वाले हैं। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलकर विक्टोरिया के खिलाफ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं गेंदबाज मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ दो मार्श कप मैच और तीन शेफील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम नें उन्हें अब पूरी तरह से फिट घोषित किया है।

वॉर्नर सीरीज के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फिलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं।

14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलने वाले हैं। उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के खिलाफ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्यू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाजी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल-पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस शामिल है।

पूर्व भारतीय कप्तान धोनी के इस गुरुमंत्र को अपनी सफलता मानते : शाई होप

साउंड । वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने खुलासा किया कि लक्ष्य का पीछा करने में माहिर महेंद्र सिंह धोनी की आखिर तक हार न मानने की सलाह ने इस जीत में अहम काम किया। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को शांतचित्त होकर अपने काम को अंजाम तक पहुंचाने और अपने मैच विजेता कौशल के लिए जाना जाता है। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 326 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट 213 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद होप ने धोनी से हुई बातचीत को याद कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। होप ने नाबाद 109 रन की पारी खेलकर कहा, बेहद चर्चित व्यक्ति धोनी से मेरी बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि आप जितना सोचते हो उससे अधिक समय आपके पास होता है। धोनी की तरह विकेटकीपर बल्लेबाज होप ने कहा, 'इतने वर्षों में जब से मैं वनडे क्रिकेट खेल रहा हूं उनकी यह बात मेरे दिमाग में हमेशा घूमती रहती है।

सूर्यकुमार की खिलाड़ी को सलाह,जो सही लगे वहीं मैंच का आंनद लो

बेंगलुरु । भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैंने हमेशा अपने साथी खिलाड़ियों से कहा है कि मैदान में आपको जो सही लगता है, आप वही करो और खेला आनंद लो। सूर्यकुमार ने कहा कि यह एक कमाल की श्रृंखला रही है। खिलाड़ियों ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह देखकर अच्छा लग रहा है। मैंने हमेशा अपने साथियों से कहा है कि मैदान में आपको जो सही लगता है, आप वहीं करो। अपने खेल का आनंद लो। उन्होंने कहा कि आज विकेट थोड़ा ट्रिकी था, मैंने अपने खिलाड़ियों से कहा था कि अभी भी हम मैच में बने हुए हैं, चिंता न करें। प्लेयर ऑफ द सीरीज रवि बिश्नोई ने कहा कि पहला मैच मेरे हिसाब से अच्छा नहीं गया था। हालांकि मैंने योजना बनाई थी, मैं उसी को लागू करने का प्रयास कर रहा था। मैं कोशिश कर रहा था कि मैं ज्यादा ऊपर गेंद न फेकूं और विकेट टू विकेट गेंदबाजी करना चाह रहा था। मैं दक्षिण अफ्रीका में भी इसतरह की ही गेंदबाजी करने का प्रयास करूंगा। प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर पटेल कहा कि आज पहली ही गेंद करने पर मुझे स्पिन मिला,तब मैंने मुस्कुराते हुए सोचा कि यह मेरा विकेट है। एक ब्रेक के बाद वापसी करते हुए मैं लय में नहीं था, उस वक्त मैं काफी कुछ सोच रहा था, क्योंकि बल्लेबाजी उस हिसाब से नहीं हो रही थी।

कोरिया के खिलाफ मैच से भारत करेगा विश्वकप अभियान का आगाज

कुआलालंपुर (एजेंसी)। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप मलेशिया 2023 में भारत अपने अभियान की शुरुआत पूल सी में अपने पहले मैच में कोरिया के खिलाफ जीत के साथ करना चाहेगा। कुआलालंपुर के बुकिट जलील में नेशनल हॉकी स्टेडियम मंगलवार को भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे यह मैच खेला जाएगा। कोरिया के खिलाफ शानदार रिकार्ड रखने वाली भारतीय टीम के हौसले बुलंद है।

दोनों टीमे अब तक छह बार आमने सामने हो चुकी है जिसमें तीन मैच भारत के पक्ष में गये है जबकि दो में उसे हार का सामना करना पडा है। एक मैच का नतीजा नहीं निकल सका था। आखिरी बार दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में आयोजित पुरुष जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल के दौरान एक-दूसरे से भिड़ी थीं, जहां भारत ने कोरिया पर 9-1 से बड़ी जीत दर्ज की थी।

मैच की पूर्व संध्या पर भारतीय कप्तान उत्तम सिंह ने कहा, 'हम अच्छी शुरुआत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। हमने हाल ही में कोरिया के खिलाफ खेला है, इसलिए हम चुनौती के बारे में भलीभांति जानते है। हमारा ध्यान अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने पर और अच्छी हॉकी खेलने पर होगा।'

कोच सीआर कुमार ने कहा, 'खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की है, और टूर्नामेंट के लिए टीम पूरी तरह से तैयार हैं। कोरिया एक अच्छी टीम है जिसे आप हल्के में नहीं ले सकते। हमें हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करना होगा, यह एक बड़ा मंच है, इसलिए टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत पाने के लिए हमें सतर्क रहना होगा और अपनी ताकत का मुजाहिरा मैदान पर करना होगा।'

दो बार का जूनियर विश्व चैंपियन भारत अपने पूल सी मैचों में सात दिसंबर को स्पेन और नौ दिसंबर को कनाडा से भिड़ेगा। पूल चरण में शीर्ष दो में रहने से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की हो जाएगी। टूर्नामेंट का क्वार्टर-फाइनल 12 दिसंबर, सेमी-फाइनल 14 दिसंबर और फाइनल 16 दिसंबर को होगा।

एक दिन बाद पीसीबी के चयन पैनल से बाहर हुए सलमान बट

लाहौर । पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता ने अपना फैसला पलटते हुए सलमान बट को पैनल से बाहर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने पूर्व दागी कप्तान सलमान बट को राष्ट्रीय चयन पैनल में शामिल करने के एक दिन बाद 'गहन समीक्षा करते हुए अपने फैसले को पलट दिया। स्पॉट फिक्सिंग के लिए पांच साल के प्रतिबंध के बाद 2016 में क्रिकेट में सफल वापसी करने वाले 39 वर्षीय बट को उनके पूर्व साथी कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम के साथ मुख्य चयनकर्ता रियाज का सलाहकार सदस्य नियुक्त किया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने सलमान बट को चयन समिति में सलाहकार सदस्य के रूप में शामिल करने के अपने फैसले को पलटने का विकल्प चुना है। हालांकि सलमान बट को नियुक्त करने का निर्णय विचाराधीन था और गहन समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया कि उन्हें सलाहकार सदस्य के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चयन समिति की परामर्श समिति में किसी भी अतिरिक्त सदस्य की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। बयान में कहा गया, 'सलाहकार सदस्य को चुनने का अधिकार पूरी तरह से मुख्य चयनकर्ता के पास है। सलाहकार सदस्य की भूमिका चयन समिति को सिफारिश और जानकारी प्रदान करना है। चयन समिति के परामर्श पैनल में किसी अतिरिक्त सदस्य की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। पाकिस्तान की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया में है जहां उसे तीन टेस्ट की श्रृंखला खेलनी है जिसका पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में खेला जाएगा।

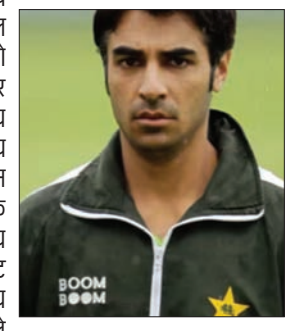

सीएसके ने बेन स्टोक्स को किया रिलीज, अब ढूंढना होगा नया विकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2024 के 17वें एडिशन के लिए सीएसके ने बेन स्टोक्स को भले ही रिलीज कर दिया, लेकिन इसका कोई विकल्प ढूंढना होगा। बता दें कि आईपीएल के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में अब कुछ ही दिन रह गए हैं। आईपीएल ऑक्शन का आयोजन 19 दिसंबर को दुबई में होगा। नीलामी के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम पर सभी की नजरें रहेंगी। जिनके पर्स में 31.4 करोड़ है। सीएसके ने स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को रिलीज कर दिया है। जिसे सीएसके ने साल 2023 के ऑक्शन में 16।25 करोड़ में अपने साथ जोड़ा था। सीएसके की टीम ऑक्शन में बेन स्टोक्स का विकल्प ढूढने उतरेगी। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया कि सीएसके की टीम बेन स्टोक्स की जगह ऑक्शन में न्यूजीलैंड के उभरते ऑलराउंडर रचिन रवींद्र या डेरिल मिचेल पर दांव खेल सकती है। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'उन्हें ऑलराउंडर की जरूरत है, शायद बेन स्टोक्स की जगह रचिन रवींद्र हो सकते हैं, या शायद सीएसके डेरिल मिचेल पर दावं लगा सकती है। उन्हें स्पिनर की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके पास रवींद्र जडेजा, प्रशांत सोलंकी, मोइन अली और मिचेल सैंटनर हैं। ये खिलाड़ी स्पिन की भूमिका निभा सकते हैं।

इन दिनों कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे आकाश चोपड़ा ने कहा कि सीएसके को अंबाती रायडू के विकल्प की भी जरूरत है। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर का कहना है कि रायडू की जगह सीएसके मनीष पांडे या करुण नायर को अपने साथ जोड़ सकती है। बकौल चोपड़ा,'बैटिंग डिपार्टमेंट में सीएसके को अभी एक भारतीय बल्लेबाज की जरूरत है। जो अंबाती रायडू की जगह ले सके। ऐसे में मनीष पांडे या करुण नायर सीएसके में रायडू की कमी को पूरा कर सकते हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 ऑक्शन में 10 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनके पास भरने के लिए 77 स्लॉट हैं। इसमें से 30 स्लॉट विदेशी प्लेयर्स के लिए हो सकते हैं।

325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज से हारा इंग्लैंड

नई दिल्ली । 325 रन बनाने के बावजूद भी वेस्टइंडीज ने पहले वनडे मैच में इंग्लैंड को हरा दिया। शाई होप की कप्तानी पारी की बदौलत मेहमान टीम बुरी तरह से हारी। जानकारी के अनुसार एंटीगा में खेले गए पहले वनडे मैच में मेजबान वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को 7 गेंद बाकी रहते 4 विकेट से हराकर 3 मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। इस मुकाबले में कैरेबियाई पावर देखने को मिली। शाई होप ने शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। जोस बटलर एंड कंपनी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था। लेकिन बड़ा स्कोर बनाने के बावजूद भी उसके गेंदबाज इसका बचाव नहीं कर सके। इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के 77 रन और जैक क्राउली के 48 व ओपनर फिल साल्ट के 45 रन की मदद से 325 का स्कोर बनाया।

इधर वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड, मोती और ओशाने थॉमस ने दो दो विकेट लिए। 326 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंडीज की शुरुआत धमाकेदार रही। ओपनर एलिक एथानेज और ब्रेंडन किंग की जोड़ी ने पहले विकेट लिए 104 रन जोड़े। एथानेज 65 गेंदों पर 66 रन बनाकर पवेलियन लौटे। जब ?कि ब्रेंडन किंग 44 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद केसी कार्टी ने 16 रन का योगदान दिया।

कप्तान और विकेटकीपर शाई होप ने 83 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

मैच में शिमरोन हेटमायेर 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रोमारियो शेफर्ड ने 28 गेंदों पर 49 रन की तूफानी पारी खेली। शाई होप ने 51 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की जबकि शतक के लिए लिए 82 गेंदों का सहारा लिया। इसी तरह इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और रेहान अहमद ने 2-2 विकेट चटकाए। तेज गेंदबाज सैम करेन ने 9.5 ओवर में 98 रन लुटाए और उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी। शाई होप को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

मेडिकल ट्रीटमेंट के चलते मोहम्मद शमी को वनडे, टी20 से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल ट्रीटमेंट के चलते मोहम्मद शमी को वनडे, टी20 से बाहर कर दिया है। यह बात स्वयं बीसीसीआई ने अपने एक स्टेटमेंट में कही। गौरतलब है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे, टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी गई है। स्क्वॉड में अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर मुकेश कुमार जैसे गेंदबाजों को मौका मिला है। टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव को दी गई है वहीं, वनडे की कप्तानी केएल राहुल के पास होगी। हैरान करने वाली बात ये है कि मोहम्मद शमी साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं है। खेल के जानकार इसके पीछे की कुछ वजह बता रहे हैं। बीसीसीआई ने एक स्टेटमेंट जारी करते हुए बताया है कि मोहम्मद शमी अभी मेडिकल ट्रीटमेंट ले रहे हैं। वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उनकी वापसी इसके बाद होगी। बता दें कि शमी को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। जिसमें अभी काफी दिन बचे हैं। तब शमी पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। बता दें कि दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट खेले जाने हैं। पहला टेस्ट 26 दिसंबर से वहीं दूसरा टेस्ट अगले साल 3 जनवरी से खेला जाना है। शमी ने इस साल विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन किया है।

वर्ल्ड कप के इतिहास में वह 50 विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। ओवरऑल वनडे करियर की बात करें, तो शमी अब तक 101 मैच में 24 की औसत से 195 विकेट ले चुके हैं। 10 बार 4 और 5 बार 5 विकेट लिया है। वे टेस्ट में 229 और टी20 इंटरनेशनल में 24 विकेट झटक चुके हैं। वर्ल्ड कप में उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट लिए थे। औसत सिर्फ 10 का रहा था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो. शमी*, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित हुए रणवीर

बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह को हाल ही में जेद्दा में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया गया है। सिनेमा में उनके शानदार योगदान के लिए उन्हें हॉलीवुड आइकन शेरोन स्टोन से पुरस्कार मिला। इस दौरान रणवीर ने दर्शकों में बैठे जॉनी डेप के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने जॉनी डेप को अपना आदर्श बताया। साथ ही उन पर उनके प्रभाव को लेकर भी बात की।

जॉनी डेप को बताया अपना आइडल

रणवीर सिंह ने कहा, वाह, मेरे एक स्क्रीन आइडल घर में हैं। देवियो और सज्जनो, मिस्टर जॉनी डेप। मेरे अच्छे सर, मैंने एडवर्ड सिजरहैंड्स और व्हाट्स ईटिंग गिल्बर्ट ग्रेप के बाद से आपके काम का फॉलो किया है। आपकी उपस्थिति में इस पुरस्कार को प्राप्त करना कितने सम्मान की बात है। आपने अनजाने में मुझे क्राफ्ट के बारे में जो कुछ भी सिखाया है, उसके लिए धन्यवाद सर। मैं आपसे प्रेरित हूं। शेरोन स्टोन ने रणवीर को इस पुरस्कार से सम्मानित किया। स्टोन ने इस दौरान कहा, मुझे पहले भी रणवीर सिंह से मिलने का मौका मिला है। बहुत अच्छे इंसान हैं। वह वास्तव में एक ऑल राउंडर और रचनात्मक प्रतिभा हैं। एक और प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने के लिए मंच पर उनका स्वागत करते हुए मुझे सचमुच बहुत खुशी हो रही है।

जल्द सिंघम अगेन में नजर आएंगे रणवीर

वहीं, रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो आखिरी बार वह करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आए थे। इस फिल्म में रणवीर के साथ आलिया भट्ट, जया बच्चन, धर्मेंद्र और शबाना आजमी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई दिए थे। इसके बाद रणवीर जल्द ही रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में नजर आएंगे।

अपने लिए सुपरस्टार टैग नहीं चाहते थे रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल रिलीज को बिल्कुल तैयार है। अभिनेता इस फिल्म में खूंखार अवतार में नजर आएंगे। अपनी डेब्यू फिल्म सांवरिया से लेकर अब तक रणबीर कपूर की छवि इंडस्ट्री में चॉकलेटी बॉय वाली रही है। मगर, इस फिल्म में उनका अंदाज बिल्कुल हटकर है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल में रणबीर जहां एक्शन दिखाते नजर आएंगे, वहीं उनका हिंसक रूप भी दर्शकों को देखने को मिलेगा। संदीप रेड्डी वांगा ने रणबीर कपूर के लेकर कहा कि एनिमल के लिए रणबीर को लेते हुए उन्हें लगा था कि ये उनकी छवि से बिल्कुल उलट भूमिका है। लेकिन, उन्होंने सोचा कि रॉकस्टार और तमाशा जैसी फिल्मों में नजर आए रणबीर हिंसक और एक्शन अवतार में भी खूब जचेंगे। यहां तक कि उन्होंने ये भी सोचा कि रणबीर को लेकर किसी और को ये ख्याल क्यों नहीं आया? बतौर निर्देशक और राइटर वे इस बारे में सोच पा रहे थे। संदीप रेड्डी वांगा ने कहा कि रणबीर कपूर एक्शन में बेहद शानदार हैं। फिल्म एनिमल के पोस्टर पर रणबीर के लिए लिखे गए सुपरस्टार टैग पर भी संदीप रेड्डी वांगा ने बात की। संदीप ने बताया कि रणबीर इस टैग के बिल्कुल खिलाफ थे और वे इसे हरगिज नहीं चाहते थे। संदीप रेड्डी वांगा ने ये भी खुलासा किया कि मेकर्स रणबीर को फिल्म के ऑडियो टीजर में सुपरस्टार कहना चाहते थे, लेकिन खुद रणबीर ने ऐसा नहीं करने की गुजारिश की। हालांकि, पोस्टर के लिए निर्देशक ने रणबीर को मना लिया। पोस्टर में सुपरस्टार लिखने के लिए जब रणबीर मना कर रहे थे तो संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, तुम क्या महसूस कर रहे हो ये भूल जाओ। ये मेरी फीलिंग है। मुझे लगता है कि तुम सुपरस्टार हो, इसलिए पोस्टर में ऐसा लिखने का भी मेरा मन है। बता दें कि फिल्म एनिमल कल एक दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म में रणबीर के अलावा अनिल कपूर, बॉबी देओल और साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना भी अहम रोल में दिखेंगी। फिल्म का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर से होगा।

अर्जुन रेड्डी के स्लैप सीन पर बोलीं शालिनी पांडे

'एनिमल' फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की पहली फिल्म 2017 में रिलीज हुई फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' थी। इस फिल्म से एक्ट्रेस शालिनी पांडे ने एक्टिंग डेब्यू किया था। एक इंटरव्यू में फिल्म को मिले क्रिटिसिज्म पर शालिनी ने कहा कि 6 साल पहले जब उन्होंने 'अर्जुन रेड्डी' साइन की थी तब वो बहुत ही यंग और भोली-भाली थीं। बता दें कि 'अर्जुन रेड्डी' वही तेलुगु फिल्म है जिसकी हिंदी रीमेक शाहिद कपूर स्टारर 'कबीर सिंह' थी।

शालिनी-विजय के स्लैप सीन पर हुई थी बहस

फिल्म अर्जुन रेड्डी को काफी क्रिटिसिज्म का सामना करना पड़ा था। इसमें एक सीन था जिसमें फिल्म के लीड एक्टर विजय देवरकोंडा अपनी लव इंट्रेस्ट बनीं शालिनी पांडे को थप्पड़ मारते हैं। इस सीन को लेकर बहुत बहस हुई थी। कई लोगों का मानना था कि यह फिल्म टॉक्सिक रिलेशनशिप को बढ़ावा दे रही है।

तब मेरे लिए यह किसी सपने जैसा था

अब फिल्म रिलीज के 6 साल बाद एक इंटरव्यू में शालिनी ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है। फिल्म को मिले क्रिटिसिज्म पर शालिनी ने कहा कि जब मैंने 'अर्जुन रेड्डी' साइन की थी तब मैं सिर्फ 21 साल की थी। उस समय मेरे लिए इस फिल्म से बढ़कर कुछ भी नहीं था। यह मेरे लिए किसी सपने जैसा था। उस वक्त मैं बाकी चीजें समझने के लिए काफी यंग थी।'

विक्की कौशल की इस साल की सबसे बड़ी ओपनर बनी सैम बहादुर

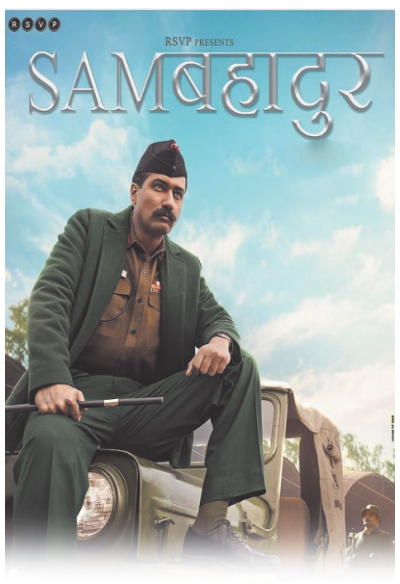

विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ की कमाई की। शुक्रवार को रिलीज हुई यह फिल्म विक्की कौशल की इस साल की अब तक की सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई है। हालांकि, इस फिल्म का क्लैश रणबीर कपूर स्टारर एनिमल से हुआ, लेकिन फिर भी सैम बहादुर ने पहले दिन ठीक-ठाक कलेक्शन किया। इस 2 घंटे 25 मिनट की फिल्म में विक्की कौशल ने फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का किरदार निभाया है। वहीं फिल्म में उनका साथ देने के लिए पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रूप में फातिमा सना शेख दिखीं। सैम बहादुर की पत्नी के किरदार में सान्या मल्होत्रा भी नजर आईं।

वीकेंड पर फिल्म के 22 करोड़ कमाने की उम्मीद

बड़े शहरों में हाई-एंड मल्टीप्लेक्स का योगदान सैम बहादुर के लिए अच्छा रहा। हालांकि, फिल्म के ऊपर वीकेंड के दौरान अच्छा परफॉर्म करने का प्रेशर जरूर है। फिल्म की वीकेंड पर 22 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की उम्मीद की जा रही है।

एनिमल में बॉबी के प्रदर्शन पर सनी ने कहा, मेरे छोटे भाई ने दुनिया हिलाकर रख दी

रणबीर कपूर अभिनीत नवीनतम रिलीज एनिमल में बॉबी देओल की भूमिका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी को लेकर अब स्टार के बड़े भाई सनी देओल ने उनकी तारीफ की है।

सनी ने इंस्टाग्राम पर अपने भाई बॉबी के साथ कई तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें संदीप वांगा रेड्डी द्वारा निर्देशित फिल्म में एक खलनायक के रूप में उनके प्रदर्शन के लिए प्रशंसा मिल रही है। उन्होंने तस्वीरों को कैप्शन दिया- मेरे छोटे भाई ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस पर बॉबी ने जवाब दिया, आप मेरी जिंदगी हैं, मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करता हूं। एनिमल में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी भी हैं। यह 201 मिनट की अवधि के साथ बनी सबसे लंबी भारतीय फिल्मों में से एक है। यह फिल्म बिजनेस दिग्गज बलबीर सिंह और उनके बेटे रणविजय सिंह के जटिल रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। बलबीर के साथ हुई त्रासदी के बाद, रणविजय अपने प्रतिद्वंद्वी अबरार हक से प्रतिशोध लेने के लिए निकलता है और अपने परिवार को कभी नहीं छोड़ने की प्रतिज्ञा करता है।

करण जौहर की आगामी बायोपिक में सी शंकरन नायर की भूमिका निभाएंगे अक्षय

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों करण जौहर की आगामी बायोपिक द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सी शंकरन नायर की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है। इसके अलावा, उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए भी लड़ाई लड़ी। अक्षय कुमार सी शंकरन नायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि अनन्या पांडे और आर माधवन भी फिल्म में अभिनय करेंगे। कथित तौर पर, अनन्या पांडे और अक्षय कुमार को हाल ही में आईआईटी रूड़की में देखा गया था। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, यह शेड्यूल कम से कम 20 दिनों तक चलेगा। अगला शेड्यूल अलीबाग में शुरू होगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा जा रहा है कि यह नायर के परपोते रघु पलाट और उनकी पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर का रूपांतरण है। द केस दैट शुक द एम्पायर पुस्तक पंजाब के तत्कालीन उपराज्यपाल और 1919 में निहत्थे नागरिकों पर क्रूर हमले के प्रमुख योजनाकारों में से एक माइकल फ्रांसिस ओडायर के खिलाफ नायर की ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई का वर्णन करती है। अक्षय कुमार के अलावा अनन्या पांडे और आर माधवन के भी फिल्म से जुड़ने की खबरें हैं, जिसने फैंस के उत्साह को बढ़ा दिया है। काम के मोर्चे पर, अक्षय कुमार को आखिरी बार मिशन रानीगंज में देखा गया था, जो इसी वर्ष अक्तूबर में रिलीज हुई थी। यह फिल्म आईआईटी धनबाद के खनन इंजीनियर जसवंत सिंह गिल पर आधारित थी, जिन्होंने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में फंसे 65 खनिकों को बचाया था। इस बीच, करण जौहर की आखिरी निर्देशित परियोजना, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी थी। फिलहाल वह अपने लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो कॉफी विद करण के 8वें सीजन को होस्ट करते नजर आ रहे हैं।

रोमांटिक जोन से बाहर भी फिट हो सकता हूं

साउथ अभिनेता नागा चैतन्य ने पिछले वर्ष आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वह अब ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। जल्द ही उनकी सुपरनैचुरल थ्रिलर वेब सीरीज धूथा अमेजन प्राइम पर रिलीज होने वाली है। एक दिसबंर को यह सीरीज अमेजन पर रिलीज होगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी नई पारी को लेकर उत्साह वयक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में वह दर्शकों को एक अलग नजरिए में दिखाई देंगे। नागा चैतन्य ने कहा, मेरे फैंस और दर्शकों ने हमेशा रोमांटिक किरदार में मुझे प्रोत्साहित किया है और प्यार किया है। इसलिए जब धूथा मेरे पास आई, तो मेरे होश उड़ गए। क्योंकि यह एक ऐसी शैली है, जिसमें एक दर्शक के रूप में मैं अलौकिक थ्रिलर का आनंद लेता हूं। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के तौर पर मैंने पहले कुछ भी नहीं किया है। इस सीरीज ने मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आने और एक अभिनेता के रूप में खुद को आगे बढ़ाने में मदद की है। अभिनेता ने कहा, मैं दर्शकों को यह साबित करना चाहता हूं कि मैं रोमांटिक जोन से बाहर भी फिट हो सकता हूं। नागा चैतन्य से सवाल किया गया कि क्या रोमांटिक छवि से बाहर निकलना और उनकी छवि से बिल्कुल अलग कुछ करना जरूरी है। इसपर अभिनेता ने कहा, हम ऐसे समय में रहते हैं जहां विभिन्न चीजों से बहुत अधिक सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। मैं एक अभिनेता के रूप में स्थिर नहीं रह सकता, क्योंकि वरना मैं खत्म हो जाऊंगा। क्योंकि समाप्ति तिथि सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा, मुझे दर्शकों को जोड़े रखने और विभिन्न शैलियों को आजमाने के लिए खुद को प्रेरित करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। साउथ अभिनेता ने कहा, वेब सीरीज का हिस्सा बनने से अपने दर्शकों का विस्तार करने में भी काफी मदद मिलती है। बता दें कि अमेजन प्राइम की वेब सीरीज धूथा 200 से अधिक देशों में रिलीज हो रही है। इसे लेकर नागा चैतन्य ने कहा, मेरा मानना है कि भाषा अब कोई बाधा नहीं है। जब जापान या यूएई में बैठा कोई व्यक्ति शो देखता है और एक टेक्स्ट संदेश भेजता है या एक एक्टर और शो के रूप में मेरे बारे में कुछ कहता है, तो मैं उस तरह की ऊंचाई की चाहत रखता हूं। इससे एक अभिनेता के रूप में भी काफी एक्सपोजर मिलता है।